गुरुवार
11 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

मुजफ्फरपुर में ज्वेलरी दुकान में 51 लाख के गहनों की लूट 2

केन्द्रीय गृहमंत्री ने गया के गुरारू में आयोजित चुनावी सभा में विपक्ष दल और भ्रष्टाचारियों पर जमकर बोला हमला

गरीबों से लूटी गई पाई-पाई वापस करना होगा: अमित शाह

- आम जन से की प्रार्थना- कहा- इस बार मोदी जी को 400 पार करा दें, मेरा वादा है पीएम मोदी भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना देंगे

केटी न्यूज/गया

लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने बिहार में एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। इसी क्रम में बुधवार को गया के गुरारू में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने चुनावी सभा को संबोधित किया। इसमें डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, पूर्व सीएम सह गया लोकसभा प्रत्याशी जीतन राम मांझी, औरंगाबाद प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह, लोजपा के पशुपति पारस, नित्यानंद राय, मंत्री डॉ प्रेम कुमार, रालोसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा सहित कई मंत्री व भाजपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। अमित शाह ने सबसे पहले देव सूर्य मन्दिर सहित देव स्थलों को नमन किया। उसके बाद महान स्वतंत्रता सेनानी सत्येंद्र नारायण सिंह को नमन किया। कहा कि बिहार की इस महान जनता ने साल 2014 में 40 में से 31 सीटें दिया। उसके बाद फिर 2019 में 40 में से 39 सीटें दिया। लेकिन आपलोग से प्रार्थना है कि इस बार पूरी की पूरी झोली भर दीजिए। एक बार मोदी जी को 400 पार करा दें। मेरा वादा है कि पीएम मोदी भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना देंगे। देश से 370 की धारा हटाई गयी। राम मंदिर बनाकर रामलला की प्रतिमा स्थापित की गयी। रामलला पहली बार रामनवमी अयोध्या में अपने मंदिर में मनाएंगे.पुलवामा हमला के जवाब में दस दिन के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक करने का काम किया। जिससे आतंकवाद को मुहतोड़ जवाब मिला। मोदी जी ने पिछड़ों-अति पिछड़ों को सम्मान दिलाने का काम किया। आयुष्मान भारत योजना को बिहार में नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी की सरकार ने लागू किया। अब कोई गरीब बीमारी के अभाव में नहीं मरेगा। दिल्ली में बेटा गरीब का बेटा नरेंद्र मोदी मुफ्त में उनका इलाज कराएगा।

जीतनराम मांझी ने मांगा वोट: पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने सभा को संबोधित करते हुए औरंगाबाद से भाजपा के प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह के लिए वोट मांगा। उन्होंने कहा कि एनडीए इस बार 400 से ज्यादा सीट जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि गया में मुझे और औरंगाबाद में सुशील सिंह को वोट दें।

कांग्रेस सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए निकले, नोट गिनने में लगीं मशीनें गर्म हो गईं

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस व राजद ने 12 लाख करोड़ के घोटाले किए। 45 से ज्यादा घोटाले किए। 23 साल से मोदी जी पीएम व सीएम हैं, लेकिन उन पर चार आने के भ्रष्टाचार का आरोप कोई नहीं लगा सकता। कुछ लोग सहारा के पेमेंट की बात कर रहे थे। सहारा को-ऑपरेटिव में इंवेस्टमेंट को वापस करने का फैसला सरकार ने किया है। सारा पैसा वापस होगा। अभी 10 हजार तक का पेमेंट होगा। कांग्रेस सांसद के घर से साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए निकले। नोट गिनने में लगीं 25 मशीनें गर्म हो गईं। भ्रष्टाचारी एक भी छूटेगा नहीं, जेल के पीछे जाने के लिए तैयार रहे। यह मोदी की गारंटी है। गरीबों से लूटी गई पाई-पाई वापस करना होगा। इसके घर से साढ़े तीन सौ करोड़ पकड़ा गया उसे ईडी जेल में नहीं डाले। ममता बनर्जी के मंत्री के घर से 51 करोड़ पकड़े गए। जिन्होंने करप्शन कराया है। उनकी जगह जेल की सलाखों के पीछे है। एक ऐसी सरकार बनानी है। जो पूर्ण विकसित बिहार बनाए। नरेंद्र मोदी का लक्ष्य पूर्ण विकसित भारत बनाने का है।

बिहार में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का काम एनडीए सरकार ने किया

मोदी जी ने 10 साल में देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन, 12 करोड़ शौचालय, 4 करोड़ घर, 10 करोड़ गैर, 7 करोड़ मुफ्त इलाज। बिहार में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का काम एनडीए सरकार ने किया। पहले गरीब के घर में बीमारी आती थी। तो बाप भी 10-15 दिन के बाद बेटे को कहता था कि घर ले जाओ। मैं बीमारी से मरुंगा लेकिन बीमारी के कर्ज के तले तुम लोग मर जाओगे। आज चिंता की जरुरत नहीं है। यह क्षेत्र नक्सलवाद से मुक्ति के कगार पर पहुंच गया है। एक समय शाम में सभा नहीं होती थी। नक्सलवादी बम धमाका करते थे। 2019 से अब तक 200 नए कैम्प बनाए, 14 पोलित ब्यूरो सदस्य मरे या आत्मसमर्पण किया। आवास योजना का सबसे ज्यादा औरंगाबाद में 90 हजार घर, आयुष्मान भारत योजना 2.30 लाख, 2.25 गैस कनेक्शन, 3 लाख घरों में नल-जल, 1.80 लाख किसानों को छह हजार रुपए। 10 साल में कांग्रेस ने कुछ भी नहीं किया। मोदी सरकार ने 15 लाख करोड़ से ज्यादा विकास योजनाओं पर काम किया है।

कांग्रेस वालों शर्म करो, एक बार 1947 में देश को तोड़ दिया, अब नहीं टूटने देंगे...

गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है। कांग्रेस की चार पीढ़ियां तुष्टिकरण करती रहीं। कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ को फिर से लाएंगे। ट्रिपल तलाक समाप्त होना चाहिए या नहीं। यूसीसी आना चाहिए या नहीं। कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति करती है। उत्तर भारत-दक्षिण भारत के टुकड़े करने की बात इनके एमपी कहते हैं। कांग्रेस वालों शर्म करो। एक बार 1947 में देश को तोड़ दिया। यह नरेंद्र मोदी की सरकार है। देश को टूटने नहीं देंगे। राजद के नेता हमारे रामचरित मानस का विरोध करते हैं। ये विकास और देश को एक नहीं कर कसते हैं।

पतंजलि भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने दी चेतावनी, कहा- आप अगले एक्शन के लिए तैयार रहें

एजेंसी/नई दिल्ली

पतंजलि भ्रामक विज्ञापन केस में सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और सरकार को जमकर फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव की माफी को स्वीकार करने से मना कर दिया। इसके अलावा कोर्ट सरकार के जवाब से भी संतुष्ट नहीं थी। अदालत ने मामले से जुड़े अधिकारियों को भी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि आप अगले ऐक्शन के लिए तैयार रहें। आपने जानबूझ कर कोर्ट की अवमानना की और मामले को हल्के में लिया।

कोर्ट की अवमानना मामले में बाबा रामदेव की ओर से जो हलफनामा पेश किए गए। एक पतंजलि की ओर से था और दूसरा बाबा रामदेव की ओर से व्यक्तिगत था। सुप्रीम कोर्ट ने माफीनामा को स्वीकार करने से मना कर दिया। जस्टिस कोहली ने कहा, हम इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं, हम इसे अदालत की अवमानना मानते हैं। अब आप अगले ऐक्शन के लिए तैयार रहें।

जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, 'हम अंधे नहीं हैं।' जस्टिस कोहली ने कहा पकड़े जाने के बाद केवल कागज पर माफी मांगी गई है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा कि ये स्वीकारने लायक नहीं है, ऐसा तीन बार किया जा चुका है। बाबा के वकील रोहतगी ने कहा पेशवेर वादी नहीं है, लोग जीवन में गलतियां करते हैं। बेंच ने कहा, हमारे आदेश के बाद भी गलती? इस मामले में हम इतना उदार नहीं होना चाहते। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस कोहली ने कहा कि अवमानना के केस में जब आप यह कहकर छूट मांगते हैं कि आपके पास विदेश यात्रा का टिकट है। आपने देश से बाहर जाने के अपने एक कार्यक्रम की जानकारी दी है, इसे देखकर लगता है कि आप सारी प्रक्रिया को हल्के में ले रहे हैं। जस्टिस अमानुल्लाह ने सुनवाई के दौरान कहा, कोर्ट से झूठ बोला गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र ने ये मामला 2020 में उत्तराखंड सरकार को भेजा था। लेकिन उन्होंने इसमें निष्क्रियता दिखाई। अब कार्रवाई उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने अधिकारियों से पूछा आपने अब तक इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज क्यों नहीं करवाया। यह क्यों न माना जाए कि आपकी इनसे मिलीभगत है। कोर्ट ने कहा इन अधिकारियों का अभी निलंबन होना चाहिए। जस्टिस कोहली ने पूछा कि ड्रग ऑफिसर और लाइसेंसिंग ऑफिसर का क्या काम है? आपके अधिकारियों ने कुछ नहीं किया है। जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, हमें अधिकारियों के लिए 'बोनाफाइड' शब्द के इस्तेमाल पर कड़ी आपत्ति है। हम हल्के में नहीं लेंगे। हम इसकी धज्जियां उड़ा देंगे।

जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा आपने हमें उकसाने का काम किया। ये तो अभी शुरूआत है। केंद्र सरकार की ओर पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ये तो बस गलतियां हैं। जस्टिस कोहली ने कहा, ये मूर्खताएं हैं। मेहता ने कहा, हम एक पार्टी नहीं थे। इसके जवाब में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, वाह! कोई भी पार्टी आपको आपके सार्वजनिक कर्तव्य से मुक्त नहीं कर सकती! यह बिल्कुल अप्रासंगिक बात है। जब मेहता ने कार्रवाई का आश्वासन दिया तो कोर्ट ने कहा, उन सभी अज्ञात लोगों के बारे में क्या जिन्होंने इन बीमारियों को ठीक करने वाली पतंजलि दवाओं का सेवन किया है जिन्हें ठीक नहीं किया जा सकता है.. क्या आप किसी सामान्य व्यक्ति के साथ ऐसा कर सकते हैं?

जनता समर्थन दे तो बिहार में रोक देंगे बीजेपी का रथ: तेजस्वी

केटी न्यूज/औरंगाबाद

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गीत गाकर निशाना साधा है। यह पहली बार नहीं जब तेजस्वी ने गीत गाकर पीएम मोदी पर निशाना साधा हो। पूर्व में वह 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित महारैली में भी गीत गाकर निशाना साध चुके हैं। तेजस्वी बुधवार को बिहार के औरंगाबाद में थे। यहां उन्होंने पीएम मोदी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि तुम तो धोखेबाज हो वादा करके भूल जाते हो, रोज रोज मोदी जी तुम ऐसा करोगे, जनता जो रूठ गई तो तुम हाथ मलोगे।

तेजस्वी का यह गीत सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तेजस्वी के इस गीत पर सभा मेंआई जनता ने भी ठहाके लगाए। अपने संबोधन में तेजस्वी ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला और कहा कि अगर आप समर्थन देंगे तो जैसे बिहार में लालू यादव ने आडवाणी का रथ रोका था, वैसे ही बीजेपी का भी रथ रोक दिया जायेगा। उन्होंने महागठबंधन प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताने की अपील भी की।

तेजस्वी यादव औरंगाबाद लोकसभा से आरजेडी उम्मीदवार अभय कुशवाहा के पक्ष में लोगों से जनसमर्थन मांग रहे थे। तेजस्वी ने कहा कि आप लोग इस बार तय कर लीजिए कि बदलाव करेंगे। क्योंकि, पीएम मोदी सहित बीजेपी के तमाम बड़े लीडर बिहार आएंगे और झूठे वायदे करेंगे। लेकिन, उनके झूठे वादों में नहीं आना है। इस बार आप लोग अपने भाई को शक्ति दीजिए। औरंगाबाद की सीट हमारे खाते में डालिए। औरंगाबाद में छोटे से मंच पर तेजस्वी यादव बोल रहे थे। स्टेज पर भारी संख्या में लोग थे। चारों तरफ धूल उड़ रही थी। बावजूद लोग टस से मस नहीं हुए। तेजस्वी यादव जितनी देर भी बोले, युवा-

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के मुख्तार अंसारी वाले बयान पर चुनाव आयोग पहुंची भाजपा

केटी न्यूज/लखनऊ

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, संजय मयूख और ओम पाठक सहित पार्टी के नेताओं ने निर्वाचन आयोग में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अरुण सिंह ने अखिलेश यादव पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बता दें कि अखिलेश यादव ने कहा था कि अंसारी की मौत जेल में जहर देने के कारण हुई है। अरुण सिंह, संजय मयूख और ओम पाठक सहित पार्टी के नेताओं ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई है और अखिलेश यादव के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने मुख्तार अंसारी की मौत के मामले में अखिलेश यादव के बयानों को लेकर आरोप लगाए हैं, उन्होंने भाजपा की संलिप्तता के निराधार दावे किए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अखिलेश यादव ने विधानसभा चुनाव में हार के बाद बंटवारे की राजनीति की है और मुख्तार अंसारी की मौत के बारे में निराधार दावे किए हैं। सपा लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काकर चुनावी माहौल खराब करना चाहती है। बता दें कि मुख्तार अंसारी के घर पहुंचने के बाद अखिलेश यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि मुख्तार ने खुद कहा कि उन्हें जहर दिया जा रहा है और वही बात सामने आई। हमें उम्मीद है कि सरकार सच्चाई सामने लाएगी।

बेसिक शिक्षा विभाग ने छात्र एवं छात्राओं के नामांकन के संबंध में जारी किए दिशा निर्देश

छह साल के बच्चों का ही होगा कक्षा एक में एडमिशन

- 6 साल से कम के बच्चे जाएंगे बालवाटिका
- नए सत्र में 6 से 14 आयु वर्ग के शत प्रतिशत बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करने के लिए चलाया जाएगा अभियान

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

शैक्षिक सत्र 2024-25 के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने छात्र एवं छात्राओं के नामांकन के संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। शिक्षा निदेशक बेसिक द्वारा समस्त जनपदों के जिला बेसिक शिक्षाधिकारियों को जारी किए गए निदेर्शों में स्पष्ट कहा गया है कि प्रदेश में परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा एक में दाखिला बच्चे की आयु छह वर्ष होने पर ही किया जाएगा। छह साल से कम आयु के बच्चों का नामांकन बालवाटिका में कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत बेसिक शिक्षा विभाग ने नए सत्र में 6 से 14 आयु वर्ग के शत प्रतिशत बच्चों को निशुल्क शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसी क्रम में छात्र एवं छात्राओं के नामांकन की प्रक्रिया को लेकर निर्देश दिए गए हैं।

नामांकन के समय जरूरी होगा आधार कार्ड

शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल की ओर से जारी पत्र में साफ तौर पर कहा गया है कि एक अप्रैल 2024 को छह साल की आयु पूरा करने वाले बच्चों का ही कक्षा एक में नामांकन किया जाएगा। 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नामांकन किसी भी दशा में नहीं किया जाएगा। 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नामांकन बालवाटिका में कराया जाए। इसके अतिरिक्त विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक कराकर, आउट ऑफ स्कूल बच्चे, जिनकी आयु 6 वर्ष से अधिक है, उनका आयुसंगत कक्षा में नामांकन किया जाए। नामांकन के समय बच्चों का आधार नंबर भी अंकित किया जाए। बच्चे का आधार कार्ड न होने की दशा में उनके माता-पिता का आधार नंबर अंकित किया जाए। यदि माता-पिता का भी आधार कार्ड नहीं बना है तो नामांकन के दो सप्ताह के अंदर आधार कार्ड अवश्य बनवा लिया जाए। नामांकन पंजिका में बच्चे के माता-पिता दोनों के नाम अंकित किए जाएं।

निदेशालय को हर सप्ताह देनी होगी नामांकित छात्रों की सूचना: बेसिक शिक्षा निदेशक ने कहा है कि नामांकन के समय बच्चे के परिवार का राशन कार्ड नंबर और उसकी श्रेणी को भी दर्ज किया जाएगा। साथ ही बच्चे के वर्ग तथा श्रेणी को भी अंकित किया जाएगा। यही नहीं निदेशक ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को नामांकित छात्र-छात्राओं की संख्या एक से 30 अप्रैल तक नामांकित छात्रों की सूचना हर सप्ताह निदेशालय को उपलब्ध कराएंगे। साथ ही नए सत्र में कक्षा छह से 14 साल के हर बच्चे का स्कूल में नामांकन कराकर निशुल्क शिक्षा देने के लिए अभियान चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं। छह साल की आयु में ही कक्षा एक में प्रवेश को लेकर पिछले साल ही आदेश जारी किया गया था। पिछले साल इसमें थोड़ी रियायत दी गई थी, लेकिन इस बार निदेर्शों का शत प्रतिशत पालन कराने के लिए विभाग संकल्पित नजर आ रहा है।

रामदीरी लवहरचक में भाजपा किसान मोर्चा की बैठक को किया संबोधित

गिरिराज सिंह बोले... भाजपा ने किसानों को हर सुविधा देने का किया है प्रयास

केटी न्यूज/बेगूसराय

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को भाजपा ने एक बार फिर बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। ऐसे में वह इन दिनों बेगूसराय की खाक छान रहे हैं। गिरिराज सिंह ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले दस सालों में किसानों के लिए जितना काम किया है उतना कांग्रेस की सरकार 60 वर्षों में नहीं कर सकी। बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र के एनडीए से भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने पिछले दस सालों में किसानों के लिए जितना काम किया है, उतना कांग्रेस की सरकार 60 वर्षों में नहीं कर सकी। वे बुधवार को रामदीरी लवहरचक में आयोजित भाजपा किसान मोर्चा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने गिरिराज सिंह को इस बार छह लाख से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया है। इसके लिए प्रधानमंत्री कौशल केंद्र खोला गया है। ताकि युवाओं को उनके अंदर की छुपी प्रतिभा को और निखारा जा सके।

भाजपा हर वर्ग के लोगों को आगे बढ़ाने का प्रयास करती है। तभी सभी के दिलों में रहती है। कार्यकर्ता हर बूथ पर तैनात रहते है। आम आदमी की जरूरतों को पूरा किया जाता है। तभी पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनते जा रही है। वहीं, विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि सरकार ने विकास की जो धारा बहाई है, उससे समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति भी अछूते नहीं हैं।

हिना शहाब बनीं अवध बिहारी की राह का रोड़ा

पटना। बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को सिवान से टिकट देने का आश्वासन दिया। मगर 23 में से 22 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया तो सिवान को रोक लिया गया। इस पर भाजपा के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने तंज कसते हुए कहा कि राजद की स्थिति दुविधा में दोनों गए माया मिली ना राम जैसी हो गई है। सिवान में राजद तय नहीं कर पा रहा कि टिकट किसे दें। प्रभाकर मिश्र ने राजद पर तुष्टीकरण का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण के लिए राजद अपनों की राजनीतिक हत्या कर रहा है। सिवान में जो कुछ हो रहा, वह बड़ी ही निराशाजनक है।बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि पहले बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी को सिवान से टिकट देने का आश्वासन दिया गया। उन्होंने कहा, अवध बिहारी चौधरी वहां तामझाम के साथ जनसंपर्क भी करने लगे। लोगों के सामने एलान भी कर दिया कि सिवान से वहीं, महागठबंधन के उम्मीदवार होंगे, लेकिन जब राजद ने 23 में से 22 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया, तो सिवान को रोक लिया गया। भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्र बोले- कारण यह है कि लालू के खासमखास रहे शहाबुद्दीन की पत्नी हिना शहाब सिवान से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने पर अड़ी हैं।

ज्वेलरी दुकान में ग्राहक बन पहुंचे लुटेरे, 51 लाख के सोना पर किया हाथ साफ, घटना सीसीटीवी में कैद

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में दिनदिहाड़े हथियार के बल पर ज्वेलरी दुकान में घुसे बदमाशों ने 51 लाख रुपए का सोना लूट लिया। बाइक से पहुंचे तीन बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मामले का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि दो बदमाश हाथ में पिस्टल लिए दुकानदार को धमका रहे है। फिर काउंटर में रहे सभी ज्वेलरी बैग में रखता है और पिस्टल लहराते हुए भाग जाता है। घटना की सूचना मिलने के बाद एएसपी दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को पुलिस खंगाल रही है। सदर थाना क्षेत्र में बुधवार की दोपहर आरडीएस कॉलेज चौक के पास कोलकाता ज्वेलर्स में बाइक सवार तीन अपराधी पहुंचे। इसमें से एक अपराधी दुकान के अंदर ग्राहक बन कर खरीदारी करने पहुंचा। फिर सबसे महंगी चैन ऑर्डर कर हथियार बाहर निकाल लिया। शॉप के अंदर तीन स्टाफ के अलावा एक महिला कस्टमर भी मौजूद थीं। हथियार के बल पर अपराधी लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा था। इस दौरान महिला कस्टमर अपराधी से खुद को छोड़ देने की गुहार

लगा रही थी। इसके बाद अपराधी ने अपने एक अन्य अपराधी को दुकान के अंदर बुला लिया। फिर दुकान के अंदर रखे सोने की सारी चैन को अपने बैग में रखकर पटना हाई-वे की तरफ पिस्टल लहराते फरार हो गया। घटना के बाद लोगों में अफरा तफरी मच गई। दुकानदार ने आनन-फानन में पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर दल बल के साथ पहुंची। जिसके बाद आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज और दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर अपराधी की पहचान करने में जुट गई है।एएसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तीन अपराधियों द्वारा एक दुकान में 51 लाख रुपए की सोना की लूट की गई है।

बिहार में गुरुवार से अगले तीन दिन बारिश का यलो अलर्ट

पटना। पटना समेत पूरे बिहार का मौसम बुधवार को शुष्क और साफ रहेगा। 11 अप्रैल को पटना समेत 21 जिलों में एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश, मेघ गर्जन और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने को लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की ओर से बिहार के विभिन्न जिलों में 11, 12 और 13 अप्रैल को बारिश होने की संभावनाएं जताई गई है। 11 अप्रैल को पटना, नालंदा, शेखपुरा, बेगूसराय, लखीसराय, नवादा, जहानाबाद, गया, भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया, बक्सर, भोजपुर, अरवल, रोहतास और भभुआ, औरंगाबाद जिले में एक-दो स्थानों में मौसम में बदलाव होगा। वहीं, 12 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम भागों के एक-दो स्थानों और 13 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-मध्य बिहार के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश का पूवार्नुमान है। मंगलवार को शेखपुरा का अधिकतम तापमान 41 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अब भी असम के ऊपर साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना हुआ है। वहीं पछुआ और पुरवैया हवा भी चल रही है। अगले 5 दिन में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी की संभावना है। मंगलवार को पटना का अधिकतम तापमान 38 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिम भारत में 12 अप्रैल को फिर पश्चिमी विक्षोभ की एंट्री होने वाली है।

खेत में किसान को घेरकर मारी 5 गोलियां, मौत

नालंदा। नालंदा में एक किसान की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि 12 से अधिक अपराधियों ने किसान को घेरकर उस पर 5 राउंड फायरिंग की। गोली उसके पेट, हाथ, सिर, पीठ और आंख के पास लगी। वारदात के समय के मृतक के साथ दो किसान भी थे। सभी खेत में पटवन के लिए गए थे। लौटते समय अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, अपराधियों ने मृतक के साथ आ रहे दोनों साथियों को कुछ नुकसान नहीं पहुंचाया। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। ग्रामीण मौके पर जुटे और सूचना पुलिस को दी।

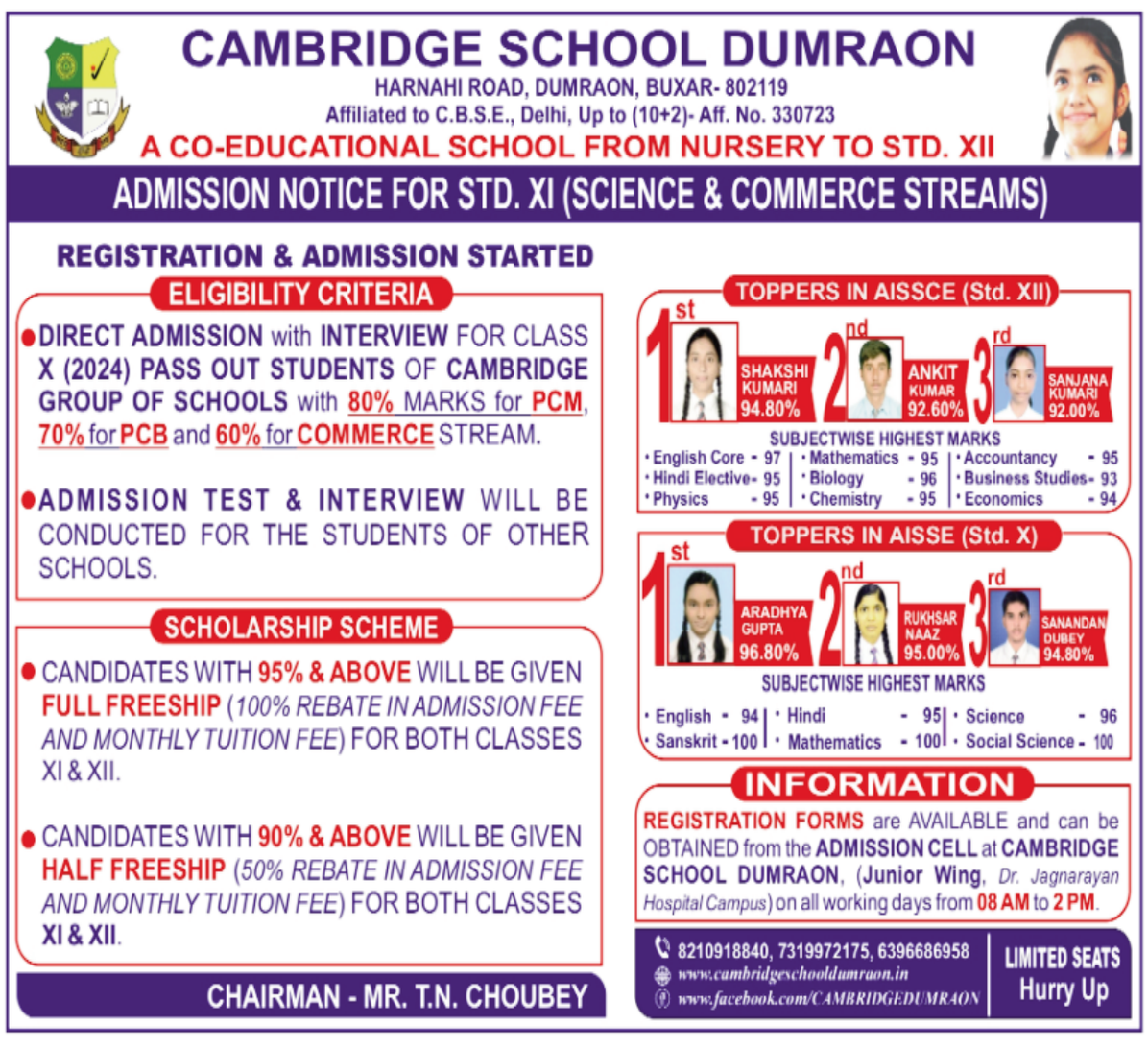

सरकार के इशारे पर चौसा में किसानों की हुई थी बेरहमी से पिटाई: टिकैत

केटी न्यूज/चौसा

अपने हक की मांग कर रहे चौसा के बनारपुर समेत तीन गांव के किसानों के घर में घुस पुलिस ने बर्बर तरीके से लाठियां बरसाई थी, पुलिस ने यह कार्रवाई राज्य सरकार के इशारे पर किया था। उक्त बातें राष्ट्रीय स्तर के किसान नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को बक्सर में कही। उन्होंने कहा कि सरकार के कहने पर पुलिस ने किसानों के आंदोलन को दबाने तथा दहशत बनाने के लिए बर्बर तरीके से लाठियां बरसाई थी।

टिकैत ने कहा कि पुलिस लाठियों से पीट तथा दर्जन भर लोगों को जेल भेज आंदोलन को दबाना चाह रही थी। लेकिन, यह आंदोलन दबेगा नहीं बल्कि और तेज होगा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव आचार संहिता का मामला नहीं है, इसका जवाब देना होगा।

बोले किसान नेता... आंदोलन दबेगा नहीं और तेज होगा

जिस तरह सरकार के शह पर पदाधिकारियों ने पुलिस के सहयोग से बर्बरता पूर्वक मारपीट व लूटपाट की और दहशत फैलाई वह अंग्रेजी हुकूमत की यादें दिलाती है। यदि सरकार ने इस पर कोई उचित निर्णय नहीं लिया तो संयुक्त किसान मोर्चा का यहीं पर डेरा डाल दिया जाएगा। टिकैत ने कहा कि जिस दिन कर्मनाशा पार कर लिया तो दिल्ली की तरह बिहार से बिना समाधान के वापस नही जाएंगे। उक्त बता दें कि वे बक्सर होमगार्ड मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान महापंचायत को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब भारत सरकार की दमनकारी नीति के विरुद्ध दिल्ली हरियाणा बॉर्डर पर 13 महीने तक आंदोलन चलाया तो यहां भी डेरा डालने से नहीं हिचकूंगा। इसका जवाब देना होगा उन्होंने किसानों को आह्वान करते हुए कहा डरना नही है संयुक्त मोर्चा आपके साथ है। शीशा व गाड़िया तोड़ने के अलावा मा बहनो व बच्चों को पीटा। यहां भी मोर्चा आएगी, ट्रैक्टर यात्रा निकाली जाएगी। जो टूटे हुए सामान है उसे फेकना नही है, यही डबल इंजन सरकार के लिए कब्र खोदेगी ये टूटा हुआ समान संग्रहालय की तरह सजाकर पूरे बिहार में घूमेगी। सरकार इसे ठीक करा दे, बाइज्जत किसानों को रिहा कर दे, इलेक्शन बाद मुआवजा की बैठकर बात कर ली जाएगी। नही तो सरकार को सत्यानाश कराना होगा तो उन्हें जेल से न छोड़े। किसानों से कहा आंदोलन का रास्ता व नेता का रास्ता जेल से शुरू होता है। हमें इलेक्शन के बीच में न आना पड़े। नहीं तो इलेक्शन बाद सरकार की यात्रा निकाल देंगे।

वहीं राष्ट्रीय किसान मोर्चा के सचिव बलदेव सिंह ने कहा अब अगली लड़ाई चौसा से शुरू होगी। चौसा में टेंट गाड़ दिया जाएगा। आने वाले समय सरकार अगर नही चेती तो इसका संज्ञान संयुक्त किसान मोर्चा लेगा। डराने, धमकाने व अत्याचार करने वालो का घमंड तोड़ना जानते है। डबल इंजन सरकार को उखाड़ फेकेंगे। अब लड़ाई बॉर्डर पर नही चौसा से प्रारम्भ होगी। इसके पहले भी जुटे बिहार व उनके साथ आये किसान नेताओं ने चौसा के अत्याचार पर अपने विचार व्यक्त किये।

एक नजर

डुमरांव के पासवान टोली का बोरिंग खराब होने से गहराया पेयजल संकट

डुमरांव। वार्ड नंबर 17 के पासवान टोली मोहल्ले में पेयजल के लिए लगा बोरिंग विगत दो साल से खराब है। बोरिंग खराब होने से न पानी टंकी में पानी चढ़ रहा है और न ही मोहल्लों में पानी की आपूर्ति हो रही है। मोहल्ले के लोग इस तपिश भरी गर्मी में पेयेजल के लिए भटक रहे हैं। जानकारी के अनुसार नगर परिषद द्वारा चार साल पहले पासवान टोली मोहल्ले में पेयजल के लिए बोरिंग लगाया गया था। बोरिंग के साथ ही एक हजार लीटर का पानी की टंकी भी वाटर स्टोर करने के लिए लगाया गया था। शुरू में तो लोगों को पानी मिलाए लेकिन कुछ दिन बाद मोटर खराब हो गया। मोटर खराब होने पर उसे सभी ने मिलकर बनवाया। इस तरह कईबार मोटर खराब होने पर आपसी सहयोग से लोग मोटर की मरम्मत करा लेते थे। इधर दो साल से मोटर खराब पड़ा हुआ हैए लेकिन इस पर किसी का ध्यान नहीं है। मोहल्ले के लोग पेयजल के लिए भटक रहे हैं। नगर परिषद भी इस संकट को दूर नहीं कर रहा है। जबकि समस्या के निदान के लिए मोहल्ले के लोगों ने नप को इसकी जानकारी कईबार दियाए लेकिन अभीतक कोई कार्रवाई कर निदान नहीं निकाला गया है। इतना ही नहीं बोरिंग चलने से जलापूर्ति शुरू होने की दिशा में राहगीर भी अपनी प्यास बुझाते थे।

बूथ पर चौपाल लगा मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करेंगे बीएलओ

केसठ। बक्सर लोक सभा चुनाव के लिए 1 जून को मतदान होना है। पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत को कम देखते हुए इस बार जिला प्रशासन ने इसे सख्ती से लिया है। मतदान प्रतिशत में वृद्धि को ले स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। लोगो को उनके वोट के महत्व को बताया जा रहा है। इसको ले कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में केसठ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी मिथलेश बिहारी वर्मा ने बुधवार को बीएलओ के साथ बैठक कर कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया। इस दौरान सभी बीएलओ को अपने बूथ पर मतदाताओं के साथ चौपाल लगा मतदान के लिए जागरूक करने सख्त निर्देश दिया। साथ ही चौपाल नही लगाने वाले बीएलओ पर विभागीय करवाई करने की बात कही। वही इस बार के चुनाव में जिस बूथ पर पोलिंग काम होंगी वहा के बीएलओ पर करवाई की जाएगी।

दहेज हत्या के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

नावानगर। सिकरौल थाना क्षेत्र के हरोजा गांव से दहेज हत्या कांड के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी मृतका के पति मुन्ना सिंह बताया जाता है। जानकारी के अनुसार बीते माह 5 मार्च को हरोजा गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई थी। जिसको लेकर मृतका पूजा देवी की बहन कुशुम देवी ने हत्या करने का आरोप लगाते हुए सास, ससुर व पति पर सिकरौल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसके बाद से ही सभी आरोपी फरार चल रहे थे। मंगलवार की देर शाम गुप्त सूचना पर पुलिस ने मृतका के पति को उसके घर से गिरफ्तार किया। दूसरी ओर सिकरौल पुलिस ने स्थानीय गांव में छापेमारी कर शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक रामाशंकर सिंह को पुलिस ने नावानगर सीएचसी में मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में उसे कोर्ट भेज दिया है।

केन्द्रीय व राज्य की टीम ने किया इटाढ़ी में बने देश के इकलौते साइलो गोदाम का निरीक्षण

बक्सर। बुधवार को भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, नई दिल्ली के सचिव एवं खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार के सचिव ने संयुक्त रूप से इटाढ़ी प्रखण्ड अंतर्गत गेहूं एवं चावल के उचित भंडारण के लिए बनाए गए देश के पहले साइलो गोदाम का निरीक्षण किया। वही कुकुढ़ा पैक्स, अतरौना पैक्स तथा चुरामनपुर में जन वितरण प्रणाली दुकान का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के क्रम में पैक्स केन्द्र कुकुढा के सामने खुलें में अत्यधिक मात्रा में गेहूं का भंडारण पाया गया। इस संबंध में पैक्स अध्यक्ष से पूछताछ करने पर संतोषजनक जबाव नहीं दिया गया। जिसके बाद निरीक्षण करने वाली टीम ने बक्सर डीएम को तीन सदस्यीय टीम गठित कर इसकी जांच कराने का निर्देश दिया। एफसीआई के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत देश का यह प्रथम चावल साइलो गोदाम है। इसके बाद जन वितरण प्रणाली दुकान, चुरामनपुर के विक्रेता उमाकांत पाण्डेय के दुकान का निरीक्षण किया गया। सचिव महोदय ने फोर्टिफाईड चावल की गुणवता के संबंध में उपभोक्ताओं के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश उक्त पीडीएस दुकानदार को दिया गया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिन्हा, जिला सहकारिता पदाधिकारी प्रभाकर कुमार, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे। केन्द्रीय व राज्य टीम के इस संयुक्त निरीक्षण से पैक्स व पीडीएस संचालकों में हड़कंप मचा रहा। अधिकारियों ने पैक्स अध्यक्षों से गेहूं का खरीद समय से करने तथा किसानों के निर्धारित मूल्य का भुगतान करने का निर्देश दिया। इस दौरान टीम ने कई किसानों से भी इस संबंध में जानकारी हासिल की।

खबरें फटाफट

हत्या व डकैती का फरार आरोपी 28 साल बाद गिरफ्तार

चौगाई। मुरार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के अमसारी गांव से 28 साल से फरार चल रहे हत्या, लूट व डकैती के एक अभियुक्त को गुप्त सूचना पर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त श्रीपति भर उर्फ रामपति भर उर्फ चिरकुट भर पिछले ढाई दशक से अधिक समय से पुलिस की आंख में धूल झोंक फरार चल रहा था। उस पर मुरार में डकैती के अलावे डुमरांव थाने में वर्ष 1996 में हत्या व लूट के तथा कोरानसराय थाने में भी इसी दौरान मारपीट, डकैती आदि के मामले दर्ज थे। डुमरांव व कोरानसराय पुलिस उसके फरार रहने पर उसकी संपति कुर्क कर चुकी है। मुरार थानाध्यक्ष कमलनयन पांडेय ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ढाई दशक से अधिक समय से फरार चल रहा चिरकुट भर गांव आया है। इस सूचना पर वरीय अधिकारियों को सूचना देते हुए एक टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान उसे उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह जिले के टॉप टेन अपराधियों की लिस्ट में शामिल था।

ओवरलोड बालू लदा एक ट्रक जब्त

नावानगर। स्थानीय पुलिस ने रूपसागर मलई नदी पुल के पास से एक ओवरलोडेड बालू लदे ट्रक को जब्त किया है। इधर ट्रक जब्त करने के बाद नावानगर पुलिस ने इसकी सूचना खनन विभाग को दे दिया है। थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार ने बताया कि ट्रक चालक से बालू से संबंधित कागजात मांगा गया, पर चालक ने ट्रक पर लादे बालू का चलान समेत कोई कागजात नहीं दिखाया। इसके बाद ट्रक को जब्त कर डीटीओ को इसकी सूचना भेज दी गई है।

लोकसभा चुनाव को लेकर जारी आचार संहिता का कड़ाई से हो रहा अनुपालन

डुमरांव में वाहन चेकिंग अभियान के दौरान 5 गाड़ियों से 5.35 लाख जब्त

- डुमरांव थानाध्यक्ष के नेतृत्व में टेढ़की पुल पर चलाया गया अभियान
- चार कार और एक ऑटो रिक्शा की तलाशी के दौरान मिला पैसा
- सीओ शमन प्रकाश की मौजूदगी में रुपयों को किया गया सीज

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थानाध्यक्ष अनिशा राणा के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन करा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को एनएच 120 पर पुलिस ने घंटो वाहन चेकिंग अभियान चला कुल 5 लाख 35 हजार 990 रूपए जब्त किए। यह रुपया चार कार तथा एक ऑटो रिक्शा की तलाशी के दौरान मिला। बाद में इसे बतौर मजिस्टेज्ट डुमरांव सीओ शमन प्रकाश की मौजूदगी में सीज किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया था। इस दौरान थानाध्यक्ष खुद वाहनों के सीट, डिग्गी आदि के अलावे उसमें सवार लोगों की तलाशी ले रही थी। वही पैदल यात्रियों तक को पुलिस ने नहीं छोड़ा। उनके बैग, थैला तथा पॉकेट आदि की जांच की गई। ताकी कोई नोट, शराब, मॉदक पदार्थ, आग्नेयास्त्र तथा अन्य गैरकानूनी वस्तुएं नहीं ले जा सकें। थानाध्यक्ष ने बताया कि हर दिन थानाक्षेत्र के अलग अलग जगहों पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वाहन चेकिंग के दौरान वाहनों के कागाजातों के अलावे अंदर भी सघन तलाशी ली जा रही है। ताकी कोई मादक पदार्थ, शराब, नोट आदि की ढुलाई कर चुनाव को प्रभावित नहीं कर सके।

चौगाई में दो बाइक सवारों से 1.30 लाख रूपए बरामद

चौगाई। मुरार थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के बंजरिया मोड़ पर वाहन चेकिंग अभियान चला दो बाइक चालकों के पास से कुल एक लाख 29 हजार 940 रूपए बरामद किए। इस राशि को सीओ गौतम कुमार की मौजूदगी में सीज किया गया। जानकारी के अनुसार मुरार थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय के नेतृत्व में मंगलवार की देर शाम वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान चौगाई के नीरज कुमार से 53 हजार 940 रूपया तथा कोरानसराय के चंद्रभूषण गुप्ता से 76 हजार बरामद हुए। थानाध्यक्ष ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

चौगाई। मुरार थाना क्षेत्र में बिना अनुमति राजद का झंडा लगाए घुमने वाले एक स्कार्पियों को जब्त कर उसके चालक सह मालिक पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज कराया गया है। एफआईआर स्थानीय सीओ के बयान पर दर्ज हुआ है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि एक सफेद रंग की स्कार्पियों पर राजद का झंडा लगा था। जिसे रोक जब पूछताछ की गई तो उसके पास किसी राजनैतिक दल का झंडा लगाने का परमिशन नहीं था। जिसके बाद उसके चालक सह मालिक विनोद सिंह पर आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है।

दल सागर टोल प्लाजा पर पकड़ा गया 2.51 लाख रुपए

बक्सर। लोकसभा चुनाव को देखते हुए आचार संहिता के अनुपालन को लेकर प्रशासनिक अधिकारी काफी सक्रिय दिख रहे है। आदर्श आचार संहिता के पालन को लेकर औद्योगिक थाना प्रभारी अविनाश कुमार द्वारा सदर सीओ प्रशांत शांडिल्य के नेतृत्व में दलसागर टोल प्लाजा पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार के द्वारा चलाया जा रहा था। इसी कड़ी में मंगलवार को देर रात्रि में 2.51 लाख रुपए एक स्कॉर्पियो से बरामद किया गया जो उतर प्रदेश से आरा की तरफ जा रही थी। सदर सीओ प्रशांत शांडिल्य ने बताया कि जिले में आचार संहिता लागू होने के कारण जिले भर में अंचलाधिकारियों के नेतृत्व में उड़नदस्ता टीम का गठन किया गया है। टीम द्वारा लगातार सघन वाहन जांच चलाया जा रहा है। पिछले 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ जिले भर में कही भी किसी व्यक्ति को 50 हजार से अधिक की राशि लेकर नहीं जाना है। बावजूद लोग नियम का पालन नहीं कर रहे है। जिसका खामियाजा थाना और अधिकारियों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। प्रशांत शांडिल्य ने बताया कि दलसागर टोल प्लाजा पर सघन वाहन जांच चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो उत्तर प्रदेश से आरा की तरफ जा रही थी। जिसकी जांच किया गया तो उसमें दो लाख 51 हजार रुपये पाया गया जो आचार संहिता के नियमों के खिलाफ था।

अनुमंडलीय अस्पताल में शुरू होगी सीजेरियन सेवा

- डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में सीजेरियन के लिए आया हर तरह का इंस्ट्रूमेंट
- अनुमंडलवासियों को अब सीजेरिन के लिए नहीं पड़ेगा इधर-उधर भटकना

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल को खुले डेढ़ दशक से अधिक का समय बित गयाए लेकिन डाक्टरों की कमी हमेशा से अनुमंडलवासियों को खटकता रहा है। चालू महीने में अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवा मिलनी शुरू हो गई है। छह साल से खाली पड़ा शिशु रोग विशेषज्ञ में दो नए डाक्टर की पोस्टिंग हो गई है। वहीं सर्जन भी असपताल में मौजूद हैं। एक दशक से अस्पताल में सीजेरियन सेवा बंद था। कमी थी तो बस समानों कीए जिसे विभाग ने पूरा कर दिया है। इसकी जानकारी डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि एक सप्ताह के भीतर सीजेरियन की सेवा शुरू कर दी जाएगी। विभाग से सारा समान आ गया है। वहीं मिले सामानों के संबंध में बताया गया कि मरीजों की संख्या को देखते हुए स्टेट सीजर, एलीस ऑरसेप, आर्टीट फॉरसेप, बीपी हैंडिल, टूथ फॉरसेप, निडिल होल्डर, स्ट्रेट कटिंग निडिल कर्ट कटिंग निडिल सहित अन्य सामान अस्पताल में आ गया है। एक सप्ताह में सीजेरियन सेवा शुरू होते ही अनुमंडलवासियों को न रेफर करना पड़ेगा और नहीं मरीजों को निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ेगा।

एडीएम ने अनुमंडलीय अस्पताल का किया निरीक्षण, पाया सही

डुमरांव। अनुमंडलीय अस्पताल का एडीएम संजय कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी सेवाएं, प्रसव वार्ड, दवा वितरण सेंटर, एक्स.रे कक्ष सहित अन्य विभागों को देखा। उनके साथ डीएस डा. गिरीश कुमार सिंह भी मौजूद रहे। एडीएम ने बताया कि यह एक रूटीन निरीक्षण है। अस्पताल में विशेषज्ञ डाक्टरों के आने से स्थिति में काफी सुधार हुआ है। यह देखकर बहुत खुशी हुई की ओपीडी में पांच विशेषज्ञ डाक्टर अपनी सेवा दे रहे हैं। गौरतलब है कि पहले जो अधिकारी आते थेए कुछ न कुछ अस्पताल में कमी पाते ही थे। डाक्टरों की कमी के कारण मरीजों की लंबी लाइन लगी रहती थी। ऐसा नहीं की बुधवार को भी मरीजों की संख्या में कमी नजर आ रही थी। डाक्टरों के चेम्बर में बैठने से मरीजो को जो पुर्जा दिया जाता था। उसमें किस डाक्टर से दिखाना है, उसका रूम नंबर लिख दिया जा रहा था, जिससे मरीज को दिखाने में कोई परेशानी नहीं हो रही थी। बच्चा के डाक्टर के आ जाने से अनुमंडलवासी निजी क्लीनिकों में जाने से बच रहे हैं।

आशा कार्यकर्ता घर घर खोजेंगी टीवी के मरीज

केसठ। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रांगण में प्रशिक्षण शिविर आयोजित की गई। इस शिविर में आशा कार्यकर्ताओ और एएनएम को यक्ष्मा (टीवी) रोग से बचाव के लिए जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत वर्ष 2025 तक भारत को यक्ष्मा (टीवी) से पूरी तरह मुक्त करने के लिए सरकार द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ऐसे में इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने के लिए लोगो को स्वास्थ्य रखने के लिए जागरूक किया जाना जरूरी है। प्रशिक्षण शिविर में आशा कार्यकर्ता और एएनएम को बताया गया की टीवी हारेगा तो देश जीतेगा। इस लिए इस रोग से बचाव के लिए लोगो को जागरूक करना बहुत जरूरी है।

प्रत्याशी व उनके समर्थक हाई टेक तरीके से कर रहे चुनाव प्रचार, प्रमोटरों की ले रहे मदद

सोशल मीडिया पर प्रत्याशी कर रहे मनुहार, विरोधियों पर चला रहे मैसेज के बाण

रजनी कांत दूबे/डुमरांव

लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। दोनों प्रमुख गठबंधनों ने अपने-अपने प्रत्याशी तय कर दिए है। वही बसपा के अलावे दो निर्दलीय प्रत्याशी भी इस बार चुनावी मैदान में भाग्य अजमाने को तैयार है। बक्सर संसदीय क्षेत्र का चुनाव अंतिम चरण के तहत एक जून को होगा। ऐसे में प्रत्याशी और उनके समर्थक सोशल मीडिया की जंग में कूद पड़े हैं। प्रत्याशी जहां मतदाताओं से मनुहार कर रहे हैं तो समर्थक एक दुसरे पर मैसेज के बाण से हमला कर रहे हैं। कोई अपने विकास के वादे गिना रहा है तो कोई सरकार के वादों से जनता को लुभाने का प्रयास कर रहा है। तिथि घोषित होते ही चुनावी सरगर्मी दलीय व निर्दलीय प्रत्यशियों के सिर चढ़कर बोलने लगी हैं।

चुनावी अखाड़े में उतरने को बेताब

प्रत्याशियों व उनके समर्थकों ने सोशल मीडिया को अपना प्लेटफार्म बना लिया हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से मतदाताओं को रिझाने का पुरजोर कोशिश जारी हैं। इसके लिए प्रत्याशियों ने प्रमोटरों की सहायता भी ले रखी है। जानकारों का कहना है कि कई प्रत्याशी मोटी रकम खर्च कर प्रमोटरों से सोसल मीडिया का पोस्ट तथा मतदाताओं को फोन, मैसेज आदि करवा रहे है। इसके लिए बजाप्ता वार रूम बनाया गया है। जहां से प्रत्याशियों के समर्थन में पोस्ट को लिख विभिन्न सोसल प्लेटफार्मों पर शेयर किया जा रहा है। प्रत्याशियों के प्रमोटर अपनी पार्टी की नीतियों और चुनावी घोषणा के अलावे प्रत्याशियों की व्यक्तिगत खूबियों को सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट कर रहे हैं। ताकि ज्यादा से ज्यादा मतदाता उनके प्रत्याशी के प्रति आकर्षित होकर वोट दे सकें। इस काम में घोषित व अघोषित प्रत्याशियों के समर्थक जुटे हुए हैं।

प्रत्याशियों के कार्यकर्ता लोगों को जोड़ रहे हैं व्हाट्सएप गुप से

सभी उम्मीद्वारों के कार्यकर्ता संसदीय क्षेत्र के लोगों का ग्रुप भी बना रहे हैं। अधिक से अधिक लोगों तक अपनी बात और पार्टी का संदेश पहुंचाने के लिए मोबाइल नंबर भी जुटाकर प्रतिदिन नये लोगों को ग्रुप में जोड़ा जा रहा है। प्रत्याशी या समर्थकों ने अलग-अलग नाम से एक से अधिक ग्रुप बना रखा है। कुछ ग्रुप लोकसभा तो कुछ ग्रुप विधानसभा के आधार पर बनाये गये हैं, जिसमें सुबह से देर रात तक अपने प्रत्याशी के समर्थन में लगातार पोस्ट डाले जा रहे है। इसके अलावा अपने प्रतिद्वंद्वी की खामियों को उजागर करने वाला पोस्ट भी डाल कर मतदाताओं को अपने ओर खींचने की मुहिम चलायी जा रही है। इतना ही नहीं अपनी पार्टी के नेताओं के भाषण और कार्यक्रम का वीडियो ग्रुप में अपलोड किया जा रहा है, जिससे कि उसे सुनकर लोग प्रभावित हो प्रत्याशी को वोट दे सकें। चुनाव प्रचार के क्रम में जनसपंर्क व बैठकों की भी जानकारी दे रहें हैं। चुनावी अखाड़े में उतरने वाले प्रत्याशी क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने का दावा कर रहें हैं। देखना है कि सोसल मीडिया को हथियार बनाना प्रत्याशियों के लिए कितना फायदेंमद साबित हो रहा है।

शहीद पार्क के पास लग रहा कूड़े का ढेर

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर की नयी सरकार आने के बाद भी अब तक व्यवस्था में बदलाव नहीं आया। शहर के गलियों व सड़को पर कूड़े-कचरे का ढेर लगा है। कूड़ा-कचरा सड़क किनारे इस तरह बिखरा है कि उसके सड़ांध से बदबू निकलने लगी है। बच्चों के खेलने व बुजुर्ग व महिलाओं के टहलने के लिए बने शहर के शहीद पार्क के पास लगातार कूड़ा फेंकने की वजह से वहां कूड़े का ढ़ेर लग गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रतिदिन यहां से कूड़ा नहीं उठाया जाता है इसलिए यहां डंपिंग ग्राउंड की तरह बनता जा रहा है। इसकी सूचना नगर परिषद प्रशासन को भी दी गयी है लेकिन वो बेफिक्र हैं।

राहगीर इस रास्ते आने-जाने से परहेज कर रहे है। नगर परिषद प्रशासन शहर की सफाई व्यवस्था में हर दिन डेढ़ लाख की राशि खर्च करती है बावजूद शहर की गंदगी का मर्ज दिनो-दिन बढ़ता जा रहा है। नप द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था का बागडोर एनजीओ के जिम्मे सौंपा गया ताकि स्वच्छ डुमरांव-सुंदर डुमरांव की स्थिति पहले से बेहतर हो सके। सफाई व्यवस्था केवल मुख्य सड़को तक ही सिमट तक रह गयी है। शहर के कई वार्डों में लोगों को डोर-टू-डोर योजना का लाभ नही मिल रहा है। एनजीओ की लापरवाही और नप प्रशासन की उदासीनता से शहर के कई मोहल्ले व टोले की हालत बेहद खराब बन गये है। ऐसी स्थिति में लोगों का आक्रोश नप के प्रति उबाल मार रहा है। सफाई की कार्य प्रणाली को लेकर नप ने एनजीओ के जिम्मे लगाया है ताकि एनजीओ अपने सफाईकर्मियों के बूते शहर को स्वच्छ बनाने में अपनी भूमिका ईमानदारी पूर्वक निभाये।

इसी तरह साफाखाना रोड, जंगल बाजार, लाला टोली रोड, बंधन पटवा रोड, सुमित्रा कॉलेज रोड आदि सड़को पर कूड़े का ढेर लगा हुआ है। नप द्वारा शहर के बिगड़ते हालात पर कोई कदम नही उठाये जाने से लोगों के बीच आक्रोश पनप रहा है। सड़को पर गंदगी के कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड, डायरिया आदि की आशंका बढ़ गयी है। नाला-नाली जाम होने से मच्छरों का प्रकोप भी लोगों को मुश्किलों में डाल दिया है। शहर के दर्जनों नालियों को आज भी स्लेप से नही ढका गया, जो आये दिन दुर्घटना को दावत देता है।

डीएम ने प्रधानाध्यापक को दरी पर बैठाकर पूछा... आपको कैसा लग रहा है?

♦ विभिन्न विद्यालय के प्रधानाध्यापक को लगाई फटकार

केटी न्यूज/राजपुर

जिलाधिकारी नवीन कुमार व पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने बुधवार को प्रखण्ड के दर्जन भर बुथ का निरीक्षण कर वस्तु स्थिति का जायजा लिया। साथ ही बूथ वाले सभी स्कूल के प्रधानाध्यापक से बिजली, पानी व शौचालय की जानकारी ली। निरीक्षण करने निकले जिलाधिकारी व एसपी ने सबसे पहले मिडिल स्कूल डिहरी का जांच किया। स्कूल का रंग रौगन मरम्मत का हाल देख प्रधानाध्यापक जितेन्द्र कुमार को कड़ी फटकार लगाते हुए पूछा कि 25 हजार रुपए आपको किस लिए दिया गया था। हेडमास्टर को कड़ी फटकार लगाते हुए यथा शीघ्र उक्त राशि से स्कूल की साफ सफाई, पानी व शौचालय की व्यवस्था तत्काल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। तत्पश्चात बरना हाई स्कूल पहुंचकर जांच किया। मौके पर मौजूद कुछ छात्राओं से नमांकन में लिए गए शुल्क के बारे में जानकारी ली। जिस पर बच्चों ने सच बता दिया। अधिक शुल्क लेने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक से पुछताछ की। अपने बचाव में हेडमास्टर बिनोद साह ने नामांकन शुल्क राशि का विवरण दिवार पर चिपकाए जाने की बात बताई। वहीं बच्चों की बात सुन डीएम ने प्रधानाध्यापक को फटकार लगाते हुए पूछा की 420 की जगह 500 रूपए शुल्क क्यों ली गई। क्यों न आपके विरुद्ध कार्रवाई की जाए? जिसके बाद डीएम एसपी का काफिला शखरा मिडिल स्कूल पहुंचा। जहां बच्चों को दरी पर बैठे देख डीएम भड़क उठे। प्रधानाध्यापक को भी दरी पर बैठाकर पूछा कि आपको कैसा लग रहा है। बेंच डेस्क क्यों नहीं हैं? जिस पर हेडमास्टर ने चुप्पी साध ली। इस परिपाटी में सुधार लाने का निर्देश दिया। साथ ही मंगरवलिया, अमाडी, सवैया, राजनडीह, धोबडीहा, तरांव सहित दर्जनों बुथ पर पहुंच वहां की जानकारी ली।

डीएम ने कहा कि लोकसभा चुनाव को लेकर आज राजपुर प्रखण्ड के बुथो का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान तीन चार स्कूल को छोड़ शेष में स्थित ठीक पाएं गए। जहां गड़बड़ी रहा वहां के एचएम को व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया गया है।वहीं एसपी विनीत कुमार ने मतदाताओं से भय मुक्त हो मतदान करने की बात कही। चुनाव में दादागीरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वेच्छा से इस लोकतंत्र के महान पर्व में भाग अवश्य लें। इस दौरान बिक्रमगंज एसडीएम अनिल बसांक,एसडीपीओ कुमार संजय,बीडीओ रविराज,सीओ अंकिता वर्मा,थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार समेत निर्वाचन कर्मी उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

स्विफ्ट डिजायर गाड़ी से दो लाख रुपया कैश बरामद

जहानाबाद। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने के उद्देश्य से अंचलाधिकारी मखदुमपुर एवं मखदुमपुर थाना की पुलिस के सहयोग से एनएच 83 पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया, इसी बीच एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी से 2 लाख रुपया बरामद किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी रणजीत उपाध्याय ने बताया कि वाहन जांच के दौरान 2 लाख रुपया कैश बरामद किया गया है। वहीं पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच उपरांत ही कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस से झड़प मामले में एक युवक को जेल

बिक्रमगंज (रोहतास)। स्थानीय शहर के तेंदुनी चौक पर वरीय पदाधिकारी के दिशा-निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था । जिस क्रम में स्थानीय थाना के पुलिस पदाधिकारी के द्वारा हेलमेट सहित अन्य बिंदुओं को लेकर बारीकी से जांच की जा रही थी । जिस क्रम में बिना हेलमेट लगाए पुलिस ने एक युवक को पकड़ लिया । उक्त क्रम में पुलिस के द्वारा हेलमेट लगाने की बात युवक से की गई तो युवक पुलिस के साथ हाथापाई करने लगा । जिससे पुलिस ने बाइक के साथ युवक को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि शहर के तेंदुनी चौक पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। जिस क्रम में पुलिस ने काराकाट थाना क्षेत्र के कुरुर निवासी लालबाबू पासवान के पुत्र राजू कुमार उर्फ राजू पासवान को वाहन जांच स्थल से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार युवक के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

भाजपा की टिकट पर आसनसोल से चुनाव लड़ने से इंकार के बाद पावर स्टार ने लिया फैसला

बागी हुए भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह काराकाट लोकसभा क्षेत्र से लड़ेंगे चुनाव

केटी न्यूज/आरा

भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार पवन सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की टिकट पर आसनसोल लोकसभा क्षेत्र से लड़ने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था। उम्मीद थी भाजपा उन्हें कहीं और का टिकट दे देगी। लेकिन, कुछ देर पहले भाजपा ने लोकसभा उम्मीदवारों की जो आखिरी लिस्ट जारी की, उसने सारे अटकलों पर विराम लगा दिया। पवन सिंह को कहीं से भी टिकट नहीं मिला। जिस सीट से पवन सिंह नहीं लड़ना चाहते थे, वहां से वरीय नेता एसएस अहलूवालिया को उम्मीदवार बनाया है। पवन सिंह भाजपाई हैं, लेकिन भाजपा की इस सूची के साथ बगावत का अंदेशा सामने आ रहा था। वह कांग्रेस की तरफ देख रहे थे, क्योंकि उसे अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करनी है। लेकिन, अब पवन सिंह ने बिहार में काराकाट सीट से उतरने का एलान कर दिया है। यह सीट महागठबंधन में भाकपा माले के पास है।

दरअसल, जब भाजपा ने पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से पवन सिंह के नाम का एलान किया था। इसके बाद पवन सिंह ने खुद ही यह सूची सोशल मीडिया पर पोस्ट की। मिठाई खिलाते और भगवान का शुक्रिया अदा करते हुए वीडियो भी डाला गया। लेकिन, 24 घंटे से पहले ही खुद ही पवन सिंह ने कहा कि वह आसनसोल सीट से उम्मीदवार नहीं हो सकते।

आरा से चुनाव लड़ना चाहते थे पवन सिंहः सूत्रों के मुताबिक पवन सिंह भले ही आसनसोल से टिकट मिलने से खुश थे, लेकिन उनकी पहली पसंद आरा थी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, एक बार इस संबंध में पवन सिंह भाजपा के एक वरिष्ठ नेता से भी मिले थे। ताकि उनको आरा से टिकट मिल जाए, लेकिन भाजपा ने आरा से उनको टिकट नहीं दिया। आसनसोल के भाजपा नेताओं ने उनके इस निर्णय पर बयान जारी नहीं किया था। हालांकि, एक दिन बाद ही पवन सिंह भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले थे। इसके बाद उन्होंने कहा था कि जो भी होगा सब ठीक होगा। लेकिन, भाजपा ने आरा सीट से केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को फिर से टिकट दे दिया। अब जब भाजपा ने आसनसोल का टिकट भी दूसरे को दे दिया तो पवन सिंह ने एलान के मुताबिक बिहार की काराकाट सीट से उतरने की घोषणा कर दी।

काराकाट लोकसभा सीट का क्या है समीकरण?

2008 में हुए परिसीमन के बाद काराकाट सीट अस्तित्व में आया था। साल 2009 में पहली बार इस सीट पर चुनाव हुए थे। 2009 और 2019 के चुनाव में महाबली सिंह को जीत मिली थी वहीं 2014 के चुनाव में उपेंद्र कुशवाहा चुनाव जीतने में सफल रहे थे। काराकाट सीट पर सबसे अधिक यादव मतदाता हैं, लगभग 3 लाख, वहीं मुस्लिम वोटर्स की आबादी लगभग डेढ़ लाख मानी जाती है। कुशवाहा और कुर्मी समाज के 2.5 लाख वोटर्स हैं। राजपूत जाति के भी लगभग 2 लाख वोटर्स हैं। उपेंद्र कुशवाहा को लवकुश समाज का वोट मिलता रहा है। वहीं महाबली सिंह भी उसी समुदाय से आते हैं। दोनों ही नेताओं की जीत में लवकुश मतदाताओं की अहम भूमिका रही है।

पवन सिंह की एंट्री से कुशवाहा की बढ़ सकती हैं मुश्किलें?

इंडिया गठबंधन की तरफ से गठबंधन के तहत यह सीट भाकपा माले के खाते में दी गयी है। भाकपा माले की तरफ से इस सीट पर राजा राम सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। राजा राम सिंह भी उपेंद्र कुशवाहा के ही स्वजातीय हैं। साथ ही भाकपा माले के कैडर गांव-गांव में हैं ऐसे में वो उपेंद्र कुशवाहा को मजबूत चुनौती देंगे ही। साथ ही पवन सिंह की एंट्री से राजपूत और यादव मतों की उनके पक्ष में व्यापक गोलबंदी हो सकती है। राजद के उम्मीदवार के मैदान में नहीं होने के कारण यादव और मुस्लिम मतों का रुझान पवन सिंह की तरफ हो सकता है। पवन सिंह की लालू परिवार से नजदीकी रही है। साथ ही पवन सिंह के प्रशंसक सभी जातियों और वर्गों में पाए जाते हैं। उनके स्टेज शो में बिहार के गांवों में हजारों की भीड़ उमड़ती है।

पवन सिंह ने काराकाट सीट को ही आखिर क्यों चुना?

पवन सिंह के चुनाव लड़ने की चर्चा लंबे समय से थी। हालांकि आरा सीट उनकी पहली पसंद रही थी। लेकिन आरा से बीजेपी की तरफ से टिकट नहीं मिलने के बाद काराकाट से उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। काराकाट लोकसभा सीट आरा से सटा हुआ है। यह वह क्षेत्र रहा है जहां इनके लाखों की संख्या में प्रशंसक रहे हैं। राजनीतिक समीकरण को अगर देखा जाए तो पवन सिंह ने उम्मीदवारी के ऐलान के लिए एनडीए और इंडिया गठबंधन के फैसले का इंतजार किया है। काराकाट सीट पर दोनों ही उम्मीदवार एक ही समुदाय के हैं। ऐसे में मतों के विभाजन का फायदा पवन सिंह को मिल सकता है। इसी समीकरण को देखते हुए पावर स्टार पवन सिंह ने काराकाट से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

लोकसभा संचालन समिति सहित कोर कमिटी की हुई बैठक

♦ मुख्य अतिथि दीपक प्रकाश ने कार्यकताओं को किया संबोधित

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम लोकसभा संचालन समिति व कोर कमिटी की बैठक भाजपा कार्यालय पर हुई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुशील चंद्रवंशी और संचालन जिला महामंत्री अशोक साह ने किया। अवसर पर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एंव दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर बैठक की शुरूआत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के सह प्रभारी दीपक प्रकाश ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोहतास की धरती ऐतिहासिक धरती रही है। उन्होंने अपना-अपना बूथ सबसे मजबूत करने को सभी से आग्रह किया। कहा कि नरेंद्र मोदी का विकसित भारत सपना को साकार करने के लिए हम सभी कार्यकताओं को और मेहनत करने की जरूरत है। हम विश्व की सबसे बडी पार्टी के सिपाही है और हमारे नेता विश्व के सबसे शक्तिशाली नेता मोदी जी है। उन्होने हिंदू नव वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह से भगवान श्री राम ने रावण का वध किया था उसी तरह भ्रष्टाचारी रूपी विपक्षी का इस बार सूपड़ा साफ हो जाएगा। भाजपा प्रत्याशी शिवेश राम को भारी बहुमत से विजयी बनाने का आग्रह किया। क्षेत्रिय प्रभारी सिद्धार्थ संभू ने इस बार 400 पार की संकल्प पर विस्तृत रुप चर्चा किया। भाजपा प्रत्याशी शिवेश राम ने कहा कि मेरे जीवन का एकमात्र मुख्य लक्ष्य क्षेत्र में जनहित के लिए केवल विकास कार्य करना है। उन्होने पार्टी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेरे जैसे आम कार्यकर्ता को पार्टी ने प्रत्याशी बनाया। यह भाजपा परिवार में ही संभव है। सासाराम लोकसभा चुनाव निमित दो पदाधिकारियों की मिली अहम जिम्मेवारी राज राजेंद्र सिंह को लोकसभा सह प्रभारी एवं जिला महामंत्री अशोक साह को लोकसभा सह संयोजक मनोनीत किया गया।मुख्य रुप से बैठक में शामिल क्षेत्रिय सह प्रभारी अशोक भट्ट, कैमुर जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल, रोहतास, पूर्व विधायक जवाहर प्रसाद, निरंजन राम, रिंकी रानी पांडेय, विधायिका संगीता कुमार आदि उपस्थित थे।

छात्रों ने मतदाताओं को किया जागरूक

काराकाट। काराकाट प्रखंड क्षेत्र के अमरथा और अमौना पंचायत में बुधवार को चलाया गया स्वीप कार्यक्रम। जिला पदाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी रोहतास नविन कुमार के निर्देश के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी काराकाट राहुल कुमार सिंह के नेतृत्व अमरथा पंचायत एंव अमौना पंचायत स्वीप कार्यक्रम चलाया गया। डोर टू डोर मतदान संवाद, विद्यालय में पेंटिंग, चित्रांकन व रंगोली के माध्यम से मतदाता को शत प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। सभी मतदाताओं विशेषकर महिलाओं, युवाओं, दिव्यांग एंव वृद्ध मतदाताओं के बीच जाकर मताधिकार के प्रयोग से आत्मगौरव की भावना जगाने की बात कही।

एक नजर

स्नातक परीक्षा में फर्जी परीक्षार्थी को केंद्राधीक्षक ने भेजा जेल

बिक्रमगंज (रोहतास)। स्नातक पार्ट श्री परीक्षा के पांचवे दिन बुधवार को स्थानीय शहर के अंजबित सिंह महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर एक फर्जी परीक्षार्थी को केंद्राधीक्षक ने दबोच पुलिस को सौंप दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अंजबित सिंह महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर 10 अप्रैल बुधवार को संचालित स्नातक पार्ट-श्री फाइनल परीक्षा के प्रथम पाली में ऑनर्स पेपर भूगोल की विषय की परीक्षा में परीक्षा केंद्र के अंदर एक मूल परीक्षार्थी की जगह एक अन्य दूसरा फर्जी परीक्षार्थी मुन्ना भाई परीक्षा दे रहा था। जिसकी भनक लगते ही परीक्षा केंद्र में तैनात वीक्षक प्रो. शशि भूषण ने इसकी जानकारी केंद्राधीक्षक को दी। जिसके बाद मुन्ना भाई परीक्षा केंद्र से मौका देख भागने लगा। लेकिन परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट पर लता बंद देख वह गेट कीपर से ताला खोलने के लिए उलझते हुए मारपीट करने लगा। जहां महाविद्यालय कर्मी प्राचार्य के उपस्थिति में उसकी जमकर पिटाई भी की। इसके बाद केंद्राधीक्षक डॉ. सुधांशु शेखर भास्करम ने उसकी सही जांच कर स्थानीय बिक्रमगंज पुलिस को सूचना देते हुए सौंपा दिया। हालांकि इसकी जानकारी के संबंध में जब मीडिया द्वारा लगातार केंद्राधीक्षक भास्करम को लगातार कॉल करने के बावजूद भी उनके द्वारा कॉल नही उठाया गया। जो कहीं न कहीं उनके द्वारा इसकी जानकारी नहीं देना सवालिया निशान को भी संकेत कर रहा है। दूसरी तरफ इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार से पूछने पर उन्होंने बताया कि बुधवार को अंजबित सिंह महाविद्यालय परीक्षा केंद्राधीक्षक द्वारा भोजपुर जिला के पिरो थाना क्षेत्र के पिलाथ गांव निवासी संतोष कुमार राय के पुत्र आनंद कुमार राय की जगह उसके छोटे पुत्र अजीत कुमार राय के विरुद्ध फर्जी तरीके से परीक्षा देने का प्राथमिकी दर्ज कराया गया। जिसके बाद आरोपी मुन्ना भाई को कानूनी कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया।

लोकसभा चुनाव तहत इंद्रपुरी पुलिस ने चलाया सघन जांच अभियान

डेहरी (रोहतास)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर बुधवार को इंद्रपुरी थाना पुलिस के द्वारा गहन वहान चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान डिहरी डीएसपी शुभांक मिश्रा ने सघन निरीक्षक करते हुए इंद्रपुरी थानाध्यक्ष मनीष कुमार को विशेष दिशा-निर्देश दिया। जिसका पालन करते हुए थानाध्यक्ष ने थाना क्षेत्र के विभिन्न मुख्य मार्ग में सघन वाहन जांच अभियान पुलिस बल के साथ चलाया जा

रहा। इस दौरान सड़क से गुजरने वाले सभी दो पहिया वाहनों तथा चार पहिया वाहनों की सघन तलाशी ली गई। हालांकि इस दौरान किसी भी वाहन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस मौके पर थानाध्यक्ष ने बताया कि होने वाली लोकसभा चुनाव को लेकर क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य से प्रतिदिन सघन वाहन जांच अभियान चलाया जाएगा। साथ ही आपराधिक गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखा जा रहा है।

अवैध रूप से संचालित कीटनाशक दुकान से किसान हो रहे हैं ठगी का शिकार

काराकाट (रोहतास)। काराकाट प्रखंड के बाजार और ग्रामीण इलाकों में बिना लाइसेंस की दुकानों से घटिया बीज और कीटनाशक बेचा जा रहा है। किसान दिनदहाड़े ठगी का शिकार हो रहे है। दुकानदारों ने न तो दुकान के बाहर रेट बोर्ड लगाया है और न हीं वह किसी प्रकार का बिल ही किसानों को दे रहे हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों को मानें तो प्रखंड में 25 बीज दुकान के लाइसेंस और मात्र 3 अधिकृत बीज कंपनियों के डीलर हैं। इन्हीं डीलरों के माध्यम से दुकानों पर बीज, रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं की आपूर्ति होती है। जिसे दुकानदार किसानों को बेचते हैं। डीलर व दुकानदारों को बिक्री करने के लिए कृषि विभाग लाइसेंस जारी करता है। मौजूदा समय में काराकाट प्रखंड के अमौना, गोड़ारी, करूप सहित विभिन्न बाजारों और गांवों में अवैध रूप से कई डीलर व दुकानदार बीज, रासायनिक खाद, कीटनाशक सहित कृषि कार्य के उपकरण खुलेआम बेच रहे हैं। दुकानों पर रेट बोर्ड न लगाकर किसानों से बीज और कीटनाशक खरीद पर मनमर्जी दाम वसूल रहे हैं। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने इस संबंध में वरीय अधिकारियों से शिकायत कर जांच कराने की मांग की है।

जंगल क्षेत्र में आग लगने से मची अफरा-तफरी

रोहतास। जिला के मांझर कुंड के पहाड़ी जंगली इलाके में अचानक भीषण आग लग गई। इस आग लगी की घटना में सैकड़ों से अधिक पहाड़ी जंगल में लगे पेड़ पौधे जलकर राख हो गए। रोहतास जिला वन विभाग के क्षेत्र में लगी इस आग से पहाड़ी इलाकों में अपरा तफरी मचा रहा। आग देखते ही देखते भयावह रूप ले लिया। लेकिन वन विभाग के कर्मी आग लगी की घटना के तीन घंटा तक कोई सुध नहीं ली। जिससे आम जनों में वन विभाग के प्रति आक्रोश है। लोगों का कहना है कि वन विभाग इस आग लगी की घटना को रोकने का प्रयास नहीं किया। काफी देर के बाद पहुंची वन विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास में जुटी है।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/जहानाबाद

नगर थाना क्षेत्र के बड़ी संगत मोहल्ले से अंग्रेजी शराब की 141 बोतल के साथ एक व्यक्ति को नगर थाना की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में जहानाबाद सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़ी संगत मोहल्ले के एक घर में भारी मात्रा में शराब रखा हुआ है और घर मालिक शराब की तस्करी का धंधा करता है। इस सूचना के आधार पर जब उसके घर पर पुलिस गई तो शराब तस्कर के द्वारा कुछ शराब को इधर-उधर फेंकने की कोशिश की गई। और तो और पुलिस के कहने के बाद भी घर को नही खोला जा रहा था। इसके बाद पुलिस के द्वारा मजिस्ट्रेट को बुलाकर उसके घर को खुलवाया गया। जब घर खुलने के बाद तलाशी ली गई तो 141 बोतल अंग्रेजी शराब उसके घर से बरामद हुआ । साथ ही शराब के धंधे में संलिप्ता एक शराब तस्कर जितेंद्र उर्फ पीपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस के द्वारा आगे की पूछताछ की जा रही है। दरअसल चुनाव पास में है ऐसे में शराब के अवैध धंधे से जुड़े लोग ज्यादा कमाई के चक्कर में हैं। एक दिन पहले भी टाउन थाने की पुलिस ने दो शराब तस्करों को पकड़ा था। बुधवार को टाउन थाने की पुलिस के साथ ही एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

गर्मी के कारण स्कूल टाइम में परिवर्तन की मांग

चंदौली। उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के जिला संयोजक आनन्द सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को एडीएम अभय कुमार पांडेय व बीएसए सत्येंद्र सिंह से मिला। इस दौरान भीषण गर्मी के दृष्टिगत विद्यालय समय परिवर्तन किए माने की मांग की और मांग पत्र सौंपा। विद्यालय समय से असंतुष्ट अभिभावक भी बच्चों को विद्यालय भेजने में आनाकानी कर रहे हैं। शासन ने भी इस सम्बंध में निर्णय लेने हेतु प्रत्येक जिले के जिलाधिकारी को छूट दी गई है। पड़ोसी जनपद वाराणसी में विद्यालय समय परिवर्तन 7.30 से 12.30 तक हो चुका है। वाराणसी की भांति ही अपने जनपद में भी विद्यालय संचालन समय 7.30 से 12.30 तक किया जाए, जिससे छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों को पठन पाठन में आसानी हो। इस सम्बंध में अपर जिलाधिकारी ने बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत सहानुभूति पूर्वक निर्णय लिए जाने की बात कही। इस अवसर पर राजेश सिंह, राजेश बहादुर सिंह, जय बहादुर सिंह, हर्षवर्धन सिंह, मिथिलेश, प्रीतेश उपाध्याय, अजय गुप्ता, महिपाल यादव, प्रवीण कुशवाहा, नीरज तिवारी आदि शिक्षक मौजूद रहे।

मस्जिदों में नमाज का वक्त हुआ मुकर्रर

पीडीडीयू नगर। ईद उल फितर की नमाज को लेकर मुस्लिम समाज की ओर से नमाज पढ़ने के लिए समय तय किया गया है। ईद उल फितर की नमाज चांद दिखने के अनुसार अदा की जाएगी। इसके लिए मस्जिदों के जिम्मेदारों के साथ मशवरा करके समय तय किया गया है। नगर के शाहकुटी ईदगाह में सुबह 07:45 बजे, जीटी रोड स्थित जमा मस्जिद में सुबह 08:30 बजे, कसाब महाल मीनारा मस्जिद में सुबह 08:00 बजे, शाहकुटी मस्जिद सुबह 07:30 बजे, मुस्लिम महाल गौसिया मस्जिद सुबह 07:30 बजे, अलीनगर जीटी रोड जामा मस्जिद में सुबह 08:00 बजे, अलीनगर गौसिया मस्जिद में सुबह 08:15 बजे, इस्लामपुर मदरसा में सुबह 07:15 बजे, इस्लामपुर रजा मस्जिद में सुबह 07:45 बजे, इस्लामपुर जमा मस्जिद में सुबह 07:30 बजे, नई बस्ती ताजोसरिया मस्जिद में सुबह 08:00 बजे, महमूदपुर नई बस्ती मस्जिद में सुबह 08:30 बजे, प्लांट डिपो बज्मे गुलशने रजा मस्जिद सिकटिया में सुबह 08:30 बजे नमाज अदा होगी।

पारिवारिक विवाद में पति ने पत्नी को लाठी से पीट-पीटकर मार डाला

♦ घटना के बाद आरोपी पति हुआ फरार

केटी न्यूज/ बलिया

जिले के सहतवार थाना अंतर्गत ग्राम सभा पकहां गांव में पति-पत्नी के विवाद में पति ने पत्नी को लाठी से पीट कर हत्या कर दिया। सूचना मिलती ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंतिम परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। उधर घटना के बाद आरोपी पति फरार बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा ने घटनास्थल का जायजा देकर अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मिली जानकारी के मुताबिक सहतवार थाना क्षेत्र अंतर्गत पकहां गांव निवासी राम प्रवेश राम के घर बीते एक सप्ताह से पारिवारिक विवाद चल रहा था। बुधवार के दिन किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। पति पत्नी के बीच पहले हाथापाई फिर मारपीट हो गयी। इसी बीच रामेश्वर अपनी पत्नी संगीता देवी को को डंडे से पीटने लगा। जिससे कि संगीता की घटना स्थल से मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि पकहां गांव निवासी रामप्रवेश राम की शादी लगभग दस वर्ष पहले बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के छाता गांव में निवासिनी संगीता से हिंदू रीति रिवाज के साथ संपन्न हुई थी। बीते कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच आपस में पारिवारिक विवाद चल रहा था।शादी के 10 वर्ष बीतने के बाद भी पति-पत्नी को कोई संतान नहीं है। मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा ने बताया कि पति-पत्नी का विवाद था। देखने से प्रतीत हो रहा है कि डंडे से मार कर हत्या की गयी है। हत्या का आरोप पति पर ही है। क्योंकि मृतका की छोटी बहन की शादी इसी घर में हुई है। उसका कहना है कि पति-पत्नी का विवाद हुआ था। हाथापाई के बाद यह घटना हुई है।

लोकसभा चुनाव : भाजपा ने जारी की प्रत्याशियों की सूची

नीरज बलिया से व पारसनाथ बने गाजीपुर से भाजपा के उम्मीदवार

♦ लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर अब तक पांच बार रह चुके हैं सांसद

♦ सपा नेता अफजाल अंसारी को चुनावी टक्कर देंगे भाजपा प्रत्याशी

केटी न्यूज/ बलिया

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने बलिया लोकसभा से अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दिया। पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के छोटे पुत्र तथा राज्यसभा सांसद नीरज शेखर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।10 नवम्बर 1968 में जन्मे नीरज शेखर की असली राजनीतिक शुरुआत 2007 में अपने पिता पूर्व प्रधनमंत्री चंद्रशेखर की मौत के बाद हुई। नीरज शेखर लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर कुल पांच बार सांसद बन चुके हैं। छठवीं बार सांसद बनने और तीसरी बार लोकसभा पहुंचने के लिए नीरज शेखर इस बार भाजपा के प्रत्याशी के रूप में बलिया लोकसभा से उम्मीदवारी करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की मौत के बाद हुए उपचुनाव में नीरज शेखर ने बसपा प्रत्याशी विनय शंकर तिवारी को हराकर जीत हासिल किया। तत्पश्चात 2009 में लोकसभा चुनाव में नीरज शेखर ने संग्राम यादव को शिकस्त देते हुए दुबारा सांसद बनें। इस बीच 2014 में हुए लोक सभा चुनाव में मोदी लहर के बीच समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे नीरज शेखर चुनाव हार गये। इन्हें भाजपा उम्मीदवार भरत सिंह ने शिकस्त दिया। चुनाव हारने के बाद भी नीरज शेखर का कद सपा ने गिरने नहीं दिया और इन्हें राज्यसभा के लिए भेज दिया। 2019 के लोक सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने नीरज शेखर का टिकट काट दिया। लोकसभा चुनाव में टिकट कटने से नाराज नीरज शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा देते हुए

समाजवादी पार्टी से नाता तोड़ लिया और भाजपा ज्वाइन कर लिया। इसके बाद 2020 में पुनः भाजपा ने राज्यसभा की उसी सीट पर पुनः राज्यसभा भेज दिया, हालांकि यह चुनाव महज एक साल के बचे कार्यकाल के लिए था। लेकिन भाजपा ने फिर नीरज शेखर पर भरोसा जताया और 2021 में पुनः छह वर्षों के लिए राज्यसभा भेज दिया। राज्यसभा का यह कार्यकाल 2027 तक के लिए था। इस बीच भाजपा ने 2024 लोकसभा चुनाव में नीरज शेखर को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतार दिया। वहीं दूसरी ओर भाजपा इन विश्वास कर रही है कि जीत पक्की होगी।

गाजीपुर लोकसभा सीट पर चौंकाने वाला फैसला

गाजीपुर। गाजीपुर लोकसभा सीट पर लंबे समय से चल रहे चुनावी मंथन के बाद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उम्मीदवार की घोषणा कर दी। मंगलवार को भाजपा ने जारी उम्मीदवारों की सूची में मनिहारी ब्लॉक के सिखड़ी निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता पारस नाथ राय को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि भाजपा का यह निर्णय काफी चौंकाने वाला रहा। पारस नाथ राय को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने को लेकर ऐसे निर्णय की किसी को उम्मीद नहीं थी। उधर चुनावी गलियारे में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि पारस नाथ राय जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा के अति करीबियों में से एक

हैं। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी के वर्तमान सांसद अफजाल अंसारी को अपना उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद से गाजीपुर लोकसभा सीट को लेकर बीजेपी में चिंतन मंथन चल रहा था। इस सीट पर चुनाव लड़ने के लिए कई दिग्गज टिकटार्थी के लाइन में खड़े थे। लेकिन उन्हें अयोग्य ठहरा दिया गया। इस बार भाजपा ने एक मामूली कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाकर मिसाल पेश की है। इसके साथ ही अब अटकलों पर पूर्ण विराम लग गया है। भारतीय जनता पार्टी ने गाजीपुर सीट से पारस नाथ राय को प्रत्याशी घोषित होते ही सियासी गलियारों में हलचल मच गई है। इस नाम को लेकर राजनीतिक पंडित अलग-अलग तरीके से व्याख्या कर रहे हैं लेकिन यह चर्चा सबसे ज्यादा रहा कि गाजीपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी में अब भी महामहिम का सिक्का चल रहा है। अंततोगत्वा महामहिम के करीबी पारस नाथ राय के नाम पर केंद्रीय नेतृत्व ने गाजीपुर सीट पर मोहर लगा ही दी।

मानव श्रृंखला बनाकर शत-प्रतिशत मतदान की ली शपथ

चंदौली। जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अनूठी पहल की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के निर्देश पर बरहनी विकास खंड के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर मतदाताओं को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में मतदान करने के लिए विभिन्न माध्यमों से प्रेरित किया जा रहा है। लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। प्रभारी खंड विकास अधिकारी राजेश नायक ने बताया कि जिले के समस्त मतदाताओं को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 में 01 जून को मतदान के लिए प्रेरित करने हेतु स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत लगातार जागरूकता अभियान का आयोजन किया जा रहा है। विकास खण्ड बरहनी के समस्त अधिकारी व कर्मचारी ने रैली के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करते हुए शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया गया। ब्लाक के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर मतदान करने के लिए संकल्प लिया गया। साथ ही शत प्रतिशत मतदान करने के लिए शपथ ग्रहण कराया गया। खण्ड विकास अधिकारी ने कहा कि मजबूत एवं सशक्त लोकतंत्र के लिए मतदान में सभी की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी मतदाताओं से 01 जून को चुनाव में शत प्रतिशत भागीदारी की अपील की। इस दौरान युवाओं से कहा गया कि इस देश के कर्णधार आप सभी है। इसलिए अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए वोट दिजिए।

एक नजर

अवैध भंडारण किया दो हजार लीटर डीजल बरामद

चंदौली। जिले के पेट्रोलियम हब के रूप में पहचान रखने वाले अलीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर पांच बिछड़ी लबे जीटी रोड पर अवैध रूप से फल फूल रहे डीजल व पेट्रोल के गोदाम पर एसडीएम विराग पांडेय के नेतृत्व में राजस्व टीम द्वारा छापेमारी कर दो हजार लीटर डीजल, तेल निकालने के उपकरण, लगभग तीन दर्जन खाली ड्रम सहित पिकअप के अलावा एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई। अलीनगर लबे जीटी रोड पर पुलिस के मिली भगत के कारण आधा दर्जन अवैध रूप से तेल कटिंग का कार्य फल फूल रहा है। इसकी शिकायत पर मंगलवार को एसडीएम विराग पांडेय के नेतृत्व में इंडियन ऑयल गेट के समीप जीटी रोड पर अवैध रूप से संचालित हो रहे तेल गोदाम पर छापेमारी कर यहां से लगभग दो हजार लीटर डीजल, तीन दर्जन खाली ड्रम, तेल निकालने के उपकरण, बिहार नंबर की पिकअप सहित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर आपूर्ति विभाग की टीम को जांच पड़ताल के लिए सौंप दिया। छापेमारी के बाद तेल माफियाओं में हड़कंप मच गया। इस संबंध में पूछे जाने पर एसडीएम विराग पांडेय ने बताया कि ऐसे व्यापार करने वाले सभी माफियाओं को चिन्हित कर इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यहां तेल व्यापार के कई उपकरण भी मिले हैं। जिससे जाहिर है कि कारोबार काफी दिनों से चल रहा था। सभी सामान जब्त किया जा रहा है और जिस स्थान पर यह व्यापार फल फूल रहा था ।उस स्थान के मालिक को चिन्हित कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के संरक्षण में फल फूल रहे तेल के व्यापार की कमान आबकारी विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक संभाल रखी है। अभी दो महीने पूर्व आबकारी विभाग की टीम ने आलमपुर के एक गोदाम से एथेनॉल, डीजल, पेट्रोल व उपकरण बरामद किया था। यह दूसरी घटना है जहां राजस्व टीम ने छापेमारी कर हजारों लीटर डीजल व उपकरण बरामद कर पुलिस को आइना दिखाने का काम किया है।

चैत्र नवरात्रि: दूसरे दिन पूजी गई मां ब्रह्मचारिणी

चंदौली। नवरात्रि के दूसरे दिन बुधवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की गई। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही मंदिरों में भीड़ उमड़ी रही। घंट-घड़ियाल और शंख बजने से मां के जयकारे का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा। लोगों ने देवी मां की पूजा कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। नगर के देवी मंदिरों मां के जयकारे व भजन से वातावरण भक्तिमय हो गया। नवरात्र दूसरे दिन बुधवार को नगर के प्राचीन काली माता मंदिर, श्रीराम जानकी श्रीमठ मंदिर, महावीर मंदिर,मां संतोषी मंदिर, क्षेत्र के फुटिया गांव में स्थित मां काली मंदिर सहित तमाम मंदिरों में भक्तों ने पहुंचकर मां की आराधना कृ परिवार की सुख शांति की कामना की। वही विद्वानों ने कहा कि ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी का अर्थ है आचरण करने वाली। इससे ब्रह्मचारिणी का अर्थ हुआ तद्ब

शाहफैज स्कूल में मनाई गई ईद

गाजीपुर। मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिंदी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा इसी भावना के साथ आज दिन बुधवार को शाह फैज विद्यालय के प्रांगण में ईद मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम प्रार्थना से हुई व उसके पश्चात भारत की एकता व समृद्धि के लिए शपथ लिया गया। इस कार्यक्रम में प्री-प्राइमरी, प्राइमरी व सीनियर के छात्र-छात्राओं ने बहुत ही मनोरम गीत प्रस्तुत किया जिसका संगीत शिवांगी पांडेय, गिरधर शर्मा एवं श्याम कुमार शर्मा ने तैयार किया था। यूकेजी की अराध्या ने ह्यमुबारक ईद मुबारकह्व गाने पर नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त यूकेजी के अरशान अहमद व कक्षा 9 की मानसी मिश्रा ने अपने भाषण द्वारा ईद के महत्व को बताया व कक्षा 9 के ही छात्र आदित्य कुमार ने ईद के बारे में रोचक तथ्य प्रस्तुत किये। आज ईद के इस अवसर पर एक्टिविटी के तहत सभी छात्र-छात्राओं ने कार्ड और लैंप भी बनाया। प्राइमरी सेक्शन की अध्यापिका सायमा व कहकशां ने कहा कि ईद खुशियों का त्यौहार है और यह मात्र एक महीने के रोजे का परिणाम नहीं बल्कि मानवता की शिक्षा देता हुआ त्यौहार है जो हमें बुराइयों को छोड़ देने व अच्छाइयों को ग्रहण करना सिखाता है। हेडमिस्ट्रेस चांदना श्रीवास्तव ने बताया कि यह त्यौहार एकता का प्रतीक है व हम सभी को आवश्यकतामंद लोगों की सहायता करनी चाहिए। सीनियर सेक्शन से विज्ञान की प्रध्यापिका गरिमा सिंह ने बताया कि ईद सभी मजहबों का त्यौहार है व यह हमें एकता का सन्देश देता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने रमजान में रोजे के महत्व को बताया व जकात क्यों निकालते हैं उसके भी महत्व को बताया। विद्यालय के निदेशक डॉ. नदीम अधमी ने सभी को ईद की बधाई दी व बताया की यह किसी एक मजहब का नहीं बल्कि सबका त्यौहार है, क्योंकि ईद का मतलब ही होता है खुशी और खुशी हम सबमें बांटनी चाहिए।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का मिला शव

केटी न्यूज/ बलिया

सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के कस्बा स्थित डोमनपुरा मोहल्ले के पांडेय टोली में 16 वर्षीय किशोर का शव कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। घटना की जानकारी सैकड़ों की संख्या में लोग घटनास्थल पर इकट्ठा गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोर की मौत की हत्या की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला स्पष्ट हो जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार कस्बा के डोमनपुरा पांडेय टोली निवासी सुजीत पांडेय उर्फ मोटू 16 वर्ष पुत्र स्वर्गीय त्रिभुवन पाण्डेय का शव बुधवार की दोपहर उसके करकटनुमा घर में चौकी पर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ था। मृतक किशोर के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मृतक दो भाई हैं, दोनों भाई दिल्ली में रहकर नौकरी करते थे। मोहल्ले के लोगों की मानें तो मृतक बाहर से मंगलवार की सुबह ही आया था और फिर कहीं चला गया। बुधवार की दोपहर बाद दरवाजा केवल बाहर से सटा हुआ था। एक बच्चा जब जाकर दरवाजा खोल कर देखा तो चौकी पर संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का शव पड़ा हुआ था।

बच्चे के शोरगुल करने के बाद थोड़ी देर में सैकड़ों की संख्या में लोग जुट गए। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष दिनेश पाठक ने मौके ने इसकी जानकारी उच्चधिकारियों को दी। वहीं फॉरेंसिक टीम भेजने की मांग की। मृतक किशोर के माता-पिता की मौत पहले ही हो चुकी है। मृतक किशोर अपने 18 वर्षीय भाई सुनील पाण्डेय उर्फ सीओ के साथ दिल्ली में रहकर नौकरी करता था। इस बाबत थानाध्यक्ष सिकंदरपुर दिनेश पाठक ने बताया कि फॉरेंसिक टीम जांच के लिए बुलाई गई है। जिस तरह से किशोर का शव मिला है। वह आत्महत्या प्रतीत नहीं होता है। पोस्टमार्टम व जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

चिरईगांव में मजदूर के आशियाना जलकर खाक

केटी न्यूज/चंदौली

चिरईगांव गांव में बुधवार को प्यारे गोंड की मड़ई में बुधवार को अज्ञात आग लग गयी, जिस कारण उनके घर-गृहस्थी का पूरा सामान जल गया। साथ ही उनके जीवन भर की जमा पूंजी भी आग की जद में आकर खाक हो गयी। जिस वक्त यह घटना हुई परिवार के लोग गेहूं की फसल कटाई कर रहे थे। जैसे ही आग की लपटों को देखा प्यारे गोंड के परिवार समेत आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर जुट गए और किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सबकुछ जलकर खाक हो चुका था। बताते हैं कि चिरईगांव निवासी प्यारे गोंड मजदूरी करके अपने परिवार की

आजीविका चलाते हैं। परिवार के सभी सदस्य घर के पास सिवान में गेहूं की कटाई के लिए चले गए। दोपहर में उनकी मड़ई से धुंआ और आग की लपटें उठने लगी। यह देखकर आसपास के लोगों ने शोर मचाया शुरू किया। ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड के साथ ही स्थानीय थाने को घटना की सूचना दी और आग बुझाने में जुट गए।

जिलाधिकारी ने सीएमएस को लगाई कड़ी फटकार

आयुष्मान कार्ड संबंधित अव्यवस्था पर सीएमओ को कड़े निर्देश

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार बुधवार को दोपहर में जिला चिकित्सालय, बलिया का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने वहां पर आपातकालीन कक्ष, माइनर ऑपरेशन थिएटर, पोस्ट कोविड वार्ड, मेडिकल वार्ड, ईएमओ वार्ड और चिकित्सालय में स्थित ट्रामा सेंटर का निरीक्षण कर मुख्य चिकित्सालय अधीक्षक को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान आयुष्मान कार्ड बनवाने को लेकर आ रही समस्या को लेकर सीएमएस को कड़ी फटकार लगाई।

जिलाधिकारी ने चिकित्सालय के इमरजेंसी और वार्ड में जाकर मरीजों से बातचीत की और चिकित्सालय में मिलने वाले निःशुल्क सुई दवाई और भोजन के अलावा पंखा, कूलर एसी के बराबर संचालित होने की जानकारी ली। चिकित्सालय में एडमिट मरीजों ने सकारात्मक उत्तर दिया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को अस्पताल में चिकित्सालय परिसर और उसके प्रत्येक कक्षों की बेहतर साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को भ्रमण कर मरीजों को मिलने वाली सारी व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष आयुष्मान कार्ड बनवाने को लेकर परेशानी का मामला संज्ञान में आया। इस पर उन्होंने सीएमएस और आयुष मित्र पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कड़ी फटकार लगाई और जल्द से जल्द इस व्यवस्था को ठीक करने का निर्देश दिया। आयुष्मान कार्ड संबंधित अव्यवस्था को लेकर उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को फोन लगाकर अवगत कराया और आवश्यक कार्यवाही करते हुए इस समस्या को निस्तारित कराने का निर्देश दिया। इसी दौरान चिकित्सालय में खराब पड़े जनरेटर और पंखों के बारे में जानकारी मिलने पर उन्होंने सीएमएस को फटकार लगाते हुए शो काज नोटिस देने का निर्देश दिया। साथ ही सीएमएस को पंखों और जनरेटर संबंधी खामियों को दो दिनों के अंदर दुरुस्त कराने का निर्देश भी दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सुजित कुमार यादव सहित अन्य चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नौनिहालों ने स्कूल चलो के नारों सहित, वोट जरूर देने की अपील की

♦ स्कूल चलो व मतदाता जागरूकता रैली निकाल अभिभावकों को किया गया प्रेरित

केटी न्यूज/जौनपुर

आज जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में चल रहे स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में परिषदीय विद्यालयों मे स्कूल चलो अभियान व मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए रहे हैं। इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालय प्यारेपुर ब्लाक करंजाकला में स्कूल चलो अभियान व मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में संपूर्ण नामांकन कराने और बच्चों को स्कूल भेजने के साथ-साथ मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। रैली में बच्चे तख्ती पर लिखे स्लोगन आधी रोटी खायेंगे, स्कूल जरूर जाएंगे, दीप से दीप जलाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे, हम भी स्कूल जाएंगे, पापा मम्मी का मान बढ़ाएंगे, हम बच्चों का नारा है,

शिक्षा अधिकार हमारा है, मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में जाकर नाम लिखाओ, शिक्षा ऐसी सीढ़ी है, जिससे चलती पीढ़ी है। छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करो मतदान। मम्मी पापा भूल न जाना, 25 मई को मतदान करना। बूढ़े हो या जवान, सभी करें मतदान। आदि नारों के साथ बोलते हुए गांव में भ्रमण करते रहे।

रैली में छात्रों संग चल रहे शिक्षकों द्वारा दुकानों, घरों व चौराहे पर मिलने वाले लोगो से स्कूल में छात्र नामांकन व मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। अभिभावकों ने भी बहुत उत्साहपूर्वक नामांकन कराने व मतदान करने की बात दोहराई।

इस अवसर पर जिला स्वीप कोआर्डिनेटर ने कहा कि हर घर शिक्षा का दीप जलेगा तब जाकर अंधकार मिटेगा, इसलिए अभिभावकों से अपील है कि अपने बच्चों का नामांकन नजदीक के सरकारी स्कूलों में अवश्य कराये, और प्रतिदिन बच्चों को विद्यालय भेजते रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मनपसंद सरकार चुनने के लिए प्रत्येक नागरिक को पांच वर्ष में यह अवसर मिलता है इसलिए आगामी 25 मई को लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर मजबूत लोकतंत्र की नींव रखने में योगदान दें। शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन कराये और शत प्रतिशत मतदान करें।

स्कूली बच्चों ने संकल्प लिया कि वो मतदान के लिए अपने परिजनों सहित आस-पड़ोस और गांव के लोगों को जागरूक करेंगे, जिससे मतदान प्रतिशत में बढोतरी हो सकेगी।

इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका नुजहत अंसारी, शिक्षिकाएं नीता गुप्ता, फरह परवीन, प्रतिमा गुप्ता, निधि मौर्या व शिक्षा मित्र प्रियंका श्रीवास्तव सहित छात्र छात्राएं व गांव के लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

डुमरी मर्यादपुर मारूफपुर के पास सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

मऊ। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के डुमरी मर्यादपुर मारूफपुर के पास एक बाइक सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से बचने के प्रयास में बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। इस दौरान बाइक पर सवार तीन युवक सड़क पर गिर गए। इस बीच सामने से आ रही दूसरी कार एक युवक को बुरी तरह से रौंदते हुए चली गई। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के साथ दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। मृतक की पहचान रामपुर थाना क्षेत्र के कंधरापुर गांव निवासी अमरजीत (22) पुत्र प्रेमचंद्र के रूप में हुई। अमरजीत गांव के ही अपने दो साथी सुदीप कुमार (22), दीपू (18) के साथ बाइक से मर्यादपुर बाजार में एक दुकानदार को खाना देने गया था। वहां से वापस लौट रहा था। अभी वह डुमरी मर्यादपुर मारूफपुर के पास गांधी इंटर कॉलेज के पास पहुंचा ही था कि बेल्थरारोड की तरफ से तेज गती से आ रही मारूती को करीब देखकर अमरजीत बाइक को रोकना चाहा, लेकिन बाइक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गई। जिससे अमरजीत सड़क के बीचोबीच आ गिरा, वहीं उसके दोनों साथी सड़क के दूसरे तरफ गिरे। इस बीच कार चालक ने ब्रेक लगाकर वाहन तो रोक लिया था, लेकिन इसी दौरान पीछे से आ रही कार अमरजीत को रौंदते हुए मधुबन की तरफ निकल गई। सूचना मिलने पर पहुंची रामपुर पुलिस तीनों युवकों को फतेहपुर मंडाव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने अमरजीत को मृत घोषित कर दिया। मृतक अमरजीत किसी प्राइवेट कंपनी में मुंबई में काम करता था, पांच दिन पहले ही मुंबई से लौटा था। वह चार भाई-बहनों में सबसे छोटा था। परिजन अब अमरजीत की शादी को लेकर तैयारी में थे, लेकिन हादसे ने अमरजीत को असमय काल का शिकार बना दिया।

महिला कल्याण विभाग ने अगवा की गई बच्ची को सुरक्षित परिजन को सौंपा

मऊ। जिला प्रोबेशन अधिकारी समर बहादुर सरोज ने बताया कि रात्रि लगभग 12:00 संरक्षण अधिकारी चंदा साहनी के दूरभाष नंबर पर निदेशालय महिला कल्याण द्वारा 1098 के माध्यम से कॉल आया और अवगत कराया गया कि एक बच्ची जिसकी उम्र लगभग 13 वर्ष है। उसको भटनी जंक्शन देवरिया से अगवा करके बांद्रा हमसफर एक्सप्रेस में दो मनचले कहीं लेकर जा रहे हैं। इसकी सूचना मिलने पर चंदा साहनी द्वारा मुझे दी गई जानकारी पर तत्काल ट्रेन का लोकेशन देखा गया वह ट्रेन मऊ पहुंचने वाली थी। तत्काल अपनी टीम को रेलवे स्टेशन मऊ भेजा, और दूरभाष के माध्यम से स्वयं संपर्क में बने रहे। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने के बाद ट्रेन में जीआरपी की मदद से बच्ची की काफी तलाश की गई, लेकिन ट्रेन का समय कम होने के कारण तलाश पूरी न हो सकी, और ट्रेन अपने निर्धारित समय पर मऊ से चल पड़ी। टीम द्वारा स्टेशन मऊ से मिलकर स्टेशन मास्टर वाराणसी से संपर्क करके पुरी ट्रेन में उस बच्ची को जीआरपी के माध्यम से खोजबीन कराया। चंदा साहनी और जीआरपी के अथक प्रयास से लगभग 2 घंटे के बाद बच्ची बरामद की गई। घटना को अंजाम देने के प्रयास में लिफ्ट दो मनचलों में से एक फरार हो गया तथा दूसरे को जीआरपी के सहयोग से गिरफ्तार कर लिया गया। बच्ची के बयान के उपरांत विभिन्न धाराओं में करवाई की जाएगी।बच्ची के बरामद होने की सूचना जब परिजनों को मिली तो वह काफी प्रसन्न हुए। आज दिनांक 10 अप्रैल 2024 को परिजनों को बुलाकर बच्ची को सुरक्षित परिजन को सुपुर्द कर दिया गया। संरक्षण अधिकारी चंदा साहनी और जीआरपी के मदद से एक नाबालिक लड़की के साथ बहुत बड़ी अनहोनी होने से बचाई गई।

जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या के निस्तारण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

मऊ। प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या के निस्तारण के संबंध में कंट्रोल रूम स्थापित कर लिया गया है तथा दूरभाष पर प्राप्त शिकायतो को रजिस्टर में दर्ज कर शिकायतों का निस्तारित किया जा रहा है। जिसके क्रम में खंड कार्यालय उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण मऊ के कंट्रोल रूम का नंबर 9473687112, पेयजल की समस्या के समाधान हेतु नामित नोडल अधिकारी जितेंद्रनाथ सहायक अभियंता मोबाइल नंबर 9628537160 एवं कार्यालय अधिशासी अभियंता खंड कार्यालय उत्तर प्रदेश जल निगम नियर सदर तहसील का मोबाइल नंबर 9473942709 है। इस नंबर पर जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले व्यक्ति ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या के निस्तारण के संबंध में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

खबरें फटाफट

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली

मऊ। नगर क्षेत्र में स्थित नगर क्षेत्र में स्थित डीसीएसके पीजी

कॉलेज मऊ के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। रैली को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सर्वेश पांडेय द्वारा हरी झंडी दिखा करके रवाना किया गया। रैली कॉलेज परिसर से राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ विशाल जायसवाल एवम एन सी सी प्रभारी डॉ सूर्यभूषण द्विवेदी तथा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के जिला समन्वयक श्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में रोडवेज परिसर में पहुंचकर यात्रियों को पंपलेट वितरित किया और भारी से भारी संख्या में मतदान करने की अपील की इसके पश्चात रैली कॉलेज में पहुंच करके मतदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉक्टर सीपी राय द्वारा की गई। एन एस एस एवं एनसीसी के छात्राओं द्वारा मतदाता जागरुकता भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान जिला समन्वयक श्री चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा गया कि हमें निर्भीक होकर के वोट देना है अपना वोट गुप्त रखना है और हमें जाति, धर्म देखकर कि नहीं बल्कि कर्म देखकर के वोटिंग करना है। कार्यक्रम में निद्रा तिवारी, आकाश, सौम्या, अल्तमश राशिद और अन्य प्रतिभागियों द्वारा भाषण में भाग लिया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर चंद्र प्रकाश राय द्वारा छात्राओं के कार्यक्रम की सराहना की गई। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर विशाल जायसवाल द्वारा किया गया।

लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रचार करने पहली बार यूपी के मुख्यमंत्री जम्मू पहुंचे

एक्सीडेंटल हिंदुओं ने तो राम-कृष्ण पर भी खड़े कर दिए थे सवाल: योगी

♦ कटोरा लेकर दुनिया में भीख मांग रहा है पाकिस्तान
♦ जिन्हें नाराज होना है, हो जाएं, मैं वोटबैंक के लिए अयोध्या जाना नहीं छोड़ सकता: सीएम

केटी न्यूज/कठुआ (जम्मू-कश्मीर)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रचार करने पहली बार योगी आदित्यनाथ जम्मू पहुंचे। योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री, उधमपुर से सांसद व भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। योगी ने यहां मोदी सरकार के कार्यों का जिक्र किया तो विपक्षी पार्टियों को खूब खरी खोटी सुनाई। सीएम ने जम्मू वासियों को वार्सतिक नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्हें जम्मू की धरती को आराध्य देवों, ऋषि मुनियों की साधना स्थली, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लिए बलिदान करने वालों की भूमि बताया। सीएम ने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर का निर्माण नहीं कर पाती। कांग्रेस ने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। इन लोगों ने राम-कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर हमारे आराध्य देवों को नकारने का प्रयास किया। एक्सीडेंटल हिंदुओं ने राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर दिए थे, लेकिन आज अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण भी हो गया। आप आइए, अयोध्या में लगेगा कि साक्षात त्रेतायुग के दर्शन हो रहे हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया है। पहले संकरी गली थी, बमुश्किल पांच लोग जा पाते थे पर आज एक साथ 50 हजार श्रद्धालु भी आ जाएं तो कोई समस्या नहीं है।

योगी जी ने बदली यूपी की तकदीर

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब तारीफ की। कहा कि हमें मोदी जी के साथ योगी जी का भी आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। यहां के लोग योगी जी को आदर्श मानते हैं। योगी जी के प्रति यहां के लोगों में श्रद्धा है। योगी जी ने जिस तरह यूपी की तकदीर व तस्वीर बदली है, उसका सभी उदाहरण देते हैं। यूपी में महिलाओं की सुरक्षा का उल्लेख किया जाता है। मोदी जी ने महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए 11 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए, योगी जी ने उसे उप्र में इज्जतघर का नाम दिया। महिलाओं को सुविधा के साथ स्वास्थ्य व सम्मान भी दिया। यही कारण है कि नारी शक्ति में मोदी-योगी को लेकर उत्साह है।

दिल्ली का लाल किला हो या जम्मू का लाल चौक, चारों ओर उत्साह है

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद की जड़ धारा-370 को समाप्त कर साबित कर दिया कि दिल्ली का लाल किला हो या जम्मू का लाल चौक, चारों ओर उत्साह है। क्योंकि यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। जब जम्मू-कश्मीर की बात आती है तो भारत का मुकुट हर व्यक्ति गर्व से देखना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सत्तालोलुपता ने आजादी के एक दिन पहले देश का विभाजन करा दिया, लेकिन हमने स्वतंत्र भारत में हमेशा एक ही धर्म माना, वह है राष्ट्रधर्म। राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है। मेरी व्यक्तिगत आस्था कुछ भी होगी, यदि वह राष्ट्र के मार्ग में बाधक है तो उसे दरकिनार कर दिया जाएगा। मेरे लिए देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता व अखंडता सर्वोपरि है।

कटोरा लेकर दुनिया के अंदर भीख मांगता दिख रहा पाकिस्तान

सीएम योगी ने कहा कि 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। अगले पांच वर्ष तक यह सुविधा मिलेगी तो दूसरी तरफ 1947 में भारत से अलग हुआ पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया के अंदर भीख मांगता दिखाई दे रहा है। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का आज दुनिया में सम्मान है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। ऐसा नहीं हो सकता कि पाकिस्तानी घुसपैठ करके हमारी सुरक्षा में सेंध लगाएगा। अब पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। उसे मालूम है कि कुछ हो गया तो लेने के देने पड़ेंगे। मजबूत सरकार होती है तो सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होती है।

उप्र पहला राज्य, जहां धर्मस्थलों से माइक उतर गया

सीएम ने कहा कि मोदी जी को देश की बागडोर सौंपने का श्रेय आपको जाता है। यदि जनता वोट नहीं देती तो हम देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को नहीं संभाल पाते। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान परस्त आतंकवादी तबाही मचाए थे तो यूपी में सत्ता के संरक्षण में अराजकता होती थी। वहां महीनों कर्फ्यू रहता था पर सात वर्ष में एक भी दंगा नहीं हुआ। वहां के लोग कर्फ्यू भूल गए। यूपी देश का पहला राज्य है, जहां धर्मस्थलों से माइक उतर गया। वहां माइक की आवाज नहीं होती, लोग विकास पर विश्वास कर रहे हैं। सीएम ने जम्मूवासियों से अयोध्या आने का आग्रह भी किया। संकोच न कीजिए, सात-दस वर्ष पहले की अयोध्या बदल गई है। हमने अयोध्या के अंदर भी एक्सप्रेस बना दिया है।

यूपी में कोई बहुत बकबक करता है तो नीचे से मिर्च का झोंका लगा देते हैं

सीएम ने कहा कि देश में सुरक्षा का बेहतर वातावरण है। हम यूपी में कोई संकोच नहीं करते हैं। यूपी में कोई दंगा करता है तो उल्टा लटकाकर टांग देते हैं। बहुत ज्यादा कोई बकबक करता है तो नीचे से मिर्च का झोंका लगा दिया जाता है, सारी भो-भो ठीक हो जाती है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह, भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अशोक कौल, प्रदेश महासचिव डॉ. डीके मनाल, सुनील सेठी आदि मौजूद रहे।

चौपाल के माध्यम से मतदान करने हेतु किया गया जागरूक

♦ सभी विकास खंड में कार्यक्रम का किया गया अयोजन

केटी न्यूज/मऊ

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ चौपाल के माध्यम से गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज मारूफपुर में हुआ। शुभारंभ करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा बताया गया कि आपका मतदान गुप्त है निर्भीक होकर के मतदान करें जो भी प्रत्याशी आपको उचित लगे उन्हें आप वोट करें, एक-एक वोट का बहुत ही ज्यादा महत्व है, किसी के भी बहकावे में

ना आए मतदाता साक्षरता क्लब के माध्यम से चुनावी पाठशाला का आयोजन तथा नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता रैली का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया , विधानसभा मधुबन में गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज मारूफपुर मर्यादपुर , शहीद इंटर कालेज मधुबन ,घोसी में इंटर कॉलेज बोझी सदर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज अइलख , कटिहरी ,देवरियाबरी राजकीय हाई स्कूल अइलख राजकीय हाई स्कूल जमदरा, गाढ़ा ,देवदह, रामबचन सिंह राजकीय महिला पीजी कॉलेज बगली पिजड़ा नेशनल इंटर कॉलेज अदरी में छात्र-छात्राओं से संकल्प पत्र भरवारा गया तथा जागरूकता रैली का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया गया। इसके अलावा पंचायती राज विभाग में कार्यरत सफाई कर्मियों द्वारा मोहम्मदाबाद गोहना विकासखंड के कई ग्रामों में रैलियां निकालकर लोगों को मतदान हेतु जागरूक किया गया। इसमें प्रमुख रूप से जिला समन्वयक चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव प्रधानाचार्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज के मॉडल इंटर कॉलेज अइलख योगेंद्र कुमार उपाध्याय राजन सिंह संजय सरोज मुन्ना प्रसाद केवल शर्मा सीमा तिवारी मालती वर्मा अनिल यादव रमेश चंद जी आदि का प्रमुख योगदान रहा।

भाजपा किसान मोर्चा की कार्य योजना को लेकर बैठक आयोजित

गांव-गांव जाकर किसान हितेषी योजनाओं के बारे में बताएं कार्यकर्त्ता

♦ अन्नदाता सम्मेलन मे बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाएं : नरेंद्र उपाध्याय

केटी न्यूज/जौनपुर

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की आगामी कार्य योजना के लेकर जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय के अध्यक्षता मे बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकताओं के द्वारा बंदे मातरम

का गीत गाया गया। बैठक में बड़ी संख्या में किसान मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रत्येक मंडल मे अन्नदाता सम्मेलन होना तय हुआ है कार्यकताओं से आह्वान किया कि सम्मेलन मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले और जनता के बीच पहुंचकर अधिक से अधिक केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाएं और गांव-गांव जाकर किसान हितेषी भाजपा द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दें। प्रदेश सरकार किसानों की हितैषी साबित हुई है। प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार पर कठोर कदम उठाए गए हैं। प्रदेश सरकार केंद्र की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अव्वल रही है। अब तक विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों, नौजवानों, गरीबों, महिलाओं समेत अन्य लाभार्थियों को लाभ पहुंचा है। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व आत्मनिर्भरता के लिए अभियान संचालित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता ने ठान लिया है कि तीसरी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौपेंगी। जनता भाजपा सरकार के कार्यों से खुश है और फिर से भाजपा को सत्ता सौंपना चाहती है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष घनश्याम यादव ने की। उक्त अवसर पर नीरज मौर्य इंद्रसेन सिंह प्रदीप यादव संजय सिंह डीके सिंह मनोज श्रीवास्तव सतीश खरवार दुर्गेश मिश्रा मोहन गुप्ता आदित्य सिंह अखंड सिंह रमेश यादव ज्ञान त्रिपाठी राहुल दुबे पुनीत मिश्रा रामसमुझ मौर्य अरविंद यादव जितेंद्र मिश्रा सियाराम पटेल अजय चौहान प्रेम शंकर दुबे हवलदार सिंह राहुल अग्रहरि राम जीत उपाध्याय संतोष दुबे रामेश्वर राहुल अग्रहरि धीरज सिंह और सभी मंडल के महामंत्री उपस्थित रहे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

यदि आप सभी गलतियों के लिए दरवाजे बंद कर देंगे तो सच बाहर रह जाएगा। - रवीन्द्रनाथ टैगोर

कोर्ट का फैसला सोशल मीडिया के लिए आशा की किरण

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर को जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, कि सोशल मीडिया पर आरोप लगाने वाले हर व्यक्ति को यदि इसी तरह से सलाखों के पीछे डाला जाएगा, तो कितने लोग जेलों में कैद होंगे। इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। तमिलनाडु सरकार से सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, विरोध प्रदर्शन करना और विचारों की स्वतंत्रता का दुरुपयोग, आरोपी द्वारा नहीं किया गया है। हाई कोर्ट ने आरोपी की जो जमानत तमिलनाडु हाईकोर्ट ने कैंसिल की थी। हाईकोर्ट के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु सरकार का जो हलफनामा है, उसमें आरोपी ने कहा था कि वह स्टालिन या किसी अन्य के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी नहीं करेगा। याचिकाकर्ता द्वारा उसका उल्लंघन किया गया है। हाई कोर्ट ने इस आधार पर, कि आरोपी ने अपने शपथ पत्र में कही हुई बात को नहीं माना। इस आधार पर हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत कैंसिल कर दी थी। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब यूट्यूबर, ए दुरई मुरूगन सताई को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला यूट्यूबर के साथ- साथ उन सभी व्यक्तियों के लिए, जो समय-समय पर सरकार का विरोध करते हैं। अपने विचारों की स्वतंत्र ढंग से अभिव्यक्ति करते हैं। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं। विरोध प्रदर्शन वह सोशल मीडिया और यूट्यूबर के रूप में अपने असंतोष को सार्वजनिक करते हैं। यह सुरक्षा भारतीय संविधान ने दे रखी है। कोई भी व्यक्ति यदि इसका दुरुपयोग करता है। ऐसी स्थिति में उसके लिए प्रभावित पक्ष द्वारा आईपीसी में आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने अथवा मानहानि के रूप में विधिक कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे कई विकल्प मौजूद हैं। जिस व्यक्ति के खिलाफ यह कार्रवाई की गई थी, उस व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा भारतीय संविधान में निहित है। जिस तरह से सरकारों द्वारा सरकार के खिलाफ बयान देने अथवा सरकार के किसी निर्णय, विरोध प्रदर्शन, आलोचना करने पर जेल भेजा जा रहा है। उसे सुप्रीम कोर्ट ने गलत बताया है। पिछले कुछ वर्षों में इस तरह की प्रवृत्ति बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। केंद्र सरकार हो या राज्य सरकारें अपने खिलाफ किसी भी विरोध को सहन नहीं कर पाती हैं। गलत तरीके से मुकदमे दायर किए जा रहे हैं। लोगों को जेल भेजा जा रहा है। स्वतंत्र अभिव्यक्ति करने पर लोगों को आईटी एक्ट या ऐसे मामलों में बंद किया जाता है, जिसमें महीनों और सालों तक जमानत नहीं होती है। इस तरह के मामले में एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर, स्पष्ट कर दिया है। विचारों की भिन्नता होना, अथवा विपरीत विचारों के होते हुए भी किसी व्यक्ति को विचार व्यक्त करने से रोका नहीं जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति के अधिकार इससे प्रभावित हो रहे हैं। किसी व्यक्ति द्वारा दुर्भावना से यदि अपमानजनक टिप्पणी अथवा झूठा बयान दिया जा रहा है। इसके लिए भारतीय दंड संहिता में अलग तरीके से कानून में प्रावधान है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अधिकारों का दुरुपयोग मानते हुए आरोपी को जमानत दी है। तमिलनाडु हाईकोर्ट के फैसले को निरस्त करने की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट ने की है। निश्चित रूप से पिछले एक दशक में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से लोग अपने विचारों की अभिव्यक्ति बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जिनको वह विचार अच्छे नहीं लगते हैं। वह उसे ना देखें, यदि किसी के ऊपर व्यक्तिगत आक्षेप गलत तरीके से किए गए हैं, तो उसे व्यक्ति को भी अधिकार है, कि वह ऐसे व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई कर सकता है। इस तरह से आरोपी को जेल में बंद नहीं रखा जा सकता है। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जांच एजेंसी, ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की पालना में भविष्य में इस तरह से यदि कोई कार्रवाई की जाती है। ऐसी कार्रवाई पर जमानत देते हुए संवैधानिक स्वरूप को बनाए रखने के लिए लचीलापन अपने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है। सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है।

सब्र के इम्तहान का ईनाम है ईद!

-डॉ0 श्रीगोपालनारसन

रमजान सब्र, प्रेम और भाईचारे के साथ साथ अल्लाह की खिदमत का एक खास महिना है। तभी तो इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका है ईद।ईद पर कोई भूखा न रहे ,पडौसी के घर में भी ईद की खुशिया मने और आपसी मोहब्बत व भाईचारे की नई शुरूआत हो यही कौशिश हर किसी की रहती है।तभी तो ईद की सवेरे से ही ईद की खुशिया सब पर हावी हो जाती है। बडे सवेरे से घर में सेवईया बननी शुरू हो जाती है। एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है। बच्चे नये नये खिलौने खरीदते है। सेवईया और तरह तरह के पकवान खाये जाते है। ईद पर भी गरीबो को दान देने, उनकी सहायता करने की खास परम्परा है।ताकि हर किसी के चेहरे पर ईद की खुशिया बरकरार रहे।इस्लामी कलैण्डर के दसवें महिने की पहली तारीख को चांद दिखने व तीस रोजे निर्विधन खुदा की इबादत के साथ पूरे होने की खुशी में ईद उल फितर मनाया जाता है। ईद उल फितर की शुरूआत जगं एबदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जो खुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है। इस्लाम में हर शख्स को रोजाना ही शरीर और दिमाग से पाक साफ रहने की हिदायत है। लेकिन रमजान के महिने में हर दिन विशेष तौर पर पाक साफ रहने की बात कही गई है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म के विद्वान कुवँर जावेद इकबाल बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है। इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं, इच्छाएं, और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी, उत्तेजना और जोश होता है। जिसे जड से तो समाप्त नही किया जा सकता लेकिन नियन्त्रित जरूर किया जा सकता है। इस नियन्त्रण के लिए ही रमजान में रोजो की व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लाह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म नियन्त्रण करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान के दिनो में चूंकि हर रोजेदार अल्लाह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढना वह अपना समझता है। रोजा रखने से जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है। वही पांचो वक्त की नमाज पढने से उसकी योगिक क्रियाएं भी हो जाती है। नमाज की शरीरिक स्थिति इस तरह की होती है कि सभी तरह के आसन और प्राणायाम अल्लाह की इबादत में पूरे हो जाते है। ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते समय तकबीर पढे,अल्लाह हु अकबर अल्लाह हु अकबर लाईलाह इल्लाह अल्लाह हु अकबर बडा है अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक नही । सारी तारीफे अल्लाह के लिए है। ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई देने व लेने में जो खुशी मिलती है उसको जरूर प्राप्त करना चाहिए। ईद की बधाई में सिर्फ मुस्लमान ही नही हिन्दू,सिख और ईसाइ भी शरीक होते है। यह वह त्योहार है जो हमे इंसानियत की सीख देता है। जो दूसरो की भलाई का जज्बा देता है और मुल्क की तरक्की व हिफाजत का जुनून देता है। ईद की खुशी रोजेदारो को तभी से मिलनी शुरू हो जाती है। जब रमजान में रोजेदार मुस्लमानो के साथ साथ दूसरे धर्मो से जुडे लोग भी रोजा इफतार की रस्म में शरीक होकर आपसी भाईचारे व एकता का पैगाम देते है। रोजा इफतार कार्यक्रमो का सिलसिला रमजान में लगातार चलता है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएं भी रोजा इफतार के कार्यक्रम करके रोजेदारो की रोजा इफतारी कराकर शबाब कमाती है। लेकिन साथ ही रोजा इफतारी के राजनीतिक स्वरूप ले लेने से इसके मकसद के साथ खिलवाड भी होने लगा है। आज प्रधानमन्त्री से लेकर छोटे से छोटे राजनेता भी रोजा इफतारी का कार्यक्रम कराने लगे है। कुछ लोग इसका नाजायज रूप में राजनीतिक इस्तेमाल भी कर रहे है। जिससे इसकी पवित्रता प्रभावित होती है। इसलिए हमे केवल ओर केवल धार्मिक भावना के तहत ही रोजा इफतारी कराकर रोजेदारो की खिदमत करनी चाहिए और ईद पर भी उन्हे तहेदिल से गले लगाना चाहिए। तभी ईद का मजा दोगुना हो सकता हैऔर ईद से नई उम्मीदो,नईरोशनी व नये रिश्तो की शुरूआत हो सकती है। जिसके पीछे मात्र दिखावा कदापि न हो, यानि हर इंसान दिल से जश्न मनाये ईद का,यही अल्लाह का पैगाम भी है।

कला-संस्कृति : राजस्थान का लोकोत्सव गणगौर

- रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान का नाम सुनते ही मन खुशी से झूम उठता है। राजस्थान के पर्व त्यौहार अपने आप में अलग ही महत्व रखतें हैं। राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है। गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौंहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती है। विवाहिता एंव कुवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती है। गणगौर शब्द भगवान शिव और पार्वती के नाम से बना है। गण यानि भगवान शिव और गौर यानि पार्वती। इसलिए शिव-पार्वती की पूजा के रूप में इस त्यौहार को मनाया जाता है। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातः काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है। कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहुर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैंः- गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली। गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुए से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुए से ताजा पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैंः- म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो, बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो, म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो। लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैंः- म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो, ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो। रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का ह्लह्लबिन्दौराह्लह्ल निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैंः- ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां। गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैंः- गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर। गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है- तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर। अर्थात जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ॠतु की शुरूआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे। हमें आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं। अब राजस्थान पर्यटन विभाग की वजह से हर साल मनाए जाने वाले इस गणगौर उत्सव में शामिल होने कई देशी-विदेशी पर्यटक भी पहुँचने लगे हैं।

क्यों बिहार पर टिकी है सबकी निगाहें?

-संजय गोस्वामी

क्यों बिहार पर है सबकी निगाहें क्योंकि बिहार एक ऐसा राज्य है जिसकी सीमाएं बड़े राज्यों से लगी है और उसी सेंटर से लोकसभा में हार जीत का फैसला होता है बिहार के मुख्य मंत्री श्री नीतीश कुमार बीआईटी से सिविल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएट है। नीतीश का उपनाम मुन्ना है।सोशल इंजीनियरिंग के जादूगर नीतीश कुमार ने सुशासन के मुद्दे पर पिछला चुनाव लड़कर बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी हासिल की थी। नीतीश कुमार अब तक तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। विचारों से समाजवादी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी सुलझे हुए नेता माने जाते हैं। मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने एनडीए से काफी पुराना नाता तोड़ लिया था। नीतीश कुमार इस बार के लोकसभा चुनाव में अपने लिए उपयुक्त संभावनाएं तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। बिहार के पटना इंजीनियरिंग कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने वाले नीतीश कुमार का जन्म साल 1951 में बिहार के एक दलित परिवार में हुआ था। नीतीश का उपनाम मुन्ना है। नीतिश के पिता एक स्वतंत्रता सेनानी थे। नीतीश ने राजनीति के गुण जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, कपूरी ठाकुर और जॉर्ज फनार्डीज से सीखे थे। नीतीश ने 22 फरवरी 1973 को पेशे से इंजीनियर मंजू कुमारी सिन्हा से शादी की थी। नीतीश कुमार का एक पुत्र है जो बीआईटी, मेश्रा से इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है नीतीश के राजनीतिक करियर की शुरूआत साल 1977 में हुई थी। इस साल नीतीश ने जनता पार्टी के टिकट पर पहला विधानसभा चुनाव लड़ा। साल 1985 को नीतीश बिहार विधानसभा के सदस्य चुने गए। नीतीश का राजनीतिक कद धीरे धीरे बढ़ता जा रहा था। इसी बीच साल 1987 को नीतीश कुमार बिहार के युवा लोकदल के अध्यक्ष बन गए। नीतीश राजनीति में पारंगत हो ही रहे थे कि साल 1989 को नीतीश कुमार को जनता दल (बिहार) का महासचिव बना दिया गया। अब तक नीतीश ने अच्छी खासी राजनीतिक पहचान बना ली थी। साल 1989 नीतीश के राजनीतिक करियर के लिए काफी अहम था। इस साल नीतीश 9वीं लोकसभा के लिए चुने गए। लोकसभा के लिए ये नीतीश का पहला कार्यकाल था। इसके बाद साल 1990 में नीतीश अप्रैल से नवंबर तक कृषि एवं सहकारी विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री रहे। नीतीश का राजनीतिक कद लगातार बढ़ता जा रहा था। साल 1991 में दसवीं लोकसभा का चुनाव हुए नीतीश एक बार फिर से संसद में पहुंचे। इसी साल नीतिश कुमार जनता दल के महासचिव बने और संसद में जनता दल के उपनेता भी बने। करीब दो साल बाद 1993 को नीतीश को कृषि समित का चेयरमैन बनाया गया। एक बार फिर से आम चुनाव ने दस्तक दी। साल 1996 में नीतीश कुमार 11वीं लोकसभा के लिए चुने गए। नीतीश साल 1996झ98 तक रक्षा समिति के सदस्य भी रहे। साल 1998 ने नीतीश फिर से 12वीं लोकसभा के लिए चुने गए। 1998-99 तक नीतीश कुमार केंद्रीय रेलवे मंत्री भी रहे। एक बार फिर चुनाव हुए साल 1999 में नीतीश कुमार 13वीं लोकसभा के लिए चुने गए। इस साल नीतीश कुमार केंद्रीय कृषि मंत्री भी रहे। साल 2000 नीतीश के राजनीतिक करियर का सबसे अहम मोड़ था। इस साल नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने। उनका कार्यकाल 3 मार्च 2000 से 10 मार्च 2000 तक चला। चूंकि बहुमत साबित नहीं कर सकें लेकिन सबसे बड़ी पार्टी एन डी ए थी अतः उस समय केंद्र में बीजेपी की सरकार थी अतः जद यू के कोटे से साल 2000 में नीतीश एक बार फिर से केंद्रीय कृषि मंत्री रहे। साल 2001 में नीतीश को रेलवे का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक मामलों में आज का दिन शुभ होगा और आपके भाग्य में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला आज का दिन सही नहीं है। कोई रिस्?क वाला काम न करें तो सही रहेगा।

वृषभ लाभ का दिन है और सम्मान में वृद्धि होगी। गुरु के साथ आपके रिश्ते काफी मजबूत होंगे।

वृश्चिक दिन मिलाजुला रहेगा और कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आप अपनी कार्यकुशलता से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करें तो आपको लाभ होगा।

धनु आज आर्थिक लाभ होगा। जिस प्रकार प्रतियोगिता या परीक्षा को आप उत्तीर्ण कर लेना चाहते हैं।

कर्क सफलता का दिन है और काफी समय से रुका कार्य पूर्ण होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

मकर किसी बड़े लाभ के चक्कर में आप दिनभर भागदौड़ करने के लिए भी तत्पर रहेंगे।

सिंह अकस्मात् आशा से अधिक लाभ व प्रगति होने से खोया हुआ विश्वास पुनः प्राप्त होगा।

कुंभ आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बहुत सारे काम आपके आगे पीछे आ रहे हैं।

कन्या आज भाग्य का साथ मिल रहा है और काफी समय से आप जिस कारण से उदास थे।

मीन काम संभलकर करने की जरूरत है। परिवार और रोजगार को ही ठीक तरह से संभालने की चेष्टा करें।

विशेष

भाजपा की सुनामी का दूर-दूर तक अता पता नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर सभा में 400 पार का नारा लगा रहे है। गोदी मीडिया भी अपने डिस्कशन में 400 पार की बात कर रहा है। चुनाव विशेषज्ञों ने राज्यवार सीटों का विश्लेषण किया।इसमें अधिकतम सीटों का आंकड़ा 358 पर पहुंचा। 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला होने जा रहा है। कांटे के मुकाबले में जमीनी हकीकत को देखते हुए, यह आंकड़ा 248 सीट पर पहुंच रहा है। केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के खाता बंद करने से दिल्ली और कई अन्य राज्यों में विपक्ष के प्रति सहानुभूति बढ़ा दी है।

कांग्रेस की मजबूत सीटों को छीन लिया लालू ने

बिहार की राजनीति में लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्र तेजस्वी यादव कितना खेल बिगाड़ेंगे। यह कहना ज्यादा मुश्किल नहीं है। लालू प्रसाद यादव ने जिद करके कांग्रेस की मजबूत सीटें छीन ली है। बाल्मीकि नगर सीट से कांग्रेस के प्रवेश मिश्रा उपचुनाव में 20000 वोटो के मामूली अंतर से हारे थे। यह सीट राजद ने अपने नाम कर ली।अब किसी चीनी मिल मालिक को लालू टिकट दे रहे हैं। राजद ने कांग्रेस को बदले में चंपारण की सीट दी है। यहां से 1984 में अंतिम बार यह सीट कांग्रेस ने जीती थी। इसी तरह कांग्रेस से औरंगाबाद सीट छीन ली। लालू और तेजस्वी यादव को इस बात का डर लग रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1564: इंग्लैंड और फ्रांस का युद्ध समाप्त हुआ. 1689: विलियम और मेरी इंग्लैंड के राजा और रानी बने. 1844 नेपोलियन बोनापार्ट ने गद्दी बिना शर्त छोड़ दी. 1887: कलाकार जामिनी राय का जन्म हुआ . 1899: स्पेन ने फिलीपीस अमेरिका को सौप दिया. 1979: न्यूजीलैंड के लोगों ने जनमत संग्रह मद्ध निषेध का विरोध किया. 1930: ऋषिकेश में लक्ष्मण झूला आम जनता के लिए खोल दिया गया. 1961: नाइजीरिया ने दक्षिण अफ्रीका के साथ व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया 1964: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का विभाजन हुआ. 1989: अफगानिस्तान के जलालाबाद शहर की नाकेबंदी मुस्लिम विद्रोहियों ने कर दी. 1997: सुरक्षा परिषद् ने खाड़ी युद्ध समाप्त होने की विधिवत घोषणा की.

दैनिक पंचांग

11 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.55 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	07.35 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.33 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.46 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	14.02 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.14 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.25 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.40 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.56 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	01.01 बजे से
		कुंभ	02.47 बजे से
		मीन	04.20 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 102 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 15.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 01.38 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 07.19 बजे तदनन्तर आयुष्मान 04.29 बजे प्रात: को समाप्त।
करण गर 15.04 बजे तदनन्तर वणिज 02.03 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871946
जूलियन दिन 2460411.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल **तारीख** 01
विशेष गणगौर तीज, मत्स्य जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शाही सियासत

कायम है राजपरिवारों का सियासी प्रेम

- विधायक से सीएम बने राजघराने के दिग्गजों को ...

(नरेन्द्र शर्मा)

आजादी के बाद देश के अन्य राज्यों की तरह राजस्थान के पूर्व राजपरिवारों की सत्ता लोकतांत्रिक सरकारों के हाथों में है लेकिन अब भी करीब एक दर्जन पूर्व राजपरिवार ऐसे हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से राजस्थान की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश की सत्ता में इनकी पकड़ कायम है। कई पूर्व राजपरिवार तो ऐसे हैं, जिनके हिसाब से पार्टियां टिकट

प्रदेश की सत्ता में इनकी पकड़ कायम है। कई पूर्व राजपरिवार तो ऐसे हैं, जिनके हिसाब से पार्टियां टिकट तय करती हैं। हालांकि इन पूर्व राजपरिवारों के सदस्य खुद चुनावी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन मतदाताओं में अब भी इनका प्रभाव है। वहीं कुछ पूर्व राजपरिवारों के सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं।

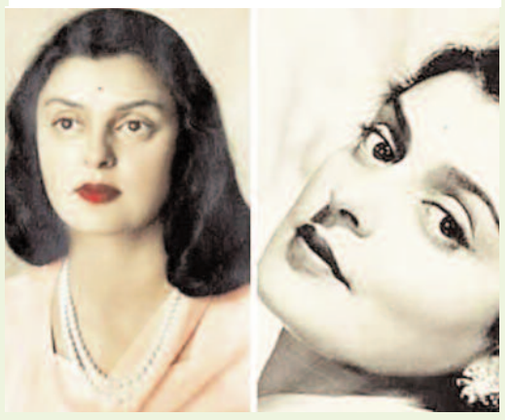

तय करती हैं। हालांकि इन पूर्व राजपरिवारों के सदस्य खुद चुनावी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, लेकिन मतदाताओं में अब भी इनका प्रभाव है। वहीं कुछ पूर्व राजपरिवारों के सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं। बड़ा सच यह भी है कि इनकी आस्था समय के साथ बदलती रही है। आजादी के बाद प्रदेश के अधिकांश पूर्व राजपरिवारों ने पहले स्वतंत्र पार्टी को समर्थन दिया तो बाद में भाजपा और कांग्रेस के साथ होते गए।

गायत्री देवी ने मजबूत की थी स्वतंत्र पार्टी की जड़ें- पूर्व राजपरिवारों की आस्था समय के साथ बदलती रही है। जयपुर की पूर्व दिवंगत राजमाता गायत्री देवी स्वतंत्र पार्टी के टिकट पर 1962, 1967 और 1971 में सांसद बनी। हालांकि 1971 के बाद उन्होंने राजनीति से संन्यास ले लिया। प्रदेश में कांग्रेस के खिलाफ स्वतंत्र पार्टी की जड़ें मजबूत करने में गायत्री देवी की बड़ी भूमिका रही।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी भी राज परिवार से

गायत्री देवी के पुत्र दिवंगत भवानी सिंह ने 1989 में जयपुर से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा पर जीत नहीं पाए। भवानी सिंह पुत्री दीया कुमारी वर्तमान में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वे एक बार सवाईमाधोपुर से विधायक और राजसमंद से सांसद रह चुकी हैं।

धौलपुर राजपरिवार से वसुंधरा का नाता

धौलपुर पूर्व राजपरिवार की सदस्य वसुंधरा राजे दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं। वर्तमान में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा झालावाड़ से पांच बार सांसद निर्वाचित हुई। खुद प्रदेश की राजनीति में सक्रिय हुई तो पुत्र दुष्यंत सिंह को लोकसभा का चुनाव लड़वाया। चार बार सांसद रहे दुष्यंत पांचवी बार भी मैदान में हैं।

सियासत में कोटा राजपरिवार

अलवर के पूर्व राजपरिवार की सदस्य महेंद्र कुमारी भाजपा के टिकट पर एक बार सांसद रहीं, लेकिन उनके पुत्र जितेंद्र सिंह कांग्रेस में शामिल होकर दो बार सांसद बने। अभी कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं। कोटा पूर्व राजपरिवार के सदस्य बृजराज सिंह दो बार भाजपा के टिकट पर सांसद रहे। उनके बेटे इज्येराज सिंह भी एक बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते। वर्तमान में उनकी पत्नी कल्पना देवी भाजपा की विधायक हैं।

पांच बार सांसद रहे करणी सिंह

बीकानेर पूर्व राजपरिवार के करणी सिंह पांच बार सांसद रहे, वर्तमान में उनकी पौत्री सिद्धी कुमारी विधायक हैं। भरतपुर पूर्व राजपरिवार के विश्वेंद्र सिंह पहले भाजपा में रहे और फिर कांग्रेस से विधायक बन कर अशोक गहलोत सरकार में मंत्री थे। विश्वेंद्र सिंह की पत्नी दिव्या सिंह भाजपा से सांसद रही हैं। विश्वेंद्र सिंह के दिवंगत चाचा मानसिंह निर्दलीय विधायक रहे और उनकी चचेरी बहन कृष्णेंद्र कौर भाजपा से विधायक व वसुंधरा सरकार में मंत्री रही हैं।

राजनीति में ये राजपरिवार भी

जोधपुर पूर्व राजपरिवार की सदस्य चंद्रेश कुमारी कांग्रेस से सांसद रही हैं। डूंगरपुर पूर्व राजपरिवार के सदस्य हर्षवर्धन सिंह भाजपा से राज्यसभा सांसद थे। उदयपुर पूर्व राजपरिवार के महाराणा महेंद्र सिंह पहले सांसद रहे तो वर्तमान में उनके पुत्र विश्वराज सिंह विधायक हैं। खींवसर पूर्व राजपरिवार के सदस्य गजेंद्र सिंह प्रदेश की भाजपा सरकार में चिकित्सा मंत्री हैं। इससे पहले डूंगरपुर, बांसवाड़ा और सीकर के पूर्व राजपरिवारों ने भी समय-समय पर पार्टियों के प्रति अपनी आस्था बदली है।

इनका भी है महत्व

जोधपुर के पूर्व महाराजा गजसिंह राजनीति में सक्रिय नहीं हैं लेकिन लोकसभा व विधानसभा चुनाव में उनकी निर्णायक भूमिका रहती है। पार्टियां टिकट तय करते समय उनकी सलाह को महत्व देती हैं। वहीं मतदाता भी उनके प्रति आस्था रखते हैं।

लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में राबर्ट वाड्रा!

यवसायी और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने 4 अप्रैल गुरुवार को कहा कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि वह मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी के खिलाफ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि अमेठी की जनता को अपनी गलती समझ आ गई है। और मुझे लगता है कि अब वे चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने कहा कि यहां तक ??कि मुझे अमेठी के लोगों से भी अनुरोध मिलता है कि अगर मैं राजनीति में शामिल होऊं तो मुझे अमेठी को चुनना चाहिए। मुझे याद है, प्रियंका के साथ मेरा पहला राजनीतिक अभियान 1999 में अमेठी में था। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी एक हॉट सीट बन गई जब स्मृति ईरानी ने दशकों तक गांधी के गढ़ रही इस सीट से राहुल गांधी को हराया।

2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी एक हॉट सीट बन गई जब स्मृति ईरानी ने दशकों तक गांधी के गढ़ रही इस सीट से राहुल गांधी को हराया। राहुल गांधी ने 2004, 2009 और 2014 में अमेठी से जीत हासिल की लेकिन स्मृति ईरानी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया।

व्यवसायी और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने 4 अप्रैल गुरुवार को कहा कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि वह मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी के खिलाफ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि अमेठी की जनता को अपनी गलती समझ आ गई है। और मुझे लगता है कि अब वे चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने कहा कि यहां तक ??कि मुझे अमेठी के लोगों से भी अनुरोध मिलता है कि अगर मैं राजनीति में शामिल होऊं तो मुझे अमेठी को चुनना चाहिए। मुझे याद है, प्रियंका के साथ मेरा पहला राजनीतिक अभियान 1999 में अमेठी में था। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी एक हॉट सीट बन गई जब स्मृति ईरानी ने दशकों तक गांधी के गढ़ रही इस सीट से राहुल गांधी को हराया। राहुल गांधी ने 2004, 2009 और 2014 में अमेठी से जीत हासिल की लेकिन स्मृति ईरानी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। कांग्रेस ने अभी तक अमेठी और रायबरेली के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, जबकि राहुल गांधी ने वायनाड से अपना नामांकन दाखिल किया है। मौजूदा सांसद सोनिया गांधी के राज्यसभा में चले जाने से इस बार अमेठी के अलावा रायबरेली का भी महत्व बढ़ गया है।

अटकलें लगाई जा रही थीं कि राहुल गांधी 2019 की तरह अमेठी और वायनाड दोनों सीटों से चुनाव लड़ेंगे और प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से चुनावी शुरुआत कर सकती हैं। लेकिन दोनों पर कोई पुष्टि नहीं होने से सस्पेंस बरकरार रहा। अब रॉबर्ट वाड्रा के बयान ने एक बड़ा संकेत दिया है कि वह अमेठी से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेठी मौजूदा सांसद से नाराज है और अमेठी की जनता उनकी गलती समझ चुकी है। मौजूदा सांसद गांधी परिवार पर आरोप लगाने के लिए खूब शोर मचाने के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही हैं। गांधी परिवार ने सालों तक रायबरेली, अमेठी और सुल्तानपुर में कड़ी मेहनत की। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि अब जब अमेठी के लोग राहुल गांधी के बजाय स्मृति ईरानी को चुनने के लिए पछता रहे हैं, तो मुझे लगता है कि वे चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य उनका प्रतिनिधित्व करे। वे मुझसे भी कहते हैं कि अगर मैं सांसद बनना चाहता हूं तो अमेठी के बारे में भी विचार करूं।जिन लोगों के साथ मैंने वहां काम किया, वे आज भी मेरे संपर्क में हैं। वे मुझे मेरे जन्मदिन पर शुभकामनाएं देते हैं, वे सोशल मीडिया के माध्यम से मुझ तक पहुंचते हैं। वे जानते हैं कि मैं चैरिटी में कितना जुड़ा हूं, इसलिए वे भी मेरे जन्मदिन पर ऐसे शिविर आयोजित करते हैं।

लालू यादव के दांव से बिहार में धड़ाम हुई कांग्रेस की सियासत

पप्पू यादव और कन्हैया हुए किनारे

एनडीए ने जहां बिहार में चुनाव का पूरी तरीके से फार्मूला निकाल लिया है तो वहीं इंडिया गठबंधन में टेंशन अभी भी बरकरार है। एनडीए के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां चुनावी अभियान की शुरुआत भी कर दी है जिसमें नीतीश कुमार भी शामिल रहे तो वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव एक ऐसी सीट पर राजद उम्मीदवार के नामांकन पर पहुंचे थे जहां इंडिया गठबंधन के भीतर आपस में ही टकराव है। एनडीए गठबंधन जहां मजबूती से चुनाव लड़ता दिखाई दे रहा है तो वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और राजद आपस में ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। एनडीए में जहां सभी दलों ने मिल बैठकर सीटों और उम्मीदवारों पर फैसला किया तो वहीं इंडिया गठबंधन में लालू यादव का ही दबदबा दिखाई दे रहा है।

(अंकित सिंह)

एनडीए गठबंधन जहां मजबूती से चुनाव लड़ता दिखाई दे रहा है तो वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और राजद आपस में ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। एनडीए में जहां सभी दलों ने मिल बैठकर सीटों और उम्मीदवारों पर फैसला किया तो वहीं इंडिया गठबंधन में लालू यादव का ही दबदबा दिखाई दे रहा है।

बिहार के सियासी समर में मुकाबला दिलचस्प होता दिखाई दे रहा है। एक ओर जहां बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन है तो दूसरी ओर इंडिया गठबंधन है जिसमें राजद और कांग्रेस मुख्य रूप से शामिल है। एनडीए ने जहां बिहार में चुनाव का पूरी तरीके से फार्मूला निकाल लिया है तो वहीं इंडिया गठबंधन में टेंशन अभी भी बरकरार है। एनडीए के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां चुनावी अभियान की शुरुआत भी कर दी है जिसमें नीतीश कुमार भी शामिल रहे तो वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव एक ऐसी सीट पर राजद उम्मीदवार के नामांकन पर पहुंचे थे जहां इंडिया गठबंधन के भीतर आपस में ही टकराव है। एनडीए गठबंधन जहां मजबूती से चुनाव लड़ता दिखाई दे रहा है तो वहीं इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और राजद आपस में ही लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। एनडीए में जहां सभी दलों ने मिल बैठकर सीटों और उम्मीदवारों पर फैसला किया तो वहीं इंडिया गठबंधन में लालू यादव का ही दबदबा दिखाई दे रहा है।

सीटों का बंटवारे में लालू का दबदबा रहा

काफी उठा पटक और माथापच्ची के बाद इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर फैसला हो सका। सीट बंटवारे में लालू का ही दबदबा दिखाई दिया। 40 सीटों में से राजत 26 सीटों पर चुनाव लड़ रहा है। जबकि कांग्रेस 9 सीट और वाम दलों के खाते में 5 सीटें गई हैं। राजद जिन सीटों पर चुनाव लड़ रहा है उनमें औरंगाबाद, गया, जमुई, नवादा, सारण, पाटलिपुत्र, बक्सर, उजियारपुर, जहानाबाद, दरभंगा, बांका, अररिया, मुंगेर, सीतामढ़ी, झंझारपुर, मधुबनी, सिवान, शिवहर, वैशाली, हाजीपुर, सुपौल, वाल्मीकि नगर, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, मधेपुरा और गोपालगंज शामिल है। जबकि दूसरी ओर किशनगंज, कटिहार, समस्तीपुर, पटना साहिब, सासाराम, पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और महाराजगंज में कांग्रेस अपने उम्मीदवार उतार रही है। भाकपा माले को आरा, काराकट और नालंदा का सीट दिया गया है जबकि सीपीआई के खाते में बेगूसराय और सीपीएम के खाते में खगड़िया सीट आई है। लालू यादव के दबाव में कांग्रेस को पूर्णिया जैसी सीट छोड़नी पड़ी जहां से उसने मजबूत उम्मीदवार पप्पू यादव को अपनी पार्टी में शामिल कराया था।

लालू को पसंद नहीं पप्पू यादव और कन्हैया कुमार?

पप्पू यादव हाल में ही अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लिया था। वह कांग्रेस के सिंबल से पूर्णिया से चुनाव भी लड़ने वाले थे। लेकिन यह सीट लालू यादव ने अपने पास रख ली। इतना ही नहीं, पूर्णिया के आसपास वाले मधेपुरा और सुपौल सीट भी लालू की पार्टी के पास है। ऐसे में पप्पू यादव के लिए कोई विकल्प नहीं बचा और ऐसा लगा कि लालू यादव की रणनीति की वजह से उन्हें नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, पप्पू यादव ने पूर्णिया सीट से नामांकन निर्दलीय तौर पर दाखिल कर दिया है और ऐसे में राजद उम्मीदवार बीमा भारती की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। दूसरी ओर कांग्रेस कन्हैया कुमार के लिए बेगूसराय सीट चाहती थी। लेकिन लालू यादव ने एकतरफा फैसला लेते हुए यह सीट लेफ्ट को दे दी ताकि कन्हैया कुमार के लिए कोई जगह न बच सके। भागलपुर से भी कन्हैया कुमार के लड़ने की बात कही जा रही थी। लेकिन लालू यादव ने अड़ंगा लगा दिया जिसके बाद कांग्रेस की ओर से अजीत शर्मा को चुनावी मैदान में उतरा गया। बिहार के राजनीतिक विश्लेषक यह दावा कर रहे हैं कि लालू यादव को यह लगता है कि पप्पू यादव और कन्हैया कुमार भविष्य में तेजस्वी यादव के लिए चुनौती बन सकते

इन दो सीटों पर टकराव

लाल यादव कटिहार सीट अपने पास रखना चाहते थे लेकिन कांग्रेस तारीक अनवर के लिए यह सीट लेना चाहती थी। ऐसे में लालू यादव को यह सीट कांग्रेस के लिए छोड़ना पड़ा। हालांकि लालू यादव अपने राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक करीम के लिए यह सीट चाहते थे। उन्होंने प्रॉमिस भी कर दिया था। लेकिन अब वह टिकट नहीं दे पा रहे हैं। कांग्रेस ने तारीक अनवर को टिकट दे दिया है। ऐसे में अशफाक करीम अब कटिहार से निर्दलीय चुनाव लड़ने की तैयारी में है। दूसरी ओर औरंगाबाद से कांग्रेस नेता निखिल कुमार टिकट चाहते थे। लेकिन लालू यादव ने एक तरफा फैसला लेते हुए जदयू छोड़कर आए पूर्व विधायक अभय कुशवाहा को मैदान में उतार दिया। कांग्रेस ने इसको लेकर लालू के समक्ष नाराजगी भी दिखाई लेकिन यहां भी लालू मजबूत दिखे। एक राजद नेता ने कहा कि जब से कांग्रेस ने 2020 के विधानसभा चुनावों में लड़ी गई 70 सीटों में से केवल 19 सीटें जीतीं, तब से उनका (लालू) कांग्रेस पर से विश्वास उठ गया है। जबकि हम कांग्रेस को गठबंधन में चाहते थे, लेकिन हम नहीं चाहते थे कि यह एक बोझ बन जाए।

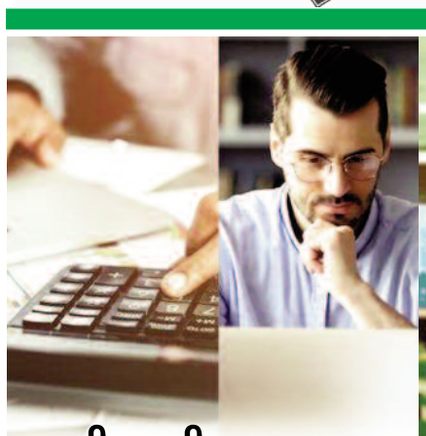

अभी-अभी कमाना किया है शुरू, तो भूल से भी ना करें ये फाइनेंशियल मिसटेक्स

आज की यंग जनरेशन कम उम्र में ही अपने पैरों पर खड़ा होने की चाहत रखती है। शायद यही कारण है कि यंगस्टर्स पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब या फिर फीलांस वर्क करना पसंद करते हैं। यकीनन यह एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप कमाना शुरू करते हैं तो आप आत्मनिर्भर बनते हैं। हालांकि आपके लिए सिर्फ पैसा कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि आप उन पैसों को किस तरह हैंडल करते हैं, इस पर भी ध्यान दिया जाना उतना ही जरूरी है। अक्सर यह देखने में आता है कि जब यंगस्टर्स पैसा कमाना शुरू करते हैं तो उन्हें पैसा हैंडल करना नहीं आता है। जिसके कारण वे अपनी मेहनत की कमाई को यूं ही खर्च कर देते हैं या फिर कुछ मिसटेक्स के कारण उन्हें फाइनेंशियल लॉस हो जाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही फाइनेंशियल मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचने की कोशिश करनी चाहिए-

बजट तय ना करना

यह एक कॉमन गलती है, जो अक्सर यंगस्टर्स कर बैठते हैं। दरअसल, जब यंगस्टर्स कमाना शुरू करते हैं तो उन पर अमूमन पारिवारिक जिम्मेदारियां नहीं होती हैं। ऐसे में उनके द्वारा कमाए गए पैसे सिर्फ उनके ही होते हैं। कई बार वे पूरे सप्ताह काम करके पैसे कमाते हैं और वीकेंड में उसे खर्च कर देते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। हमेशा एक बजट बनाएं, जिससे आप जरूरत के अनुसार खर्च कर पाएं। साथ ही साथ, इमरजेंसी के लिए कुछ पैसे अवश्य अलग से रखें।

इनवेस्टमेंट स्कीम को इग्नोर करना

अपनी कमाई के शुरुआती दिनों में लोग इनवेस्टमेंट की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते हैं। जबकि इस समय इनवेस्ट करना काफी अच्छा माना जाता है। चूंकि इस समय आप रिस्क ले सकते हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियां ना होने के कारण आमदनी के एक बड़े हिस्से को निवेश कर सकते हैं। जिससे आपको अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करना

अगर आपने अभी-अभी पैसे कमाना शुरू किया है तो तुरंत क्रेडिट कार्ड खरीदकर उसे इस्तेमाल करना शुरू ना करें। दरअसल, अभी आपने पैसों को सही ढंग से संभालना नहीं सीखा है। ऐसे में अगर आपकी जेब में क्रेडिट कार्ड होगा तो आपके बेवजह पैसे खर्च करने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए, शुरुआत में कुछ वक्त डेबिट कार्ड ही इस्तेमाल करें। जब आप पैसों को सही ढंग से मैनेज करना सीख जाएं, जब क्रेडिट कार्ड लेने पर विचार करें।

अपनी कमाई से ज्यादा खर्च करना

आपके लिए कपड़े, हॉलिडे और इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम्स आदि पर अत्यधिक खर्च करना आकर्षक हो सकता है। जब आपकी आमदनी उन गैर-जरूरी चीज़ों को कवर नहीं करती है। कुछ लोग लोन लेकर भी अपनी इन इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए। आपको यह सीखना है कि अपनी क्षमता के भीतर कैसे रहना है, अपनी कमाई से अधिक खर्च नहीं करना है।

भारत में पार्ट टाइम एजुकेशन

अपनी वर्तमान नौकरी छोड़ने के बिना अध्ययन और पेशेवर विकास के लचीले घंटे अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रमों को चुनने के लिए अतिरिक्त लाभ में ला सकते हैं। शिक्षा हर स्तर पर उपलब्ध है; आप एक सर्टिफिकेट प्रोग्राम, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर, डॉक्टरेट या पोस्ट डॉक्टरेट जैसे डिग्री के लिए जाना चुन सकते हैं। अंशकालिक कार्यक्रमों को पूर्णकालिक कार्यक्रम के रूप में ही माना जाता है, हालांकि प्रवेश की आवश्यकताएं अलग हैं। उदाहरण के लिए एक अंशकालिक कार्यक्रम के लिए नामांकन करने के लिए आपको अपने वर्तमान नियोक्ता से अनुभव के प्रमाण पत्र का उत्पादन करने की आवश्यकता हो सकती है। इन कार्यक्रमों को मुख्य रूप से श्रमिक वर्ग के लोगों की शिक्षा में तेजी लाने और एक पूर्णकालिक कार्यक्रम में नामांकित छात्रों को पेशेवर प्रशिक्षण देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हालाँकि, आपको नामांकन के लिए अनुभव प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं होने वाले उदाहरण के लिए कई पाठ्यक्रम मिल सकते हैं।

कई छात्र विभिन्न कारणों से प्रारंभिक कार्य जीवन की शुरुआत करते हैं। यह एक ही समय में काम और पूर्णकालिक स्कूल को संतुलित करने के लिए चुनौतीपूर्ण है और इसकी एक परेशानी अगर काम का समय स्कूल के समय के साथ मेल खाता है। पूरी रात की कक्षाओं की उपलब्धता अभी भी केवल एक सपना है। पार्ट टाइम कार्यक्रम अक्सर देर शाम या सुबह जल्दी और सप्ताहांत में दिए जाते हैं ताकि कामकाजी वर्ग के लोगों की आवश्यकताओं के अनुरूप हो सके। काम करते हुए और एक साथ अध्ययन करते हुए आप अपने समय को अच्छी तरह से सीखते हैं; अंततः आप अंशकालिक पाठ्यक्रम और कार्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए उपलब्ध हर दूसरे का उपयोग करते हैं। शुरुआती कुछ दिनों के लिए आप व्यस्त कार्यक्रम के कारण थकावट महसूस कर सकते हैं लेकिन आश्चर्यजनक रूप से बहुत जल्द ही आपको एहसास होगा कि आप कितना समय बर्बाद कर रहे हैं। यहां तक कि आपको सप्ताहांत में भी कक्षाओं के बावजूद खेलने और मौज-मस्ती के लिए आसानी से समय मिल जाएगा। वास्तव में, अंशकालिक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए आशीर्वाद हैं जो एक पूर्णकालिक पाठ्यक्रम या पूर्णकालिक नौकरी का पीछा करते हैं। एक अतिरिक्त प्रमाण पत्र का मतलब है कि आपके पाठ्यक्रम, पंक्ति और अगले साक्षात्कारकर्ता को आपसे मिलकर खुशी होगी। हमेशा पार्ट टाइम कोर्स के लिए जाएं जो भविष्य में रोजगारपरक हो, आपके कौशल को बढ़ाए और उद्योग तक आपकी पहुंच को बढ़ाए।

अंशकालिक शिक्षा का अर्थ?

अंशकालिक शिक्षा / अंशकालिक अध्ययन कार्यक्रम या अंशकालिक पाठ्यक्रम का अर्थ है प्रति सप्ताह अपने अध्ययन के पाठ्यक्रम पर कुछ घंटे खर्च करना, यानि लगभग 20 से 30 घंटे में शिक्षा प्राप्त करना है। कभी-कभी अंशकालिक कक्षाएं रात या सप्ताहांत पर आयोजित की जाती हैं जो पूर्णकालिक काम करने वालों के लिए बनती हैं। पाठ्यक्रमों में कोई कमी नहीं है; तकनीकी और गैर-तकनीकी योग्यता दोनों विभिन्न संस्थानों, कॉलेजों विश्वविद्यालय विभागों द्वारा प्रदान की जाती हैं।

अंशकालिक अध्ययन क्यों?

अंशकालिक अध्ययन लेने का सबसे बड़ा लाभ आपके काम या परिवार की प्रतिबद्धताओं के साथ आपकी पढ़ाई का प्रबंधन करने में सक्षम है। अंशकालिक अध्ययन जीवन के दो पक्षों को संतुलित करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है, और काम जारी रखने में सक्षम होने के अलावा और अपनी पढ़ाई के लिए धन अर्जित करने के वित्तीय लाभ देता है। कुछ प्रमुख लाभ हैं -

- अगर आप अपना करियर बदलना चाहते हैं या अपनी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ाना चाहते हैं।
- आप अपने कैरियर की आकांक्षाओं से मेल खाने के लिए अपनी डिग्री को कस्टमाइज़ कर सकते हैं, जिसमें विभिन्न प्रकार के कोर्स मॉड्यूल शामिल हों।
- आप अपनी डिग्री को वित्त देने में मदद करने के लिए काम करना जारी रख सकते हैं।
- आपके मौजूदा करियर को आपकी पढ़ाई के जरिए बढ़ाया जा सकता है।
- यदि किसी कारण से पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए अनुपलब्ध है।
- जब आप डिग्री के कुछ रास्तों पर काम कर रहे हों तो आप पेशेवर योग्यता अर्जित कर सकते हैं।
- आपके पास बेहतर नौकरी की संभावनाओं के लिए कौशल बनाने के लिए बहुत सारे अवसर होंगे।

एक ऐसा मोड चुनना जो आपको सूट करे

अधिक से अधिक विश्वविद्यालय अब परिसर में पूर्णकालिक के अलावा अन्य पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इससे पहले कि आप एक कोर्स पर फैसला करें कि क्या एक वैकल्पिक अध्ययन मोड आपको बेहतर सूट कर सकता है। एक अध्ययन मोड का चयन करने का मतलब है कि आप परिसर में या बंद पूर्णकालिक या आंशिक समय का चयन करेंगे या नहीं। अन्य अध्ययन मोड विभिन्न कारणों से अधिक आकर्षक हो सकते हैं, जिनमें शामिल हैं -

- एक आय / या कमाने के लिए काम करने की आवश्यकता है।
- अन्य कैरियर या पारिवारिक जिम्मेदारियां।
- विकलांगता।
- पार्ट टाइम बनाम फुल टाइम मोड।

अंशकालिक अध्ययन का मतलब है कि हर सेमेस्टर आप पूर्णकालिक पाठ्यक्रम की तुलना में कम इकाइयों का अध्ययन करते हैं। आप उन इकाइयों की संख्या में जोड़ सकते हैं, जिनका आप अध्ययन करते हैं और विश्वविद्यालय के जीवन में अधिक व्यवस्थित होने के लिए पूरा समय देते हैं। यदि आवश्यक हो तो आप एक सेमेस्टर या उससे अधिक समय तक अध्ययन करने वाली इकाइयों की संख्या में भी कटौती कर सकते हैं।

कुछ छात्रों को पूर्णकालिक पाठ्यक्रमों का प्रबंधन करना मुश्किल लगता है और शैक्षणिक वर्ष के दौरान उनके विषयों की संख्या में कटौती करनी पड़ती है। शुरू करने के बाद इस तरह के बदलाव करना निराशाजनक, महंगा और हतोत्साहित करने वाला हो सकता है। जहां एक मौका हो सकता है कि पूर्णकालिक अध्ययन आपके लिए संभव नहीं होगा, हम दृढ़ता से सुझाव देते हैं कि आप अंशकालिक अध्ययन के साथ शुरू करने पर विचार करें। इस तरह आपके पास बाद में अपने विषयों को बढ़ाने का विकल्प है और नकारात्मक संकेत के साथ अपना करियर शुरू करने से बचें।

पार्ट टाइम कोर्स के फायदे

आप काम या अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ अकादमिक अध्ययन को संयोजित करना चाह सकते हैं, और इसलिए अपनी डिग्री खत्म करने में अधिक समय लेते हैं। यदि आप पेशेवर रूप से संबंधित डिग्री का अध्ययन कर रहे हैं, तो यह काम और अध्ययन को संयोजित करने के लिए आपके लाभ के लिए हो सकता है; आपके पेशेवर जीवन में प्राप्त अनुभव आपके शैक्षणिक विकास में गहराई और प्रासंगिकता जोड़ेंगे। कुछ सिखाए गए कार्यक्रम, विशेष रूप से पेशेवर उन्मुख, केवल अंशकालिक अध्ययन द्वारा उपलब्ध हैं।

पार्ट टाइम कोर्स का नुकसान

सामाजिक अलगाव

अंशकालिक छात्र होने की एक बड़ी खामी अन्य शिक्षार्थियों के साथ सामाजिक संपर्क से गायब है। इसमें व्यक्तिगत लाभ शामिल हो सकते हैं, जैसे कि नए दोस्त बनाना, साथ ही कुशल व्यक्ति, जैसे कि आपके क्षेत्र में अन्य छात्रों और शिक्षकों के साथ नए संपर्क बनाना।

व्यस्त जीवन शैली

अंशकालिक छात्रों को अक्सर एक नौकरी के रूप में एक और, पूर्णकालिक प्रतिबद्धता के साथ अपनी कक्षा अनुसूची को टटोलने के लिए मजबूर किया जाता है। यह एक बेहद पैक शेड्यूल के लिए बनाया जा सकता है, जिसमें सामाजिक जीवन के लिए बहुत कम समय मिलता है। जब तक छात्र बेहद केंद्रित नहीं होता, तब तक वह अध्ययन और उसकी अन्य गतिविधि दोनों में अपनी प्रभावशीलता को सीमित कर सकता है।

हद

नेशनल सेंटर फॉर एजुकेशन स्टेटिस्टिक्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, अंशकालिक छात्रों की जांच करने वाले, अंशकालिक छात्रों को पूर्णकालिक छात्रों की तुलना में स्नातक होने की संभावना कम होती है। पूर्णकालिक छात्रों के बीच, 73त्न अंशकालिक छात्रों की तुलना में केवल 28 प्रतिशत डिग्री या प्रमाण पत्र के बिना बाहर हो गए थे।

स्नातक करने के लिए अवधि

एक पूर्णकालिक छात्र की तुलना में स्नातक होने के लिए एक अंशकालिक छात्र के लिए हमेशा समान पाठ्यक्रम लोड को पूरा करने में अधिक समय लगेगा। उदाहरण के लिए, यदि एक पूर्णकालिक छात्र चार सेमेस्टर और चार साल में स्नातक की उपाधि लेता है, तो वह एक अंशकालिक छात्र को उससे अधिक साल में ले जाएगा, जो आठ साल की कई कक्षाओं लेगा। यह करियर की प्रगति में देरी का कारण बन सकता है जो एक डिग्री अपने प्राप्तकर्ता पर निर्भर करता है।

कर लाभ

आयकर विभाग छात्रों को उनके आयकर भुगतान से अधिकांश शैक्षिक खर्चों में कटौती करने की अनुमति देता है। हालांकि, पूर्णकालिक छात्रों को इस तरह की कटौती का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अंशकालिक छात्रों को कटौती में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका ट्यूशन आपके नियोक्ता द्वारा प्रतिपूर्ति की जा रही है, तो वर्गों को आय का एक रूप माना जा सकता है और इस तरह का कर लगाया जाना चाहिए। कटौती के बारे में सुझाव देने के लिए आपका कर सलाहकार सबसे अच्छा अधिकार है।

सीमित विकल्प

सभी कार्यक्रम अंशकालिक छात्रों को स्वीकार नहीं करते हैं। यह विशेष रूप से सच है अगर एक कोर्स के लिए लैब घंटे की आवश्यकता होती है इसलिए, अंशकालिक छात्रों के पास भाग लेने के लिए कार्यक्रमों का एक छोटा सा पूल होता है, जो वे प्राप्त कर सकते हैं शिक्षा के प्रकार के लिए अपने विकल्पों को सीमित करते हैं। हालांकि, पार्ट टाइम कोर्स में भाग लेने के लिए संभावनाएं असीम हैं।

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। आप इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लाखों रुपए कमा सकते हैं।

इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन कॅरियर को दें नई दिशा

आज के समय में इंटरनेट का इस्तेमाल तो सभी लोग करते हैं, लेकिन अगर सोच-समझकर इंटरनेट का इस्तेमाल किया जाए। तो यह कमाई का एक बेहतरीन जरिया बन सकता है। हांलाकि आपने भी देखा होगा कि आज के समय में बहुत से लोग सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के तौर खूब शोहरत हासिल कर रहे हैं। वहीं इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर बन लोग लाखों कमा रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि इसमें अपना कॅरियर बना शानदार कमाई कर सकते हैं। वर्तमान समय में अपनी नौकरी के साथ लोग सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी काफी अच्छे से हैंडल कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर अच्छी रीच और ज्यादा एक्टिव रहने वाले अकाउंट्स को ब्रांड प्रमोशन आदि को अच्छा खासा-पैसा मिलता है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर के तौर पर आप अपने कॅरियर की शुरूआत कैसे करें।

टाइम मैनेजमेंट है जरूरी

जब भी आप नौकरी करते हैं, तो इसमें आपके काम करने का रूटीन फिक्स होता है। लेकिन जब बात सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर की होती है, तो इसमें आपको अपने काम की सीमा खुद तय करनी होती है। फोन व लैपटॉप के जरिए आपको अपना काम करना होता है। ऐसे में आपको भी अपने काम की सीमा खुद तय करनी होगी। जिससे कि आप सोशल मीडिया के अलावा अन्य कामों को भी पर्याप्त समय दे सकें।

फिक्स्ड इनकम

जब आप कोई नौकरी करते हैं, तो हर महीने के आखिरी में आपके बैंक अकाउंट में एक फिक्स्ड इनकम आ जाती है। लेकिन बतौर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आपको कोई फिक्स्ड सैलरी नहीं मिलती है। आपकी इनकम ब्रांड प्रमोशन आदि पर निर्भर करती है। इसलिए शुरूआत में आपको नौकरी के साथ इस काम को करना चाहिए। ताकि आपका खर्चा आसानी से चलता रहे। वहीं सोशल मीडिया पर हर इंफ्लुएंसर का एक-दूसरे से अलग होना जरूरी है। इसलिए आपको ओरिजिनल आइडिया पर काम करने के साथ एडिटिंग आदि भी सीखनी चाहिए।

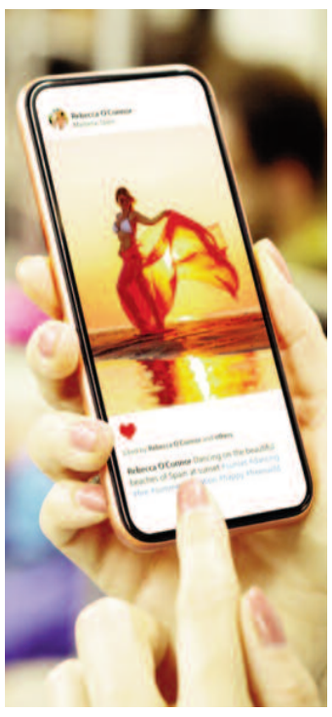

संक्षिप्त समाचार

कृषि मंत्रालय का संकेत: चने के उत्पादन को लेकर कोई चिंता नहीं

किसानों से एमएसपी पर खरीद शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कीमतों पर नियंत्रण रखने और अपनी कल्याणकारी योजनाओं के तहत वितरण करने की मंशा रखने वाले राज्यों की मांग को पूरा करने के लिहाज से बफर स्टॉक बनाने के लिएकिसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर चना खरीदना शुरू कर दिया है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने मंगलवार को कहा, कृषि मंत्रालय ने

संकेत दिया है कि चने की पैदावार बरकरार है। फिलहाल, उत्पादन को लेकर कोई चिंता नहीं है। रबी विपणन सत्र 2024-25 के लिए चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,440 रुपये प्रति क्विंटल है।

बफर स्टॉक से अब 16 राज्य खरीद रहे चना- सचिव ने कहा, चने की फसल की आवक बढ़ने से मंडी की कीमतें नरम हो गई हैं और एमएसपी स्तर पर पहुंच गई हैं। हमने अभी खरीद अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा, अपनी कल्याणकारी योजनाओं के जरिये वितरण के लिए राज्यों से चने की मांग बढ़ने के साथ अब बफर स्टॉक पर दबाव है। पहले 3-4 राज्य ही कल्याणकारी योजनाओं के लिए बफर स्टॉक से चना लेते थे। अब, 16 राज्य सरकारें पोषण सुरक्षा के लिए बफर स्टॉक से चना खरीद रही हैं।कर्नाटक, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश जैसे चार और राज्यों ने चने के लिए अनुरोध किया है। 15 अप्रैल से स्टॉक की जानकारी दें व्यापारी केंद्र ने राज्यों को जमाखोरी रोकने का निर्देश दिया है।

भारत सबसे तेजी से बढ़ता बाजार, 2024-26 में 25 प्रतिशत राजस्व वृद्धि की उम्मीद: ब्रिजस्टोन

नईदिल्ली, एजेंसी। जापान की टायर विनिर्माण कंपनी ब्रिजस्टोन को भारत में 2024 से 2026 के बीच राजस्व में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। भारत कंपनी का वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है। ब्रिजस्टोन इंडिया के प्रबंध निदेशक हिरोशी योशिज़ेन ने कहा, ''आज हमारे कुल वैश्विक खंड में से (भारत में) व्यवसाय का आकार सीमित है। हालांकि, यह वैश्विक स्तर पर हमारा सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है। इसलिए भारत में

रणनीतिक तौर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ब्रिजस्टोन पहले से ही भारत में यात्री वाहन टायर के 'आफ्टरमार्केट खंड में करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है और कंपनी का लक्ष्य अपनी स्थिति को और मजबूत करना है। ब्रिजस्टोन में भारत के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राजर्षि मोइत्रा ने भारत में वृद्धि के बारे में पूछे जाने पर ब्रिजस्टोन इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी राजर्षि मोइत्रा ने कहा, ''पिछले साल (2023) हमारा राजस्व नौ प्रतिशत बढ़ा और 2024 से 2026 के बीच हमें अपना राजस्व कुल 25 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

भारतीय संस्थापकों ने देश से ज्यादा देश के बाहर बनाए यूनिकॉर्न

नईदिल्ली, एजेंसी। 2000 के दशक में स्थापित दुनिया के स्टार्ट-अप की रैंकिंग ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2024 के अनुसार, भारतीयों ने किसी भी अन्य देश की तुलना में देश के बाद अधिक यूनिकॉर्न की स्थापना की है। भारतीयों ने भारत के बाहर 109 यूनिकॉर्न की सह-स्थापना की है, जबकि भारत में 67 यूनिकॉर्न हैं।

यूनिकॉर्न मूल रूप से कम से कम एक अरब डॉलर या उससे अधिक के स्टार्टअप हैं और अभी तक सार्वजनिक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं। हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 67 यूनिकॉर्न के साथ विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर रखा गया है। इनमें ऑन-डिमांड डिलीवरी स्टार्ट-अप स्विगी और फैंटेसी स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म ड्रीम 11 शीर्ष पर हैं और इनका वैल्यूएशन आठ-आठ अरब अमरीकी डॉलर है। इसके बाद रेजरपे का नंबर आता है जिसकी मार्केट वैल्यू 7.5 अरब अमरीकी डॉलर है।

रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय संस्थापकों ने किसी भी अन्य देश की तुलना में देश के बाद अधिक यूनिकॉर्न की स्थापना की। भारत के बाहर 109 यूनिकॉर्न की सह-स्थापना की गई, जबकि भारत में 67 यूनिकॉर्न बने। इंडेक्स के अनुसार भारत के बाहर स्थापित यूनिकॉर्न में से उल्लेखनीय रूप से 95 अमेरिका में हैं। वहीं, ब्रिटेन में चार, सिंगापुर में तीन और जर्मनी में दो यूनिकॉर्न स्थापित किए गए हैं। अमेरिका और चीन के बाद यूनिकॉर्न के लिए सबसे सक्रिय शहर लंदन रहा, इसके बाद बेंगलुरु, पेरिस और बर्लिन का नंबर है। रिपोर्ट के अनुसार, टाइगर ग्लोबल, सॉफ्टबैंक और होंगशान के नेतृत्व में दुनिया के सबसे सफल यूनिकॉर्न निवेशकों ने स्टार्टअप और रणनीतिक निवेश के बीच सहजीवी (एक दूसरे पर निर्भर) संबंधों पर प्रकाश डाला। स्टार्टअप में निवेश पर रिपोर्ट

में कहा गया है कि वर्ष 2024 में नए यूनिकॉर्न निवेश में मंदी देखी गई है, खासकर 2021 के सुनहरे दिनों की तुलना में क्योंकि हाल के वर्षों में निवेशकों के लिए निवेश के बाद बाहर निकलना कठिन हो गया है। अमेरिका, भारत और ब्रिटेन में रिकॉर्ड तोड़ने वाले शेयर बाजारों में पर्याप्त यूनिकॉर्न आईपीओ नहीं आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के यूनिकॉर्न की यह सूची व्यक्तियों को नए क्षेत्रों में मूल्य सृजन करने और देशों और शहरों को उनकी भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए यूनिकॉर्न के महत्व को पहचानने के लिए प्रेरित कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, हां, कुछ असफल हो जाएंगे, और जब ऐसा होता है तो पर बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान उस पर जाता है, जैसा कि भारत में ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म बायजू के मामले में मीडिया हाइप दिख रही है। पर इसके बावजूद यूनिकॉर्न को नई अर्थव्यवस्था के लिए स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है।

दुनिया के 53 देशों में यूनिकॉर्न हैं आते हैं, पिछले साल यूनिकॉर्न वाले देशों की संख्या 48 थी। दुनिया के यूनिकॉर्न 291 शहरों में फैले हुए हैं, पिछले वर्ष यह संख्या 271 थी। अमेरिका 703 यूनिकॉर्न के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद चीन का नंबर है जहां 340 यूनिकॉर्न हैं। हुरुन के अनुसार दुनिया भर में 1,453 यूनिकॉर्न हैं, जो एक नया विश्व रिकॉर्ड है और पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 7 प्रतिशत या 92 यूनिकॉर्न की बढ़ोतरी हुई है।

एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर अपने ग्राहकों के लिए लेकर आया है जोरदार एंटरटेनमेंट का धमाका ऑफर

पाइए 20+ ओटीटी सेवाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। मनोरंजन और मानव समाज का नाता बहुत ही पुराना रहा है। आदिकाल से ही लोग अपने व्यस्तता भरे जीवन में से कुछ पल मनोरंजन के लिए निकाल ही लेते थे, ताकि वो समाज में उपलब्ध मनोरंजन के साधनों का लाभ उठाकर अपने जीवन को सुंदर, सुरस और आनंदमय बना सकें। बीते कई वर्षों में भले ही मनोरंजन के साधनों में बदलाव आए हैं, लेकिन इस बदलाव के बीच मानव और उसका मनोरंजन के प्रति लगाव काफी बढ़ा है। बदलते मॉर्डन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ लोगों की जीवनशैली भी काफी तेजी से बदल रही है। आज के समय में वो हाई स्पीड इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करते हुए, मनोरंजन के लिए उपलब्ध कई सारे शानदार विकल्पों का लाभ उठा रहे हैं। आज कल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के चलते लोगों को अपनी पसंद का कोई ना कोई साधन मिल ही जाता है। जिस वजह से लोग कई तरह के ओटीटी प्लेटफार्म के सब्सक्रिप्शन लेने के लिए भी काफी सजग रहते है। लोगों की इसी दिलचस्पी को समझते हुए एयरटेल एक्सस्ट्रीम फाइबर लेकर आया है एक शानदार ऑफर, जिसमें लोगों को बेहतरीन हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा के साथ मिलता है अनलिमिटेड मनोरंजन का शानदार ऑफर, जिसमें उन्हें 20 से ज्यादा ओटीटी प्लेटफॉर्म्स और 350+ टीवी चैनल्स का सब्सक्रिप्शन पैकेज मिलता है। जिसके तहत आप घर बैठे आनंद ले सकते हैं, अपने फेवरेट मूवीज, टीवी शोज का। इस एक्सेस के जरिए अब आप नेटफ्लिक्स की मर्डर मुबारक हो या सोनीलिव का बहुचर्चित शो स्कैम 2003- द तेलगी स्टोरी आदि का लुफ्त उठा सकते हैं।

क्या है एयरटेल एक्सस्ट्रीम एंटरटेनमेंट ब्रॉडबैंड प्लान ?- एयरटेल एक्सस्ट्रीम एंटरटेनमेंट ब्रॉडबैंड प्लान अपने ग्राहकों को 1 जीबीपीएस तक की बेहतरीन इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। साथ ही इस प्लान के तहत ग्राहकों को अनलिमिटेड वॉयस कॉल, विंक म्यूजिक, डिज्नी प्लस हॉटस्टार, अमेजन प्राइम, अपोलो 24म7 सब्सक्रिप्शन, वीआईपी सेवा और एयरटेल एक्सस्ट्रीम प्रीमियम की सदस्यता भी मिलती हैं।

सौंदर्य-कार उत्पादन से जुड़ीं कंपनियां

जलवायु परिवर्तन रोकने में नहीं कर रहीं सहयोग

नईदिल्ली, एजेंसी। फैशन और शीर्ष सौंदर्य ब्रांड वाली कंपनियां जलवायु परिवर्तन को रोकने में सहयोग नहीं कर रही हैं। गैर-लाभकारी शोध समूह 'न्यूक्लाइमेट इंस्टिट्यूट' और 'कार्बन मार्किट वॉच' ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि ये कंपनियां जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए आवश्यक गति से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम नहीं कर रही हैं। कई कंपनियां तो निरंतरता को बढ़ावा देने के अपने वादों को बढ़ा चढ़ा कर बता रही हैं। एचएंडएम, नेस्ले और टोयोटा जैसी जानी-मानी कंपनियां इस सूची में शामिल हैं। कुल 51 कंपनियां 2022 में 16 फीसदी वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2015 के पेरिस समझौते के तहत वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रोक कर रखने में इनकी कोशिशें गंभीर रूप से अपर्याप्त हैं। हालांकि, 2030 के जलवायु संकल्पों को लेकर कंपनियों की सामूहिक महत्वाकांक्षा में पिछले दो सालों में धीरे-धीरे सुधार हुआ है। अधिकांश कंपनियां अभी भी उत्सर्जन में उतनी कमी नहीं कर पा रही हैं जितनी जरूरत है।

वैश्विक उत्सर्जन को 2030 तक 43 प्रतिशत घटाने की जरूरत होगी

संयुक्त राष्ट्र के जलवायु वैज्ञानिकों के मुताबिक पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वैश्विक उत्सर्जन को 2030 तक 43 फीसदी घटाने की जरूरत होगी। लेकिन ये कंपनियां अपने मौजूदा संकल्पों के मुताबिक उस अवधि तक अपने उत्सर्जन में सिर्फ 33 फीसदी की कटौती कर पाएंगी।

कॉरपोरेट सेक्टर में बढ़ी मांग- रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कॉरपोरेट सेक्टर से कार्बन क्रेडिट (कार्बन डाइऑक्साइड या अन्य ग्रीनहाउस गैसों को छोड़ने की अनुमति) के जरिये जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने में लचीलेपन की मांग बढ़ रही है। कार्बन क्रेडिट के जरिये कंपनियां अपने उत्सर्जन की भरपाई के लिए ऐसे किसी प्रोजेक्ट में पैसा लगा सकती हैं, जो उत्सर्जन को कम करता हो। इसमें जंगलों का संरक्षण जैसे विकल्प भी शामिल है।

कंपनियों की दलील- कुछ कंपनियों ने अपनी दलील पेश करते हुए कहा कि उन्होंने 2019 के मुकाबले 2023 में अपने उत्सर्जन में 22 फीसदी की कटौती है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कंपनियां अन्य से बेहतर कर रही हैं। उदाहरण के लिए फ्रांसीसी खाद्य कंपनी 'दानोन' का कहना है कि वह ताजे दूध के उत्पादन से मीथेन के उत्सर्जन की मात्रा को महत्वपूर्ण रूप से कम करेगी। साथ ही प्लांट-आधारित उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाएगी।

देश में चार साल में पहली बार घटी यूनिकॉर्न की संख्या

नईदिल्ली, एजेंसी। देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है। इसके बावजूद भारत ने दुनियाभर ने यूनिकॉर्न का तीसरा सबसे बड़ा केंद्र होने का रुतबा कायम रखा है।

एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली स्टार्टअप कंपनियों को यूनिकॉर्न कहा जाता है। हुरुन की मंगलवार को जारी वैश्विक यूनिकॉर्न सूचकांक-2024 के मुताबिक, ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच स्विगी और फैंटेसी गेमिंग फर्म ड्रीम11 भारत की सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका मूल्यांकन आठ-आठ अरब डॉलर है। इनके बाद रेजरपे का स्थान आता है, जिसका मूल्यांकन 7.5 अरब डॉलर है। हालांकि, भारत की दो अग्रणी यूनिकॉर्न स्विगी और ड्रीम11 वैश्विक स्तर पर सूची में 83वें स्थान हैं। शीर्ष वैश्विक यूनिकॉर्न सूची में रेजरपे 94वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, 703 यूनिकॉर्न के साथ अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर काबिज चीन में 340 यूनिकॉर्न हैं। यूके 53 यूनिकॉर्न के साथ दुनिया में चौथे स्थान पर है।

बायजू श्रेणी से बाहर, मूल्यांकन में भारी गिरावट- शिक्षा प्रौद्योगिकी फर्म बायजू अब यूनिकॉर्न की श्रेणी से बाहर हो गई है। एक साल पहले उसका मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से अधिक था, जो अब भारी गिरावट के साथ एक अरब डॉलर से भी कम हो चुका है। बायजू के मूल्यांकन में आई इस कमी ने उसे दुनिया के किसी भी स्टार्टअप के मुकाबले सबसे बड़ी गिरावट वाली फर्म बना दिया है। हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रूपर्ट हुगेवर्फ ने कहा, कुछ स्टार्टअप वास्तव में नाकाम हो जाते हैं। इस दौरान वे बड़े पैमाने पर मीडिया का ध्यान भी आकर्षित करते हैं। हालांकि, ऐसी कंपनियां अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एआई क्षेत्र में भारत की प्रगति- भारत ने अपना पहला एआई यूनिकॉर्न क्रूटिम खड़ा किया है। एआई इनोवेशन में भारत

अब भी अमेरिका और चीन से काफी पीछे है। अमेरिका में 60 और चीन में 37 एआई यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। हुरुन इंडिया के मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने कहा, यह स्थिति भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी- जुनैद ने कहा, 1,453 यूनिकॉर्न की सूची में भारतीय कंपनियों की संख्या में कुल गिरावट शेयर सूचकांकों पर अच्छे लाभ के बावजूद स्टार्टअप क्षेत्र में निवेश की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, देश के बाहर कंपनी शुरू करने की प्रवृत्ति ने भी भारत के लिए संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। भारत के फर्म संस्थापकों ने विदेश में 109 यूनिकॉर्न शुरू किए, जबकि देश के भीतर उनकी संख्या 67 है।

45 फीसदी बढ़ा मूल्यांकन- दुनिया के शीर्ष-10 यूनिकॉर्न में से आठ चीन और अमेरिका से हैं। ऑस्ट्रेलिया और माल्टा से एक-एक यूनिकॉर्न इस सूची में शामिल हैं। इन 10 यूनिकॉर्न का मूल्यांकन 198 अरब डॉलर है।

सीमेंट की कीमत बढ़ने से सस्ते मकानों की घट सकती है मांग

इन्फा प्रोजेक्ट भी होंगे प्रभावित

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर में सीमेंट की कीमतें बढ़ने से किफायती यानी सस्ते मकानों के निर्माण में बाधा आ सकती है। साथ ही, ग्राहकों को आवासीय संपत्तियां खरीदने के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।इससे मकानों की बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है। रियल एस्टेट उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किफायती मकानों के निर्माण में पहले से ही धीमापन है। अब सीमेंट के दाम बढ़ने से खुदरा ग्राहकों की खरीदारी, बड़े पैमाने पर निर्माणपरियोजनाएं और बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते हैं। आने वाले समय में इसका असर रियल एस्टेट उद्योग पर दिखेगा।

- **बिल्डर कर सकते हैं बजट का पुनर्मूल्यांकन-** सीमेंट की कीमतें बढ़ने से बिल्डरों को अपने बजट का पुनर्मूल्यांकन करने की जरूरत पड़ सकती है क्योंकि दाम बढ़ने से निर्माण लागत पर 4 से 5 रुपये का असर पड़ता है। ऐसे में वे अपने प्रोजेक्ट की संभावित कीमत में इसे जोड़ सकते हैं।
- **भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक-** भारत दुनिया में सीमेंट का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। वैश्विक स्थापित क्षमता में इसका हिस्सा 8 फीसदी से अधिक है। क्रिसिल रेटिंग के मुताबिक, मकानों और इन्फा गतिविधियों पर खर्च से घरेलू सीमेंट उद्योग ने 2023-24 में 8 करोड़ टन सीमेंट की क्षमता जोड़ी है। यह पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। वित्त वर्ष 2027 तक सीमेंट खपत 45 करोड़ टन तक पहुंच सकती है।

सीमेंट की कीमतें पिछले सप्ताह उत्तरी भारत में 10-15 रुपये, मध्य भारत में 30-40 रुपये और पश्चिमी भारत में 20 रुपये प्रति बोरी की दर से बढ़ी हैं। उद्योग के मुताबिक, कमजोर मांग से पिछले पांच महीने में सीमेंट की कीमतें घटीं थीं। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के चेयरमैन निरंजन हीरानंदानी ने कहा, सस्ते मकानों की मांग पहले से ही कमजोर है।

टिकटों की मांग बढ़ने से हवाई किराये 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़े

नईदिल्ली, एजेंसी। हवाई यात्रियों को गर्मियों में घरेलू उड़ानों के लिए अधिकद किराये भुगतान करना होगा। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और यात्री

मांग में मजबूती बने रहने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी पहले ही हो चुकी है। उद्योग विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग मांग के अनुरूप क्षमता बढ़ाने में कई चुनौतियों से जूझ रहा है। यहां तक कि घरेलू मार्गों पर बड़े विमानों का उपयोग भी कर रहा है।

इस दौरान टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन की सौ से अधिक उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया पहले ही बढ़ चुका है। पायलटों की नाराजगी का सामना कर रही एयरलाइन ने प्रतिदिन 25-30 उड़ानों यानी अपनी कुल क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के एक विश्लेषण से पता चला है कि एक से सात मार्च की अवधि की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक चढ़ गया। इस अवधि में दिल्ली-बेंगलुरु उड़ानों के लिए एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि दिल्ली-श्रीनगर उड़ानों के लिए इसमें 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। विश्लेषण के मुताबिक, दिल्ली-मुंबई उड़ान सेवाओं के मामले में किराया वृद्धि 12 प्रतिशत और मुंबई-दिल्ली सेवाओं के मामले में आठ प्रतिशत थी। ट्रैवल पोर्टल यात्रा ऑनलाइन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (विमान एवं होटल कारोबार) भरत मलिक ने कहा कि मौजूदा ग्रीष्मकालीन उड़ान कार्यक्रम में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों को शामिल करते हुए अनुमानित औसत हवाई किराया 20-25 प्रतिशत के बीच बढ़ने का अनुमान है। मलिक ने कहा, विस्तारा की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती के फैसले ने प्रमुख घरेलू मार्गों पर टिकट की कीमतों को प्रभावित किया है। हमने किराये में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। दिल्ली-गोवा, दिल्ली-कोच्चि, दिल्ली-जम्मू और दिल्ली-श्रीनगर जैसे प्रमुख मार्गों पर कीमतें लगभग 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि बढ़े हुए हवाई किराये का एक प्रमुख कारण विस्तारा की ओर से उड़ान संचालन में कटौती है। इसके अलावा ईंधन की बढ़ती लागत के साथ ग्रीष्मकालीन यात्रा की बढ़ती मांग ने भी किराया बढ़ाने में भूमिका निभाई है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स में वरिष्ठ निदेशक और वैश्विक प्रमुख (परिवहन एवं लॉजिस्टिक) जगन नारायण पद्मनाभन ने कहा, ''व्यस्त मौसम आते ही किराया पांच-सात प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

नितीश रेड्डी ने आईपीएल में किया बड़ा कारनामा

- अब तक कोई भी खिलाड़ी 20 साल की उम्र में नहीं कर सका ऐसा

मोहाली, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने 9 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले को 2 रनों से अपने नाम किया। इस मैच में हैदराबाद टीम की जीत के हीरो 20 साल 319 दिन की उम्र के खिलाड़ी नितीश रेड्डी रहे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 182 रन बनाए थे। एक समय हैदराबाद ने 64 के स्कोर तक अपने 4 अहम विकेट गंवा दिए थे, यहां से नितीश रेड्डी ने एक छोर से टीम की पारी को संभालने के

साथ रन बनाने की गति को बरकरार रखा, जिसे एक समय जो स्कोर 150 से 160 रनों की बीच सिमटता हुआ दिख रहा था वह रेड्डी की पारी की वजह से 182 तक पहुंच सका। हैदराबाद ने बाद में इस मुकाबले को 2 रनों से अपने नाम भी किया। वहीं नितीश रेड्डी ने भी एक बड़ा कारनामा अपने इस प्रदर्शन के दम पर कर दिया जो अब तक आईपीएल के इतिहास में कोई भी खिलाड़ी करने में कामयाब नहीं हो सका था।

ऋषभ पंत को मिल सकती है स्क्वाड में जगह, जानें कब होगा टीम का ऐलान

टी-20 वर्ल्ड कप : वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जल्द ही बीसीसीआई अपनी टीम का ऐलान करेगी. संभावना जताई जा रही है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में शामिल किया जा सकता है.भारत में सभी के ऊपर अभी आईपीएल का बुखार चढ़ा हुआ है. चौक-चौराहा, गली- मोहल्ला में खेड़े सभी क्रिकेट प्रेमी अपनी टीम और अपने पसंदीदा खिलाड़ी का समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं.

बता दें, आईपीएल 2024 सीजन के समाप्त होने के बाद एक और महासंग्राम देखने को मिलेगा. आपकी जानकारी के लिए बता दें, आईपीएल के बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 शुरू होने वाला है. जिसे लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गई है. टी20 वर्ल्ड कप 2024 को लेकर जल्द ही बीसीसीआई अपनी टीम का ऐलान करेगी. संभावना जताई जा रही है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्ड कप 2024 टीम में शामिल किया जा सकता है. बता दें कि 30 दिसंबर 2022 की रात को ऋषभ पंत कार एक्सीडेंट का शिकार हुए थे. इसके बाद वो लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे. मगर अब उन्होंने आईपीएल से वापसी की और विपक्षी टीम पर जमकर बरस भी रहे हैं. आईपीएल 2024 के बीच में सूत्रों के हवाले से ये खबर निकल के सामने आ रही है कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ऋषभ पंत को भी भारतीय टीम का हिस्सा बनाया जा सकता है. चोट से उभरने के बाद अच्छे लय में आ रहे हैं. उन्होंने दिल्ली के तरफ से खेलते हुए आईपीएल 2024 सीजन में दो अर्धशतक भी जड़ा है.

कैंडिडेट्स शतरंज

गुकेश व प्रगनानंदा का अब तक का सफर रहा शानदार

आनंद भी दोनों के प्रदर्शन से हुए प्रभावित

टोरंटो, एजेंसी। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद का मानना है कि कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले विश्राम दिवस तक भारतीय खिलाड़ी डी गुकेश और आर प्रगनानंदा ने शुरुआती तूफान का सामना आश्चर्यजनक रूप से बेहतर ढंग से किया है। टूर्नामेंट से पहले भारतीय खिलाड़ी दावेदार नहीं माने जा रहे थे, लेकिन गुकेश (2.5) और प्रगनानंदा (2) ने अब तक टूर्नामेंट में अपनी पकड़ बनाए रखी है। हालांकि, नाकामुरा को हराकर दावेदार बने विदित गुजराती (1.5) के बारे में ऐसा नहीं है। वह लगातार दो हार के बाद पिछड़ गए हैं।

प्रगनानंदा के साथ मौजूद हैं उनकी मां

पिछले दो बार के कैंडिडेट्स विजेता फिडे के झंडे तले खेल रहे रूस के नेपोमिनयाच्ची चार दौर के बाद तीन अंक लेकर बढ़त पर हैं। अभी 10 दौर और बाकी हैं। नेपोमनियाच्ची अगर तीसरी बार जीतते हैं तो लगातार तीन खिताब जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी होंगे। प्रगनानंदा के साथ टूर्नामेंट में उनकी मां नागलक्ष्मी भी आई हुई हैं। प्रगनानंदा कहते हैं कि आपके साथ कमरे में किसी का होना महत्वपूर्ण है। यह उस वक्त और महत्वपूर्ण हो जाता है जब आप हारते हैं। मैं उनके सहयोग के लिए उनका आभारी हूं।

हंपी दौड़ से बाहर नहीं- देश के दूसरे ग्रैंड मास्टर दिब्येंदु बरुआ ने कहा- मैं कोनेरू हंपी को चौथे दौर में हार के बावजूद दौड़ से बाहर नहीं मानता हूं। उनके पास जीतने की काबलियत और इच्छाशक्ति दोनों हैं। विदित भी वापसी करने में सक्षम हैं और गुकेश स्कोर कर सकते हैं।

भारतीय तिकड़ी के पास मौका- देश के तीसरे ग्रैंड मास्टर प्रवीण थिप्से ने कहा- नाकामुरा अपने आपको प्रेरित नहीं कर पा रहे हैं, जिसके चलते भारतीय तिकड़ी और नेपोमनियाच्ची, कारुआना के पास मौका है।

नीतीश कुमार रेड्डी के हरफ़नमौला प्रदर्शन के कायल हुए पैट कमिंस

मुल्लांपुर (मोहाली) एजेंसी। मंगलवार शाम पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ आईपीएल मैच में सनराइज़र्स हैदराबाद के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने 37 गेंदों में 64 रन की पारी खेली और अपनी टीम को 64/4 के स्कोर से 182/9 के स्कोर तक पहुंचाया। बाद में उन्होंने जितेश शर्मा का महत्वपूर्ण विकेट भी प्राप्त किया। नीतीश का यह ऑलराउंड प्रदर्शन ही मैच का मुख्य अंतर साबित हुआ। मैच के बाद नीतीश के कप्तान पैट कमिंस ने नीतीश के प्रदर्शन की खूब सराहना की। कमिंस ने मैच के बाद कहा, उन्होंने बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन किया। शीर्ष क्रम में बल्लेबाज़ी, अच्छी फ़ील्डिंग और तीन ओवर गेंदबाज़ी, उनके कारण ही हम 180 के स्कोर के ऊपर पहुंचने में सफल रहें। नीतीश की इस पारी में चार चौके और पांच छक्के आए। मैच के बाद उन्होंने कहा, मेरा प्रदर्शन टीम में योगदान के लिए था। मैं लगातार खुद से बात किए जा रहा था कि मुझे खुद पर भरोसा रखना है और टीम के लिए वहां खड़ा रहना है। उनके तेज़ गेंदबाज़ अच्छी गेंदबाज़ी कर रहे थे, तो मैं उन पर कोई मौक़ा नहीं लेना चाह रहा था। लेकिन जब उनके स्पिनर्स आएं तो मैंने उन पर आक्रमण किया। पंजाब के कप्तान शिखर धवन ने इस हार का ठीकरा शीर्षक्रम की बल्लेबाज़ी पर फोड़ा। एक समय पंजाब का स्कोर पांच ओवर में 20 रन पर तीन विकेट था और जॉनी बेयरस्टो, धवन और प्रभसिमरन सिंह जैसे बल्लेबाज़ पवेलियन थे। बाद में पिछले मैच के हीरो शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा ने सातवें विकेट के लिए 27 गेंदों में 66 रनों की साझेदारी की और अपनी टीम को लक्ष्य के क़रीब ले गए। हालांकि उनका ये प्रयास नाकाफ़ी था और पंजाब की टीम को दो रनों से हार मिली। धवन ने कहा, शशांक और आशुतोष ने बेहतरीन पारियां खेलीं। मुझे लगता है कि हमने उनको एक अच्छे स्कोर पर रोका था। हालांकि हमने अच्छी बल्लेबाज़ी नहीं की और मैच हार गए। हम उनको 10-15 रन और कम पर रोक सकते थे। यह भी मैच का एक अंतर साबित हुआ। हालांकि शशांक और आशुतोष के प्रदर्शन से हमें अगले मैच के लिए आत्मविश्वास मिला है। हमें कुछ क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर सुधार करना होगा।

फेडरर को पीछे छोड़ जोकोविच दुनिया के सबसे उम्रदराज नंबर-एक बने

टेनिस: युगल में बोपन्ना के नाम है कीर्तिमान

मोंटे कार्लो (फ्रांस), एजेंसी। जोकोविच कहते हैं कि वह आशा करते हैं कि जल्द ही हम दोनों भारत में कुछ करेंगे। हम वहां खेलेंगे। वह लंबे समय से भारत नहीं गए हैं। यह काफी बड़ा और शानदार देश है। नोवाक जोकोविच ने एक और असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है। उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे उम्रदराज विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल कर लिया है। 36 वर्षीय जोकोविच अगले माह 37 वर्ष के होने वाले हैं और उन्होंने जून, 2018 में सबसे ज्यादा उम्र में नंबर एक बनने वाले फेडरर को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं मोंटे कार्लो में इस वक्त दो खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चर्चा है और ये जोकोविच, रोहन बोपन्ना हैं। टेनिस के पुरुष एकल और युगल में वर्तमान में नंबर एक पदवी सबसे उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम पर है। जोकोविच एकल में तो 44 वर्षीय बोपन्ना युगल में नंबर एक हैं।

मैं और रोहन ओल्ड हैं पर गोल्ड हैं: जोकोविच

एटीपी पर वीडियो पोस्ट में बोपन्ना ने कहा कि अनुभव काफी मायने रखता है, लेकिन जोकोविच का मानना है कि सफलता का सबसे बड़ा मंत्र समर्पण है। बोपन्ना ने कहा कि अनुभव जीतता है और यह यहीं से उन्हें मिला है। जोकोविच ने कहा कि अनुभव के साथ समर्पण और निष्ठा भी मायने रखती है।

रिकॉर्ड 420वें सप्ताह नंबर एक बने नोवाक

इस सोमवार को जोकोविच नंबर एक की पदवी पर 420वें सप्ताह में पहुंच गए। यह भी एक रिकॉर्ड है, जिसे वह पहले तोड़ चुके हैं। फेडरर 310 सप्ताह तक नंबर एक रहे थे। जोकोविच ओपन दौर में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले खिलाड़ी हैं। फेडरर ने पीट सेंप्रास के 14 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा था। राफेल नडाल ने फेडरर के 20 ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड तोड़ा और जोकोविच ने नडाल के 22 ग्रैंड स्लैम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा है। जोकोविच मोंटे कार्लो में अपने नियमित कोच रहे गोरान इवानिसेविच के बिना पहली बार टेनिस कोर्ट पर उतरेंगे। महिलाओं में पोलैंड की इगा स्वियातेक नंबर एक की पदवी पर बरकरार हैं।

मैच के दौरान रोनाल्डो ने खोया आपा

विरोधी खिलाड़ी को मारी कोहनी, रेफरी को दिखाया पंच

नई दिल्ली, एजेंसी। रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। दुनिया के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बड़ी मुसीबत में फंसते नजर आ रहे हैं। रोनाल्डो सऊदी सुपर कप के मुकाबले में अल हिलाल के खिलाफ अपनी टीम अल नासर की हार के दौरान अपना आपा खो बैठे। उन्होंने ना सिर्फ विरोधी टीम के खिलाड़ी को कोहनी मारी, बल्कि मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश भी की। उनकी इस हरकत के कारण उन पर प्रतिबंध भी लग सकता है।

रोनाल्डो को मिला रेड कार्ड- रोनाल्डो की टीम अल नासर की स्थिति अल हिलाल के खिलाफ अच्छी नहीं थी। टीम को इस मुकाबले में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। अल नासर के लिए सादियो माने ने एकमात्र गोल किया। रोनाल्डो इससे काफी निराश थे और मैच के दौरान उन्होंने गुस्से में विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मार दी। उनकी इस हरकत के लिए मैच रेफरी ने तुरंत रोनाल्डो को रेड कार्ड दिखाया। यह पहली बार था जब रोनाल्डो को सऊदी अरब में रेड कार्ड मिला। रोनाल्डो खुद को रेड कार्ड मिलने से नाराज हुए और उन्हें मैच रेफरी को पंच मारने की कोशिश, लेकिन हाथ पीछे खींच

क्यों हुआ विवाद?

मैच के अंतिम क्षणों में जब अल नासर की टीम बराबरी करने की कोशिश में लगी हुई थी, लेकिन टीम को इसमें सफलता नहीं मिल पा रही थी। मैच के 86वें मिनट में रोनाल्डो ने अल हिलाल के डिफेंडर अली अल बुलाही को कोहनी मार दी जिससे विवाद बढ़ गया। रोनाल्डो की इस हरकत पर अल हिलाल के खिलाड़ियों ने रेफरी से कार्रवाई करने की अपील की। 39 साल का यह दिग्गज खिलाड़ी रेफरी का मजाक उड़ाते भी नजर आया। माना जा रहा है कि इसके लिए रोनाल्डो पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने किए हैं सर्वाधिक गोल- रीयल मैड्रिड और मैनचेस्टर युनाइटेड के लिए खेल चुके रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस लीग में 29 गोल किए हैं। अल हिलाल के एलेक्सांद्र मित्रोविच रोनाल्डो से सात गोल पीछे हैं।

रियान पराग में अहंकार था, अभी भी है, लेकिन...

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी का आईपीएल स्टार पर बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में एकमात्र अपराजित टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए जोस बटलर, संजू सैमसन, आर अश्विन, युजवेंद्र चहल, ट्रेंट बोल्ट ने उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन किया है। हालांकि, यहां एक नाम ऐसा है, जिसने हर किसी को हैरत में डाल दिया है। वह हैं रियान पराग। यह ऑलराउंडर इस सीजन में एक अधिक परिपक्व खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जो टीम के लिए एक मैच विनर बन गया है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच के लिए रॉयल्स की तैयारी पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर ब्रैड हॉग ने रियान पराग की खूब प्रशंसा की। हालांकि, उन्होंने साथ ही कहा कि रियान पराग में अहंकार है। एक पॉडकास्ट में हॉग ने बताया कि कि कैसे पराग ने अपनी ऊर्जा को चैनलाइज करना सीखा है और इस साल खुद से अधिक टीम के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- मुझे लगता है राजस्थान रॉयल्स टूर्नामेंट में सबसे संतुलित टीम है। मुझे पसंद है कि उन्होंने अपनी पूरी लाइनअप कैसे सेट की है। अगर संदीप शर्मा भी पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो वह उनके लिए छठे गेंदबाजी विकल्प के रूप में जुड़ सकते हैं।

आशीष नेहरा के साथ स्पेशल क्लब का बने हिस्सा

अर्शदीप सिंह ने टी20 क्रिकेट में पूरे किए 150 विकेट

मोहाली, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 23वें मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से हुआ। इस मैच को सनराइजर्स हैदराबाद ने काफी रोमांचक तरीके से 2 रनों से अपने नाम करने के साथ इस सीजन की तीसरी जीत दर्ज की। वहीं इस मैच में पंजाब किंग्स के कुछ खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जरूर सभी को प्रभावित किया जिसमें एक नाम बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का है, जिन्होंने मैच में अपने 4 ओवरों की गेंदबाजी में 29 रन देने के साथ 4 विकेट हासिल किए। अर्शदीप सिंह ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट भी पूरे कर लिए।

150 विकेट लेने वाले अर्शदीप सिंह बने भारत के चौथे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज- अर्शदीप सिंह के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच से अब तक ये सीजन कुछ खास अच्छा नहीं रहा था, ऐसे में उनपर बेहतर प्रदर्शन करने का भी दबाव था। इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने नई गेंद से कमाल दिखाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को 2 बड़े झटके दिए जिसमें उन्होंने ट्रेविस हेड और एडम मारक्रम को को अपना शिकार बनाया। इसके बाद उन्होंने अब्दुल समद और नितीश रेड्डी को भी अपना शिकार बनाया। अर्शदीप ने इसी के साथ टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट का आंकड़ा भी पार कर लिया। अब वह भारत की तरफ से इस फॉर्मेट में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में ये कारनामा करने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तौर पर सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने के मामले में जयदेव उनादकट पहले स्थान पर हैं, जिन्होंने अब तक 221 विकेट हासिल किए हैं, वहीं इसके बाद इरफान पठान 173 तो वहीं तीसरे स्थान पर 162 विकेट के साथ आशीष नेहरा हैं।

पैट कमिंस के रिकॉर्ड को तोड़ा

अर्शदीप सिंह ने साल 2019 में अपने टी20 करियर का आगाज किया था, जिसके बाद से अब तक वह इस फॉर्मेट में 24 की औसत के साथ 153 विकेट हासिल कर चुके हैं। उनका टी20 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 32 रन देकर 5 विकेट है। अर्शदीप ने इस आंकड़े को पार करने के साथ पैट कमिंस के रिकॉर्ड को भी तोड़ने का काम किया, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने 150 विकेट 134 मैच में पूरे किए थे। वहीं अर्शदीप सिंह के नाम पर आईपीएल में जहां 65 विकेट दर्ज हैं तो उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में 44 मैचों में खेलते हुए 20.87 के औसत से 62 विकेट हासिल किए हैं।

दिलजीत दोसांझ ने कहा...

मैं अक्सर चीट मील ले लेता हूं

अपकमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला में नजर आने वाले अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी रसोई की झलक दिखाते नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि वह अक्सर चीट मील ले लेते हैं, लेकिन उन्हें बाद में पछतावा होता है। बात करते हुए दिलजीत ने कहा, मुझे खाने के लिए ज्यादा व्यवस्था की जरूरत नहीं हैं, मैं सादे तरीके से भी भोजन का आनंद ले सकता हूं।दिलजीत हमेशा सादा खाना पसंद करते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि वह कार्बोहाइड्रेट से परहेज करते हैं, और चावल नहीं खाते। अमर सिंह चमकीला स्टार ने कहा, मैं चावल नहीं खाता। मैं रोजाना दाल खाता हूं। मैं कार्ब्स से परहेज करता हूं। मैं सुबह कार्बोहाइड्रेट लेता हूं और फिर उसके बाद उससे बचने की कोशिश करता हूं। कभी-कभी चार-पांच दिनों के बाद मुझे कुछ खाने की इच्छा हो जाती है और मैं रात में कुछ गलत खा लेता हूं। लवर हिटमेकर ने कहा, फिर मुझे सुबह इसका पछतावा होता है। दिलजीत दोसांझ इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित अपनी अपकमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं।

यह फिल्म एक गायक पर आधारित है, जिसे पंजाब के एल्विस प्रेस्ली का टैग दिया गया था। चमकीला को एक विवादास्पद व्यक्ति माना जाता था। उनके गीतों के विषयों में प्रमुख रूप से महिलाओं का वस्तुकरण, यौन हिंसा, घरेलू हिंसा और शराब शामिल थे। 1988 में चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत कौर की हत्या कर दी गई। अमर सिंह चमकीला एक ड्रामा है, जिसमें दिलजीत ने चमकीला और परिणीति चोपड़ा ने उनकी पत नी की भूमिका निभाई है।यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है।

प्रीति जिंटा ने क्रू को बताया हंसी का पिटारा

करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म क्रू को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो धमाल मचा ही रही है। साथ ही, इसे इंडस्ट्री के लोग भी काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में प्रीति जिंटा का नाम भी जुड़ गया है। हाल ही में अभिनेत्री ने इस फिल्म को देखकर सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। फिल्म की समीक्षा करते हुए प्रीति ने बताया कि क्रू हंसी का पिटारा है। उन्होंने फिल्म के निर्माण और सफलता के लिए पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही, उन्होंने फिल्म की तीनों अभिनेत्रियों को सुपर टैलेंटेड और खूबसूरत भी करार दिया। उन्होंने लिखा, तब्बू, करीना कपूर खान और कृति सेनन की सुपर टैलेंटेड और खूबसूरत तिकड़ी वाली फिल्म क्रू को थिएटर में देखकर बहुत अच्छा लगा। फिल्म के हर एक पल का खूब आनंद लिया। इस फिल्म के लिए पूरी टीम को बधाई। दोस्तों इसे जरूर देखें। यह सचमुच देखने लायक है। इससे पहले अर्जुन कपूर ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म और इसके कलाकारों की प्रशंसा की थी। फिल्म क्रू के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म टिकट खिड़की पर जबर्दस्त कमाई कर रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने 11वें दिन एक करोड़ 75 लाख रुपये का बिजनेस किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई अब 60 करोड़ रुपये हो गई है। तीनों अभिनेत्रियों के अलावा इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं।

संदीप वंगा ने जताई

माइकल जैक्सन की बायोपिक बनाने की इच्छा

संदीप रेड्डी वंगा लोकप्रिय फिल्म निर्माता-निर्देशक हैं। बीते वर्ष फिल्म एनिमल से उन्होंने ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। इससे पहले उन्होंने फिल्म अर्जुन रेड्डी और कबीर सिंहसे लोकप्रियता हासिल की। इस बीच निर्देशक ने ग्लोबल म्यूजिक आइकन माइकल जैक्सन पर बायोपिक बनाने का संकेत दिया है। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान उन्होंने इस पर बात की।

अभिनेता के चयन में उलझे !

संदीप रेड्डी वंगा ने कहा माइकल जैक्सन पर बायोपिक बनाने की इच्छा जाहिर की है। उन्होंने कहा, मैं कभी कभी एक बायोपिक बनाने की सोचता हूं। मैं माइकल जैक्सन की बायोपिक का निर्देशन करना चाहूंगा, लेकिन सवाल ये है कि उनका किरदार कौन निभाएगा? एक्टर कौन होगा?

अगर कोई एक्टर मिलता है तो इसे हॉलीवुड में पेश कर सकते हैं और इसे इंग्लिश में बनाया जा सकता है।

मैं टिकट खरीदूंगा और देखूंगा फिल्म

संदीप रेड्डी वंग ने आगे कहा, माइकल जैक्सन ने बचपन से लेकर अपनी स्कूली शिक्षा तक और किस तरह अपने स्किन कलर को बदला, और किस तरह रहे, यह काफी दिलचस्प है। उनकी जीवन यात्रा काफी शानदार है।

लेकिन, पर्दे पर उसे दिखाने के लिए कौन सही अभिनेता होगा? यह सवाल है। उनकी बायोपिक का आना एक सपना होगा और हर कोई टिकट खरीदेगा। इसका निर्देशन कोई भी करे, मैं फिल्म की टिकट खरीदूंगा और देखूंगा, क्योंकि मैं उनके बारे में जानना चाहता हूं।

एनिमल से भी खतरनाक होगी एनिमल पार्क

फिल्म एनिमल के बाद संदीप रेड्डी वंगा अब एनिमल पार्क के जरिए दर्शकों तक पहुंचेंगे। फिल्म एनिमल की काफी आलोचना हुई थी। इसमें दिखाए गए हिंसक दृश्यों और महिला विरोधी संवाद को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा हुआ था।

कई फिल्मी हस्तियों ने भी फिल्म पर नेगेटिव रिव्यू दिया। हालांकि, वंगा को इससे फर्क नहीं पड़ता। वह पहले ही साफ कर चुके हैं कि एनिमल पार्क फिल्म एनिमल से भी खतरनाक और डार्क होगी।

अरिजीत सिंह के सम्मान में झुके बादशाह

मंच पर छुए गायक के पैर

रैपर और सिंगर बादशाह और अरिजीत सिंह के संगीत के प्रशंसक दीवाने हैं। एक ही मंच पर जब दोनों हों तो क्या ही कहने। ऐसा हाल ही में देखने को मिला। इनके संगीत के साथ-साथ एक और चीज ने दर्शकों का दिल जीत लिया। हुआ यह कि लाइव संगीत समारोह के दौरान बादशाह ने अरिजीत सिंह के पैर छुए। अरिजीत के पैर छूते हुए बादशाह का वीडियो तेजी के साथ इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद नेटिजंस इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

परफॉर्म करने से पहले छुए पैर

यह वीडियो बादशाह और अरिजीत सिंह के एक शाथ थाईलैंड के बैंकॉक में एक संगीत समारोह में परफॉर्म करने के दौरान की है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अरिजीत सोलमेट गाने पर अपनी प्रस्तुति दे रहे थे, तभी बादशाह ने झुककर उनके सम्मान में पैर छू लिए। अरिजीत ने दर्शकों के सामने जैसै ही बादशाह का नाम लेकर उनका परिचय कराया भीड़ उत्साह में जोर-जोर से शोर करने लगी। भीड़ के शोर करते ही बादशाह ने अपनी परफार्मेंस से पहले अरिजीत के प्रति सम्मान दिखाते हुए उनके पैर छू लिए। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हुआ। नेटिजन्स ने बादशाह की सराहना करनी शुरू कर दी।

अरिजीत से बादशाह हैं तीन साल छोटे

नेटिजन्स ने अरिजीत और बादशाह की उम्र पर भी जोर दिया। एक यूजर ने लिखा, बादशाह अरिजीत सिंह से तीन साल बड़े हैं, लेकिन उन्होंने अरिजीत के पैर छुए। उन्होंने उनके पैर नहीं छुए, बल्कि उनका ये करना अरिजीत की कला के लिए उनके सम्मान को दर्शाता है। उम्र मायने नहीं रखती, अनुभव मायने रखता है! वहीं एक प्रशंसक ने लिखा, %पैर धोकर पीने चाहिए थे।

किशोर और रफी से की तुलना

अरिजीत के एक प्रशंसक ने उनकी तुलना मोहम्मद रफी और किशोर कुमार से कर दी। प्रशंसक ने लिखा, अरिजीत सिंह म्यूजिक इंडस्ट्री के ताज हैं। सब जानते हैं कि वो किशोर कुमार और रफी की तरह ही लाइव समारोह में भी रिकॉर्डिंग की तरह ही गाते हैं।

अवंतिका को मिला साउथ एशियन पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार

मैदान की बड़े मियां छोटे मियां से तुलना पर प्रियामणि ने दिया जवाब

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म मैदान रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म के रिलीज होते ही दर्शकों का लंबा इंतजार भी खत्म हो जाएगा। निर्माताओं ने इस फिल्म को बनाने में खूब पैसे खर्च किए हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार करेगी। वहीं, दूसरी ओर इसका मुकाबला अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से होने जा रहा है। अब देखना होगा कि कौन सी फिल्म ज्यादा कमाई करने में कामयाब होगी। मैदान में अजय देवगन के किरदार की पत्नी का किरदार निभा रही अभिनेत्री प्रियामणि ने इसकी तुलना बड़े मियां छोटे मियां से किए जाने पर बात की हैं। अक्षय और टाइगर की फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रियामणि के साथ कई फिल्मों में काम किया है। अब प्रियामणि और पृथ्वीराज की फिल्में एक-दूसरे को बॉक्स ऑफिस पर टक्कर देने जा रही है। ऐसे में अभिनेत्री प्रियामणि ने कहा कि उनके और पृथ्वीराज के बीच फिल्म की टक्कर को लेकर कोई बात नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वे पृथ्वीराज को खलनायक की भूमिका में देखने के लिए काफी उतावली है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वे जानती हैं कि पृथ्वीराज ने फिल्म में दमदार काम किया है।

रामायण के लिए रणबीर कपूर चार्ज कर रहे भारी-भरकम रकम !

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रामायण को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हर दिन इस फिल्म से जुड़ी कोई न कोई खबर सामने आ रही है। रणबीर के फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि रणबीर इस फिल्म में भगवान राम की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी सेट से कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं।

फिल्म से जुड़ी हर रोज कोई न कोई खबर सामने आ रही है। अब फिल्म के कलाकारों की फीस का खुलासा हुआ है। खबरों की मानें तो रणबीर कपूर रामायण में भगवान राम का किरदार निभाएंगे, जिसके लिए अभिनेता 75 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस ले रहे हैं। निर्देशक नितेश तिवारी रामायण को बड़े स्तर पर शूट कर रहे हैं। इसके लिए फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा है। भगवान राम की भूमिका के लिए रणबीर ट्रेनिंग ले रहे हैं। इसके चलते इन दिनों रणबीर काफी दुबले-पतले भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अभिनेता का ट्रेनिंग के दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह अपने किरदार के लिए कड़ी मेहनत करते दिखाई दे रहे हैं।

इसी बीच एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रणबीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए भारी रकम मांगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने भगवान राम की भूमिका के लिए 75 करोड़ रुपये फीस मांगी है। रणबीर की ये फीस उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल से भी ज्यादा है।

स्पाई यूनिवर्स की फीमेल लीड फिल्म में होंगे अनिल कपूर

यशराज प्रोडक्शन के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ये स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म होगी, जिसमें आलिया भट्ट लीड रोल में हैं। अब इस फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री भी हो चुकी है। वो फिल्म में रॉ चीफ की भूमिका निभाने वाले हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े सूत्र के हवाले से लिखा गया है, अनिल कपूर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बन चुके हैं। अनिल चर्चित फिल्म में रॉ चीफ के किरदार में नजर आएंगे। वो इस सीरीज में टाइगर फ्रैंचाइजी में रॉ चीफ बने गिरीश कर्नाड को रिप्लेस कर रहे हैं। बताते चलें कि साल 2019 में गिरीश कर्नाड का निधन हो चुका है। एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, टाइगर-3 और वॉर-2 के बाद अपकमिंग अनटाइटल फिल्म इस स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म है।

- साभार एजेंसी